नई दिल्ली। सोमवार, 24 अगस्त, 2026
श्रावण शुक्ल पक्ष द्वादशी, सिद्धार्थि संवत्सर विक्रम संवत 2083
वर्ष : 12, अंक : 229/ मूल्य 3.00 रुपए। पृष्ठ 12

दैनिक

विश्व केसरी

सिर्फ पत्रकारिता...

नई दिल्ली एवं छत्तीसगढ़ से एक साथ प्रकाशित

vishwakesari.com
@vishwakesariTV
@vishwakesari
vishwa_kesari_official
@VishwaKesari

@ खेल दुसरा टेस्टः पड्डिकल की बैक-टु-बैक सेंचुरी...
@ विचार इस दौर की एक बड़ी त्रासदी...
@ व्यापार जीआरएसई पश्चिम बंगाल में 2,600 करोड़ रुपए....

हम रक्षा क्षेत्र में किसी भी देश पर निर्भर नहीं रह सकतेः राजनाथ सिंह

एजेंसी ■ नई दिल्ली

रक्षामंत्री राजनाथ सिंह का कहना है कि अब हमारी सोच यह नहीं होनी चाहिए कि भारत को दुनिया से क्या खरीदना है। हमारी सोच यह होनी चाहिए कि दुनिया भारत से क्या खरीदना चाहती है। स्वदेशी हथियार हमारे लिए कितने जरूरी हैं, इसका उदाहरण हमें ऑपरेशन सिंदूर के दौरान दिखा। ऑपरेशन सिंदूर के दौरान दुनिया ने भारत की स्वदेशी हथियार प्रणालियों की क्षमता देखी।

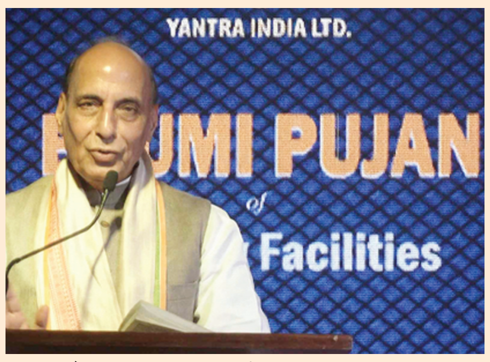

राजनाथ सिंह ने यह बात रविवार को पांच रक्षा प्रोजेक्टों का शिलान्यास करने के दौरान कहीं। जिनका शिलान्यास किया गया वे पश्चिम बंगाल स्थित जीआरएसई और यंत्र इंडिया लिमिटेड की 5 नई फैसिलिटी हैं। जीआरएसई देश के प्रमुख युद्धपोत निर्माण प्रतिष्ठानों में शामिल है। जीआरएसई के पास 800 से अधिक जहाजों के निर्माण का अनुभव है। यहां राजनाथ सिंह ने कहा, हमारा लक्ष्य होना चाहिए कि क्वालिटी ऐसी कि दुनिया भरोसा करे, कीमत ऐसी कि दुनिया चुने और डिलीवरी ऐसी कि दुनिया बार-बार ऑडर करे। उन्होंने बताया जीआरएसई पास तकनीकी जानकारी है, कुशल कार्यबल है और अब विस्तारित क्षमता भी होगी। आपको इसका पूरा उपयोग करना होगा। आप अभी नौसेना के ऑर्डर के साथ-साथ, एक जर्मन कंपनी के लिए 12 मालवाहक जहाज बना रहे हैं। यह बिल्कुल हमारी मेक इन इंडिया, मेक फॉर द वर्ल्ड, विजन के अनुरूप है। जैसे-जैसे आपकी क्षमता बढ़ेगी, आपको घरेलू और अंतरराष्ट्रीय दोनों ही बाजारों में अधिक आक्रामक बोली लगानी होगी।

राजनाथ सिंह ने कहा, 'आगे भी, रक्षा मंत्रालय के साथ, हमारी प्रयोगशालाएं, हमारे सार्वजनिक उपक्रम, और निजी हितधारक मिलकर, अपनी सेनाओं को स्वदेशी प्लेटफॉर्म से लैस करने में कोई कसर नहीं छोड़ेंगे। हमने यह साबित किया है। कि आत्मनिर्भरता केवल एक नीति नहीं है। आत्मनिर्भरता, युद्धक्षेत्र क्षमता का गुणक है। और इस पहल में जीआरएसई, तथा यंत्र इंडिया लिमिटेड की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण होने वाली है।'रक्षामंत्री ने कहा कि यदि हम हिंद महासागर क्षेत्र में जहाज मरम्मत और ओवरहॉल का केंद्र बन जाएं, तो विदेशी मुद्रा की बचत के साथ-साथ, हजारों रोजगार पैदा होंगे। आज भी हमारे बनाए युद्धपोत, दुनिया के संघर्ष क्षेत्रों से होकर हमारी ऊर्जा आपूर्ति को सुरक्षित रखने में मदद कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि हम रक्षा क्षेत्र में किसी भी देश पर निर्भर नहीं रह सकते। हमारी अपनी स्वदेशी कंपनियों और अनुसंधान संस्थानों को ही इस क्षेत्र में पूरी तरह प्रभुत्व हासिल करना होगा। और आज के ये पांचों परियोजनाएं उसी रणनीतिक स्वायत्तता को प्रतिबिंबित कर रहे हैं।

संक्षिप्त खबर

ईरान की देशों को चेतावनी

तेहरान। ईरान ने शनिवार को पड़ोसी देशों और अन्य राज्यों को चेतावनी दी कि वे उनके देश के खिलाफ अमेरिका के 'आर्थिक दबाव अभियान' में शामिल न हों। ईरान के एक अधिकारी ने साफ किया कि तेहरान ऐसे देशों को 'दुश्मन' मानेगा।

ईरान की सुप्रीम नेशनल सिक्योरिटी काउंसिल के सेक्रेटरी मोहसेन रेजाई ने सरकारी आईआरआईबी टीवी को दिए एक इंटरव्यू में कहा कि ईरान सबसे पहले उन देशों से बातचीत करेगा जो इसमें शामिल हैं ।

श्रीनगर सेंट्रल जेल से पॉक्सो के दो आरोपी फरार

पूरे जम्मू-कश्मीर में अलर्ट जारी

एजेंसी ■ श्रीनगर

जम्मू-कश्मीर की श्रीनगर सेंट्रल जेल से पॉक्सो अधिनियम के दो आरोपी रविवार को फरार हो गए। घटना के बाद पुलिस ने दोनों की तलाश के लिए बड़े पैमाने पर अभियान शुरू कर दिया है और पूरे केंद्र शासित प्रदेश में अलर्ट जारी किया गया है।

एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने बताया कि दोनों आरोपी अलग-अलग पॉक्सो मामलों में श्रीनगर सेंट्रल जेल में बंद थे। जेल से फरार होने के बाद उनकी गिरफ्तारी के लिए लुकआउट नोटिस जारी किए गए हैं। कश्मीर ज़ोन पुलिस द्वारा जारी नोटिस के अनुसार पहला आरोपी मुख्तार अहमद गुज्जर है, जो अनंतनाग जिले के संगलान चिटरगुल का निवासी है। उसके खिलाफ सौरा थाने में दर्ज एफआईआर संख्या 20/2026 में भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धाराओं 137(2) और 65(1) तथा पॉक्सो एक्ट की धाराओं 3/4 के तहत मामला दर्ज है।

दूसरा आरोपी फरमान खान है, जो सदनपोरा रागिस्तान का निवासी है। उसके खिलाफ लार थाने में दर्ज एफआईआर संख्या 19/2026 में बीएनएस की धाराओं 137(2) और 87 तथा पॉक्सो एक्ट की धाराओं 3/4 के तहत मामला दर्ज है।

भारत और कुवैत के बीच मजबूत रिश्तों को लेकर चर्चा

कुवैत सिटी। कुवैत में भारत की राजदूत परमिता त्रिपाठी ने रविवार को खाड़ी देश के वाणिज्य और उद्योग मंत्री ओसामा खालिद अब्दुल्ला बोदाई से मुलाकात की और कई क्षेत्रों में सहयोग को और मजबूत करने के अवसरों पर चर्चा की।

कुवैत में भारतीय दूतावास ने 'एक्स' पर बताया कि राजदूत परमिता त्रिपाठी ने कुवैत के वाणिज्य और उद्योग मंत्री ओसामा खालिद अब्दुल्ला बोदाई से मुलाकात की। इसमें भारत और कुवैत के बीच लंबे समय से चले आ रहे दोस्ताना रिश्तों और व्यापार, उद्योग व आर्थिक क्षेत्रों में सहयोग को और मजबूत करने के मौकों पर चर्चा हुई, जिसमें खाद्य सुरक्षा और सप्लाई चेन पर खास ध्यान दिया गया।

बांग्लादेश में हिंदू परिवार के 4 लोगों की हत्या

एजेंसी ■ ढाका

बांग्लादेश के रंगपुर शहर में एक हिंदू परिवार के चार लोगों की हत्या कर दी गई। इनमें रिटायर्ड स्कूल शिक्षक, उनकी पत्नी, बेटी और बेटा शामिल हैं। बांग्लादेशी मीडिया डेली स्टार के मुताबिक इस मामले में पुलिस ने कजिन ब्रदर्स मुग्धो और सिद्धार्थ को हिरासत में ले लिया गया है।

पुलिस के मुताबिक, दोनों युवक घर की छत पर बैठकर याबा नाम की नशीली ड्रग ले रहे थे। परिवार ने उन्हें देख लिया और रोकने की कोशिश की। इसके बाद दोनों ने परिवार की हत्या कर दी।

परिवार के चारों लोगों के शव शनिवार रात बंद घर से मिले। मृतकों की पहचान गणपति चक्रवर्ती (65), पत्नी प्रीतिलता चक्रवर्ती (50), बेटी आगमी चक्रवर्ती प्रार्थी (23) और बेटे प्रियम चक्रवर्ती (12) के रूप में हुई है।

गणपति रंगपुर जिला स्कूल में शिक्षक थे और पिछले साल 31 दिसंबर को रिटायर हुए थे। रिटायरमेंट के बाद वे होम्योपैथी का काम भी कर रहे थे। परिवार के चारों सदस्यों की मौत के बाद परिजन का रो-रोकर बुरा हाल है।

परिवार के चारों सदस्यों की मौत के बाद परिजन का रो-रोकर बुरा हाल है।

पड़ोसी की छत से घर में पहुंचे थे आरोपी

रंगपुर मेट्रोपॉलिटन पुलिस कमिश्नर मोहम्मद अब्दुल माबूद के मुताबिक, दोनों आरोपी गुरुवार रात पड़ोस की इमारत से गणपति के घर की छत पर पहुंचे थे। वहां दोनों ड्रग ले रहे थे।

गणपति ने छत से आवाज सुनी तो वहां पहुंचे और दोनों से पूछा कि वे छत पर क्या कर रहे हैं। दोनों को डर था कि गणपति उन्हें पहचान लेंगे। इसलिए उन्होंने उनके ही गमछे से उनका गला दबा दिया।

आवाज सुनकर गणपति की पत्नी भी ऊपर पहुंचीं। आरोपियों ने सीढ़ियों पर कपड़े के एक टुकड़े से उनका भी गला दबा दिया। इसके बाद उनकी बेटी और 12 साल के बेटे की भी हत्या कर दी।

हत्या करने के बाद दोनों आरोपी तुरंत घर से नहीं भागे। वे करीब 6 से 7 घंटे तक घर के अंदर ही रहे।आरोपियों ने वहां खाना खाया और नशीली ड्रग ली। इसके अलावा आरोपियों ने घर में नहाया भी था। पूछताछ में दोनों ने हत्या की बात कबूल कर ली।

चारों के शव घर में अलग-अलग जगह मिले

रंगपुर मेट्रोपॉलिटन CID के अधिकारी सुबीर चौधरी के मुताबिक, गणपति का शव छत पर, उनकी पत्नी और बेटी के शव सीढ़ियों के पास मिले। वहीं 12 साल के बेटे प्रियम का शव बिस्तर के नीचे मिला। परिजनों ने बताया कि परिवार का किसी से विवाद या दुश्मनी नहीं थी। परिवार ने दासपाड़ा में नया घर बनाया था और वहीं रह रहा था। गणपति की बेटी आगमी ने इसी साल अंग्रेजी में मास्टर्स की डिग्री पूरी की थी।

भारत के स्पेस सेक्टर में अब लगभग 440 स्टार्टअप काम कर रहे : इसरो प्रमुख

एजेंसी ■ अहमदाबाद

इसरो के चेयरमैन और डिपार्टमेंट ऑफ स्पेस के सेक्रेटरी डॉ. वी. नारायणन ने रविवार को अहमदाबाद में तीसरे नेशनल स्पेस डे के मौके पर कहा कि भारत के स्पेस सेक्टर में अब लगभग 440 स्टार्टअप हैं। यह उस इंडस्ट्री में प्राइवेट भागीदारी के बड़े विस्तार को दिखाता है, जिस पर कभी सरकारी संस्थानों का दबदबा था।

नारायणन ने कहा कि स्टार्टअप की संख्या में यह बढ़ोतरी स्पेस सेक्टर में हुए सुधारों के बाद हुई है, जिससे प्राइवेट कंपनियों और उद्यमियों के लिए ज्यादा मौके खुले हैं।

यह आंकड़ा भारत के उभरते प्राइवेट स्पेस इकोसिस्टम को ग्लोबल स्पेस इंडस्ट्री में अपनी भूमिका बढ़ाने की देश की बड़ी कोशिशों के केंद्र में रखता है।

नारायणन ने कहा कि स्पेस सेक्टर में सुधारों के बाद देश में स्टार्टअप की संख्या में काफी बढ़ोतरी हुई है और आज स्पेस सेक्टर में लगभग 440 स्टार्टअप काम कर रहे हैं।

इसरो चेयरमैन ने कहा कि भारत का स्पेस प्रोग्राम 1962 में शुरू हुआ था। अब शुरुआती सालों से आगे बढ़कर अब एक ऐसे प्रोग्राम में बदल गया है जिसके जरिए आम नागरिकों को सीधे फायदा मिल रहा है।

नारायणन ने देश की कुछ बड़ी उपलब्धियों का जिक्र किया, जिनमें चंद्रयान-1 द्वारा चंद्रमा पर पानी के अणुओं की खोज, चंद्रयान-2 में इस्तेमाल की गई एडवांस्ड कैमरा टेक्नोलॉजी, और 23 अगस्त, 2023 को चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव के पास चंद्रयान-3 की सफल सॉफ्ट लैंडिंग शामिल हैं।

'कानूनी कार्रवाई झेलने को तैयार रहें आरोपी', : डॉ. गुरप्रीत कौर मान

एजेंसी ■ पटियाला

पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान की पत्नी डॉ. गुरप्रीत कौर मान पर रेप केस को दबाने के लिए बदले पांच करोड़ रुपए की कथित रिश्वत मांगने के आरोप लगे हैं। इस मामले में उन्होंने मीडिया के सामने बेबाक से अपनी राय रखी और विरोधियों को फर्जी आरोपों के लिए कानूनी कार्रवाई झेलने की चुनौती भी दी।

पटियाला के एक महिला प्रोग्राम में भाग लेने पहुंची डॉ. गुरप्रीत कौर ने कहा कि ये प्रोग्राम काफी अच्छा रहा है। बहुत दिन बाद महिलाओं के लिए ऐसा प्रोग्राम हुआ, जिसमें सभी मां-बहनें एक साथ इकट्ठा हुई हैं।

रेप रिश्वत कांड को लेकर लग रहे आरोपों पर उन्होंने कहा कि इल्जाम लगाना बहुत आसान है। बेबुनियाद आरोप लगाना बहुत आसान है।

रांची में धरना-प्रदर्शन, जुलूस और रैली के लिए अब पूर्व अनुमति जरूरी

एजेंसी ■ रांची

रांची जिला प्रशासन ने सार्वजनिक स्थानों पर धरना-प्रदर्शन, घेराव, जुलूस, रैली और आमसभा आयोजित करने के लिए पूर्व अनुमति लेना अनिवार्य कर दिया है। प्रशासन के अनुसार, ऐसे कार्यक्रमों के आयोजन के लिए रांची सदर या बुंडू के अनुमंडल पदाधिकारी द्वारा निर्धारित प्रक्रिया का पालन करना होगा।

प्रशासन ने कहा कि कई बार बिना पूर्व सूचना के धरना-प्रदर्शन और रैलियां आयोजित की जाती हैं, जिससे कानून-व्यवस्था, आम लोगों की सुरक्षा और यातायात व्यवस्था प्रभावित होती है। इसे देखते हुए आयोजकों को कार्यक्रम से पहले प्रशासन को आवश्यक जानकारी उपलब्ध करानी होगी। जुलूस या रैली के आयोजकों को कार्यक्रम की तारीख, शुरू होने और समाप्त होने का समय, प्रस्तावित मार्ग तथा संभावित प्रतिभागियों की संख्या की जानकारी देनी होगी। आवश्यकता पड़ने पर कार्यक्रम में शामिल होने वाले प्रमुख लोगों का विवरण भी प्रशासन को देना होगा। जिला प्रशासन ने स्पष्ट किया कि शांतिपूर्ण धरना और विरोध-प्रदर्शन करना नागरिकों का संवैधानिक अधिकार है, लेकिन इसके नाम पर सार्वजनिक रास्तों को बाधित करना या आम लोगों की सुरक्षा और यातायात व्यवस्था प्रभावित करना उचित नहीं है। कार्यक्रमों का आयोजन कानून और प्रशासन द्वारा जारी निर्देशों के अनुरूप करना होगा। प्रशासन ने छात्रों और आम नागरिकों से अपील की है कि किसी भी प्रदर्शन या सार्वजनिक कार्यक्रम में शामिल होने से पहले आयोजकों से उसकी वैधानिक स्थिति और प्रशासन की अनुमति की जानकारी प्राप्त कर लें। साथ ही, अफवाह या भ्रामक सूचना के आधार पर ऐसा कोई कदम नहीं उठाने को कहा गया है, जिससे कानून-व्यवस्था बिगड़ने या आम लोगों को परेशानी होने की स्थिति उत्पन्न हो। प्रशासन ने कहा कि पूर्व अनुमति की व्यवस्था का उद्देश्य शांतिपूर्ण और लोकतांत्रिक कार्यक्रमों को रोकना नहीं, बल्कि प्रदर्शनकारियों की सुरक्षा, यातायात व्यवस्था और आम लोगों की सुविधा सुनिश्चित करना है। जिला प्रशासन ने राजनीतिक दलों, सामाजिक संगठनों, संस्थाओं और आम नागरिकों से सार्वजनिक कार्यक्रम आयोजित करने से पहले निर्धारित प्रक्रिया का पालन करने और समय पर प्रशासन को सूचना देने की अपील की है।

ईस्ट बंगाल ने 22 साल बाद जीता खिताब

कोलकाता। 135वें डूरंड कप के फाइनल में ईस्ट बंगाल एफसी ने रविवार को मोहन बागान सुपर जायंट के खिलाफ 4-1 के बड़े अंतर से जीत दर्ज करते हुए खिताब अपने नाम किया। इसी के साथ ईस्ट बंगाल ने 22 साल बाद 'डूरंड कप' का टाइटल अपने नाम किया है। इससे पहले टीम ने साल 2004 में यह प्रतिष्ठित ट्रॉफी उठाई थी। इस जीत के साथ ही ईस्ट बंगाल ने डूरंड कप खिताबों की संख्या में मोहन बागान की बराबरी कर ली।

तीर तेवर — सागर कुमार

भूपेश के जन्मदिन पर शक्ति प्रदर्शन समर्थकों ने बढ़ाया सियासी तापमान

संवाददाता ■ रायपुर

पूर्व मुख्यमंत्री, एआईसीसी महासचिव, भूपेश बघेल का जन्मदिन कांग्रेस के कार्यकर्ताओं ने पूरे प्रदेश में धूमधाम से मनाया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि आप का स्नेह, प्यार और आशीर्वाद ही मेरी असल ताकत है, आप सभी का यही विश्वास मुझे प्रदेश के 3 करोड़ हितों के लिए काम करने की प्रेरणा देता है। प्रदेश के कोने कोने से आए कार्यकर्ताओं का जोश मुझे कर्तव्य पथ पर ताकत देता है, आप सभी के उत्साह और विश्वास मुझे हमेशा और अधिक क्षमता से माटी की सेवा के लिए प्रेरित करता है, मैं भरोसा दिलाता हूं कि कार्यकर्ताओं की अपेक्षाओं को पूरा करने का सदैव प्रयास जारी रहेगा। इस अवसर पर सुबह भिलाई निवास से लेकर पाटन, दुर्ग और रायपुर बंगले में ऐतिहासिक जन सैलाब उमड़ा, जगह-जगह फुलमाला और आतिशबाजियों के साथ स्वागत किया गया। करी लड्डू, फूल, फलों और धान से तौलकर जननेता के स्वागत के लिए कार्यकर्ता उमड़ पड़े। मुख्य कार्यक्रम पाटन के अखरा दाई मंदिर में क्षेत्र के हजारों की संख्या में लोग बधाई देने पहुंचे। प्रदेश भर से कांग्रेस के विधायक, पूर्व मंत्री, पूर्व विधायक सहित हजारों कार्यकर्ता बधाई देने पहुंचे।

उपराष्ट्रपति राधाकृष्णन आंध्र प्रदेश के किसानों को करेंगे सम्मानित

विश्व केसरी ■

नई दिल्ली। उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन पॉपकॉर्न मक्का संकर बीज लॉन्च करने और किसानों को सम्मानित करने के लिए सोमवार को आंध्र प्रदेश के एलुरु जिले के मुसुनुरु का दौरा करेंगे।

रविवार को उपराष्ट्रपति सचिवालय से जारी एक बयान में कहा गया, 'अपनी यात्रा के दौरान उपराष्ट्रपति मुसुनुरु में 'गॉरमेट पॉपकॉर्निका फैक्ट्री' में एक कार्यक्रम में शामिल होंगे। वहां वे भारत के पहले नॉन-जीएमओ हाई-एक्सपेंशन पॉपकॉर्न मक्का हाइब्रिड बीज को लॉन्च करेंगे, किसानों को सम्मानित करेंगे और कृषि से जुड़े लोगों और अन्य प्रतिभागियों को संबोधित करेंगे।'

इससे पहले पिछले सप्ताह, राधाकृष्णन ने उत्तराखंड का दौरा किया था और मसूरी में लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय प्रशासन अकादमी (लबासना) में युवा आईएएस अधिकारियों से कहा था कि लीडरशिप को ताकत से नहीं, बल्कि मुश्किल हालात में सही और नैतिक तरीके से काम करने की क्षमता से मापा जाता है। चरित्र और ईमानदारी को जनसेवा की नींव बताते हुए उपराष्ट्रपति ने अधिकारियों से कहा कि वे लोगों की जिंदगी बदलकर अपनी सेवा को सार्थक बनाएं।

'विकसित भारत 2047' की यात्रा का जिक्र करते हुए राधाकृष्णन ने अधिकारियों से कहा कि वे यह पक्का करें कि विकास आखिरी छोर तक पहुंचे, हर शिकायत सुनी जाए और हर नागरिक सशक्त बने।

उपराष्ट्रपति ने अधिकारियों से यह भी कहा कि वे काम में तेजी, पारदर्शिता और नागरिकों तक सेवा पहुंचाने के तरीके को बेहतर बनाने के लिए नई तकनीकों, जैसे आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, नेचुरल लैंग्वेज प्रोसेसिंग, मशीन लर्निंग और ब्लॉकचेन, को अपनाएं।

एक सरकारी बयान के मुताबिक, उन्होंने लगातार सीखते रहने, हालात के हिसाब से ढलने और भविष्य के लिए तैयार रहने पर जोर दिया। साथ ही, उन्होंने युवा अधिकारियों से कहा कि वे अकेले या किसी खास ग्रुप की कामयाबी के बजाय पूरी टीम की कामयाबी के लिए कोशिश करें।

उन्होंने मिल-जुलकर काम करने वाली टीमें बनाने, साथियों का हौसला बढ़ाने और अपने से पहले के अधिकारियों द्वारा शुरू किए गए अच्छे कामों को आगे बढ़ाने के महत्व पर जोर दिया। 2024 बैच के आईएएस ट्रेनी अधिकारियों की दूसरे चरण की ट्रेनिंग पूरी होने पर बोलते हुए, उपराष्ट्रपति ने कहा कि सिविल सर्विस ने देश के विकास में बहुत बड़ा योगदान दिया है ।

बाबा रामदेव ने 'वन नेशन वन इलेक्शन' का किया समर्थन, बोले- शिक्षा और विकास को मिलेगी रफ्तार

विश्व केसरी ■

हरिद्वार। योग गुरु स्वामी रामदेव ने 'वन नेशन, वन इलेक्शन' का जोरदार समर्थन करते हुए कहा कि बार-बार होने वाले चुनाव देश के विकास और शिक्षा व्यवस्था दोनों को प्रभावित करते हैं। उन्होंने कहा कि पूरे देश में एक साथ चुनाव होने से शिक्षकों का समय बचेगा और वे पूरी तरह छात्रों की पढ़ाई पर ध्यान दे सकेंगे।

हरिद्वार में स्वामी रामदेव ने कहा कि देश में हर कुछ महीनों में किसी न किसी राज्य में चुनाव होते रहते हैं, जिससे पूरा देश लगातार चुनावी मोड में रहता है। इसका असर विकास योजनाओं और प्रशासनिक कामकाज पर पड़ता है।

उन्होंने कहा, 'वन नेशन, वन इलेक्शन से शिक्षा व्यवस्था में भी सुधार होगा, क्योंकि चुनाव के दौरान बड़ी संख्या में शिक्षकों की ड्यूटी लगाई जाती है। यदि एक साथ चुनाव होंगे तो शिक्षकों का समय बचेगा और शिक्षा की गुणवत्ता बेहतर होगी।'

स्वामी रामदेव ने कहा कि संत समाज इस पहल का एकमत से समर्थन करता है, क्योंकि राष्ट्रहित किसी भी दल या क्षेत्रीय राजनीति से ऊपर है। उन्होंने कहा कि राजनीतिक स्वार्थ के लिए देशहित से समझौता नहीं होना चाहिए।

उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विकसित भारत के लक्ष्य का उल्लेख करते हुए कहा, 'प्रधानमंत्री ने 2047 तक विकसित भारत का संकल्प लिया है, लेकिन मेरी इच्छा है कि भारत 2040 तक ही विकसित राष्ट्र बन जाए।'

यूजीसी और आरक्षण आंदोलन को लेकर स्वामी रामदेव ने कहा कि कुछ लोग सड़कों से लेकर संसद तक हंगामा करके लोकतंत्र को बंधक बनाना चाहते हैं। उन्होंने कहा, 'कुछ लोगों को लगता है कि वे सड़कों और संसद में अराजकता फैलाकर लोकतंत्र को बंधक बना सकते हैं, लेकिन लोकतंत्र को कोई बंधक नहीं बना सकता।

तेलंगाना में ऑटो चालकों से हड़ताल वापस लेने की अपील, किराया बढ़ाने की मांग पर बनेगी समितिः परिवहन मंत्री

विश्व केसरी ■

हैदराबाद । तेलंगाना के परिवहन मंत्री पोन्नम प्रभाकर गौड़ ने राज्यभर के ऑटो रिक्शा चालकों से रविवार आधी रात से प्रस्तावित अनिश्चितकालीन हड़ताल वापस लेने की अपील की है। उन्होंने भरोसा दिलाया कि सरकार ऑटो चालकों की सभी जायज मांगों, विशेषकर किराया बढ़ाने के मुद्दे, पर चर्चा के जरिए समाधान निकालेगी।

सिद्दीपेट जिले में मीडिया से बातचीत करते हुए मंत्री ने कहा, 'समस्याओं का समाधान हड़ताल से नहीं, बल्कि बातचीत से निकलता है। सरकार ऑटो कर्मचारियों की समस्याओं के समाधान के लिए पूरी तरह तैयार है।

उन्होंने बताया कि राज्य सरकार ऑटो चालकों के लिए वेलफेयर बोर्ड का गठन कर रही है। इसके अलावा पेट्रोल और डीजल ऑटो को इलेक्ट्रिक ऑटो में बदलने (रेट्रोफिटिंग) के लिए प्रति ऑटो 1.50 लाख रुपये तक की वित्तीय सहायता देने की नई योजना भी लाई जा रही है।

मंत्री ने कहा कि ऑटो किराए में वर्ष 2015 के बाद कोई बढ़ोतरी नहीं हुई है। पेट्रोल-डीजल की बढ़ती कीमतों, वाहन की लागत और रखरखाव के खर्च को देखते हुए सरकार किराए की समीक्षा के लिए एक विशेष समिति बनाएगी। इस समिति में ऑटो यूनियनों के प्रतिनिधि, परिवहन विभाग के अधिकारी और अन्य संबंधित पक्ष शामिल होंगे।

पोन्नम प्रभाकर ने कहा कि हैदराबाद में प्रदूषण कम करने के साथ-साथ ऑटो चालकों पर आर्थिक बोझ घटाने के लिए सरकार इलेक्ट्रिक ऑटो को बढ़ावा दे रही है। पुरानी ऑटो स्क्रैप कर नई इलेक्ट्रिक ऑटो खरीदने वालों को भी सरकारी सहायता दी जाएगी। सरकार चरणबद्ध तरीके से पेट्रोल, डीजल और गैस ऑटो की जगह इलेक्ट्रिक ऑटो को बढ़ावा देना चाहती है।

उन्होंने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों के ऑटो चालकों की समस्याओं पर भी सरकार गंभीरता से विचार कर रही है। उनकी आर्थिक स्थिति को ध्यान में रखते हुए ऐसी नीति तैयार की जा रही है।

पटना के डॉक्टरों ने दुर्लभ सर्जरी कर बनाया कीर्तिमान, इंटरनेशनल बुक ऑफ रिकॉर्ड्स में दर्ज हुआ नाम

विश्व केसरी ■

पटना । बिहार के चिकित्सा जगत के लिए एक बड़ी उपलब्धि सामने आई है। पटना के दो वरिष्ठ ऑर्थोपेडिक सर्जनों ने घुटने के कैंसर से जूझ रहे एक मरीज की बेहद जटिल सर्जरी को सफलतापूर्वक अंजाम देकर कीर्तिमान स्थापित किया है। इस उपलब्धि को इंटरनेशनल बुक ऑफ रिकॉर्ड्स में दर्ज किया गया है।

दोनों चिकित्सकों को मेडल और प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित भी किया गया।

जानकारी के मुताबिक, समस्तीपुर के रहने वाले 60 वर्षीय मरीज के घुटने की हड्डी कैंसर के कारण पूरी तरह खराब हो गई थी। मरीज का देश के अलग-अलग शहरों में कई बार उपचार और सर्जरी हो चुकी थी, लेकिन इसके बावजूद उसकी स्थिति में अपेक्षित सुधार नहीं हुआ। वह चलने-फिरने में पूरी तरह असमर्थ हो गया था। इसके बाद मरीज का इलाज पटना के प्रसिद्ध ऑर्थोपेडिक सर्जन डॉ. निशिकांत और डॉ. सौरभ चौधरी ने संभाला।

कंकड़बाग स्थित मेडिवर्सल अस्पताल में चिकित्सकों की टीम ने अत्याधुनिक तकनीक

का इस्तेमाल करते हुए मरीज के लिए 545 मिलीमीटर लंबा कस्टमाइज्ड 3डी प्रिंटेड इंप्लांट तैयार किया। इसके बाद इसे सफलतापूर्वक मरीज के शरीर में प्रत्यारोपित किया गया।

चिकित्सकों के मुताबिक, इतनी लंबाई के कस्टमाइज्ड 3डी प्रिंटेड इंप्लांट के साथ इस तरह की सर्जरी का उदाहरण दुनिया में अब तक सामने नहीं आया है। इसी उपलब्धि को इंटरनेशनल बुक ऑफ रिकॉर्ड्स में स्थान दिया गया है।

सर्जरी के बाद मरीज की स्थिति में उल्लेखनीय सुधार हुआ और उसने दोबारा चलना शुरू कर दिया। चिकित्सकों का कहना है कि अब वह सामान्य जीवन जी रहा है। इस सफलता को बिहार में आधुनिक चिकित्सा तकनीक और विशेषज्ञता के बढ़ते स्तर के रूप में देखा जा रहा है।

डॉ. निशिकांत ने कहा, 'यह सफलता सिर्फ हमारी नहीं, बल्कि पूरे बिहार के चिकित्सा क्षेत्र की उपलब्धि है। अब जटिल बीमारियों के इलाज के लिए मरीजों को दूसरे राज्यों में जाने की जरूरत नहीं है।'

वहीं, डॉ. सौरभ चौधरी ने इस उपलब्धि को पूरी चिकित्सा टीम के सामूहिक प्रयास और आधुनिक तकनीक का परिणाम बताया। उन्होंने कहा कि चुनौतीपूर्ण मामलों में बेहतर योजना, विशेषज्ञ टीम और अत्याधुनिक तकनीक के समन्वय से मरीजों को बेहतर उपचार उपलब्ध कराया जा सकता है।

मेडिवर्सल अस्पताल प्रबंधन ने इस ऐतिहासिक उपलब्धि के लिए दोनों चिकित्सकों और पूरी टीम को बधाई दी। अस्पताल प्रबंधन ने कहा कि यह उपलब्धि न केवल संस्थान, बल्कि पूरे बिहार के लिए गर्व का विषय है।

चुनावी राज्यों में युवाओं पर भाजपा का फोकस, सदस्यता विस्तार और 'सेवा संकल्प अभियान' को मिलेगी रफ्तार

विश्व केसरी ■

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने आगामी विधानसभा चुनावों से पहले संगठन विस्तार और जनसंपर्क अभियान को तेज करने की रणनीति बनाई है। पार्टी ने युवाओं को जोड़ने और सदस्यता अभियान को व्यापक बनाने पर विशेष जोर देने का फैसला किया है।

पार्टी की बैठक में विभिन्न कार्यक्रमों के जरिए सदस्यता बढ़ाने का रोडमैप तैयार करने पर चर्चा हुई। इसमें खास तौर पर युवाओं की भागीदारी बढ़ाने और उन्हें संगठन से जोड़ने की योजना पर मंथन किया गया।

बैठक में तय किया गया कि आने वाले दिनों में 'सेवा संकल्प अभियान' के तहत होने वाले कार्यक्रमों और आयोजनों की योजना बनाने तथा उनके समन्वय के लिए छोटी-छोटी टीमें गठित की जाएंगी।

सूत्रों के मुताबिक, पार्टी विभिन्न क्षेत्रों में कार्यक्रमों की निगरानी और समन्वय के लिए कुछ राष्ट्रीय महासचिवों को अलग-अलग जोन का प्रभारी भी बना सकती है।

भाजपा चुनावी राज्यों में विशेष रूप से आक्रामक प्रचार अभियान चलाने की तैयारी में है। इसके तहत प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सरकार के पिछले 12 वर्षों की उपलब्धियों और जनकल्याणकारी योजनाओं को व्यापक स्तर पर जनता तक पहुंचाया जाएगा।

बैठक में पार्टी द्वारा वर्तमान में चलाए जा रहे विभिन्न संगठनात्मक और जनसंपर्क कार्यक्रमों की समीक्षा भी की गई। साथ ही इन कार्यक्रमों को अधिक प्रभावी ढंग से लागू करने और उनकी पहुंच बढ़ाने पर चर्चा हुई।

भाजपा की यह रणनीति आगामी विधानसभा चुनावों से पहले बूथ स्तर तक संगठन को मजबूत करने, सदस्यता आधार का विस्तार करने और जनता के बीच अपनी पहुंच को और सशक्त बनाने की व्यापक संगठनात्मक योजना का हिस्सा मानी जा रही है।

कर्नाटक : भाजपा सोमवार को विधानसभा का करेगी घेराव, मंत्री नागेंद्र के इस्तीफे की मांग

विश्व केसरी ■

बेंगलुरु। कर्नाटक विधानसभा में विपक्ष के नेता आर. अशोक ने रविवार को कहा कि कर्नाटक भाजपा सोमवार को विधान सौधा का घेराव करेगी। यह विरोध प्रदर्शन योजना और सांख्यिकी मंत्री बी. नागेंद्र के इस्तीफे की मांग को लेकर जारी आंदोलन का हिस्सा है, जो कथित तौर पर आदिवासी कल्याण निगम घोटाले से जुड़े हैं।

बेंगलुरु में भाजपा के राज्य मुख्यालय में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए, अशोक ने कहा कि विरोध प्रदर्शन सुबह 9.30 बजे फ्रीडम पार्क से शुरू होगा, जिसके बाद भाजपा कार्यकर्ता विधान सौधा तक मार्च करेंगे और उसका घेराव करेंगे। उम्मीद है कि भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष बी.वाई. विजयेंद्र और पार्टी के कई वरिष्ठ नेता इस विरोध प्रदर्शन में शामिल होंगे।

अशोक ने कहा कि भाजपा अपना आंदोलन तब तक जारी रखेगी जब तक नागेंद्र 'कर्नाटक महर्षि वाल्मीकि अनुसूचित जनजाति विकास निगम' से फंड के कथित दुरुपयोग के मामले में इस्तीफा नहीं दे देते।

उन्होंने कहा, 'हम सरकार पर दबाव बनाएंगे। केंद्रीय मंत्री एच.डी. कुमारस्वामी ने हमसे विरोध प्रदर्शन जारी रखने को कहा है और कहा है कि हमारी पार्टी के कार्यकर्ता इसमें सहयोग करेंगे।

'ऑपरेशन छापामारी चक्रव्यूह' की सफलताः चोरी की 161 दोपहिया गाड़ियां बरामद, 103 गिरफ्तारियां

विश्व केसरी ■

नई दिल्ली। दिल्ली के रोहिणी जिले में पुलिस ने वाहन चोरी पर लगाम लगाने के लिए चलाए गए विशेष अभियान 'ऑपरेशन छापामारी चक्रव्यूह' के तहत बड़ी सफलता हासिल की है। 18 से 21 अगस्त तक चले इस अभियान में 5000 से ज्यादा वाहनों की जांच की गई और चोरी की 161 दोपहिया गाड़ियां बरामद की गईं।

यह ऑपरेशन रोहिणी के डीसीपी शशांक जायसवाल के नेतृत्व में, एडिशनल डीसीपी-I सतीश कुमार की मदद से, जॉइंट सीपी विजय सिंह की देखरेख और स्पेशल सीपी देवेश चंद्र श्रीवास्तव की निगरानी में चलाया गया। इसमें जिले की 16 टीमों के 277 कर्मचारियों ने हिस्सा लिया।

पुलिस ने इस दौरान 161 दोपहिया वाहनों में 116 मोटरसाइकिल और 45 स्कूटी बरामद कीं। इसके अलावा, सात अवैध हथियार, जिसमें एक ब्राजील-निर्मित टॉरस

पिस्तौल और छह देसी पिस्तौल (सीएमपी), 15 जिंदा कारतूस और बटन से खुलने वाले नौ चाकू भी जब्त किए गए।

अभियान केवल वाहन चोरी तक सीमित नहीं रहा, बल्कि पुलिस ने नशा, अवैध शराब और जुए के खिलाफ भी कार्रवाई की। 686 ग्राम हेरोइन, अवैध शराब की 2990 क्वार्टर बोतलें और ट्रांसपोर्ट में इस्तेमाल की गई दो कारें जब्त की गईं। जुआ अधिनियम के 11 मामलों में 21 आरोपियों को गिरफ्तार कर 13,960 रुपए की नकद राशि बरामद की गई। वहीं आबकारी अधिनियम के तहत 13 शराब तस्करों को पकड़ा गया।

इस दौरान कुल 103 आरोपियों को गिरफ्तार किया गया, जिनमें 24 हिस्ट्रीशीटर शामिल हैं। पांच घोषित अपराधियों (प्रोक्लेम्ड ऑफेंडर्स) को भी पकड़ा गया और एहतियात के तौर पर सात सक्रिय हिस्ट्रीशीटरों को गिरफ्तार किया गया।

साइबर क्राइम के खिलाफ भी पुलिस को बड़ी कामयाबी मिली है। सात साइबर फ्रॉड करने वालों को गिरफ्तार किया गया, जिनमें झारखंड के गिरिडीह के 4 आरोपी भी शामिल हैं। जांच में इनके बैंक खातों से जुड़ी 26 शिकायतें सामने आई हैं, जिनमें करीब 78 लाख रुपए की धोखाधड़ी का मामला है। इनके पास से 3 मोबाइल फोन बरामद किए गए हैं। एक अन्य मामले में नकली दस्तावेजों से 3.85 लाख की ठगी करने वाले आरोपी को राजस्थान से पकड़ा गया।

स्पेशल स्टाफ, रोहिणी ने एनडीपीएस एक्ट के तहत दो ड्रग सप्लायरों को गिरफ्तार कर हेरोइन बरामद की। अब तक इस केस में कुल 05 आरोपी पकड़े जा चुके हैं और 1764 ग्राम हेरोइन व 1.55 लाख रुपए नकद बरामद किया गया है।

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर
(जोन क्रं - 6)
-:: आई. एस. बी. टी., चतुर्थ तल, रावणभाठा, रायपुरः :-
Email ID - rmczone6@gmail.com

पत्र क्रं /....34700..../ न. पा. नि.
जोन क्रं 6/2026
रायपुर, दिनांक 22-08-2026

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 34700

वार्ड का नाम 60 चन्द्रशेखर आजाद वार्ड

एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 60 स्थित भवन /भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई. डी. **RPR653B00040** जो की निगम अभिलेख श्री / श्रीमती **TIRITH RAM SAH** पिता/पति श्री श्रीमती **KAMAL SINGH SAHU** के नाम से दर्ज है जिसको श्री / श्रीमती पिता/पति श्री/श्रीमती ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार / **SHAPATH PATR SAHAMATI PATR AND DEATH CERTIFICATE /** वंशानुक्रम /अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति / संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते है, प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा प्रस्तुत करे। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा / आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

सूचना जारी करे '

(जोन कमिश्नर)
जोन (6)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर
(जोन क्रं - 6)
-:: आई. एस. बी. टी., चतुर्थ तल, रावणभाठा, रायपुरः : -
Email ID - rmczone6@gmail.com

पत्र क्रं /....34679..../ न. पा. नि. /
जोन क्रं 6/2026
रायपुर, दिनांक 22-08-2026

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 34679

वार्ड का नाम - 65 - महामाया मंदिर वार्ड

एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 65 स्थित भवन / भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई. डी. **RPR561A00123** जो की निगम अभिलेख श्री / श्रीमती **REKHA MISHARA** पिता / पति श्री/श्रीमती **ASHWANI MISHARA** के नाम से दर्ज है जिसको श्री / श्रीमती श्री प्रेमनारायण मिश्रा पिता / पति श्री/श्रीमती पिता सूरज प्रसाद साहू ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार / पंजीकृत दानपत्र / वंशानुक्रम / अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति / संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते है, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा / प्रस्तुत करे । निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा / आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा ।

सूचना जारी करे '

श्री हितेन्द्र यादव
(जोन कमिश्नर)
जोन (6)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर
(जोन क्रं - 6)
-:: आई. एस. बी. टी., चतुर्थ तल, रावणभाठा, रायपुरः : -
Email ID - rmczone6@gmail.com

पत्र क्रं /....34681..../ न. पा. नि. /
जोन क्रं 6/2026
रायपुर, दिनांक 22-08-2026

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 34681

वार्ड का नाम - 65 - महामाया मंदिर वार्ड

एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 65 स्थित भवन / भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई. डी. **RPR662K00061** जो की निगम अभिलेख श्री / श्रीमती **KISHOR KUMAR SONI** पिता / पति श्री/श्रीमती **MANIK LAL, MAMTA SONI W/O KISHOR KUMAR SONI** के नाम से दर्ज है जिसको श्री / श्रीमती श्री वीरेन्द्र गोलछा पिता / पति श्री/श्रीमती पिता लालचंद गोलछा ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार / पंजीकृत विक्रय विलेख / वंशानुक्रम / अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति / संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते है, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा / प्रस्तुत करे । निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा / आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

सूचना जारी करे '

श्री हितेन्द्र यादव
(जोन कमिश्नर)
जोन (6)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

सीएम रेखा गुप्ता ने दिल्ली लक्ष्मी योजना पर मिली प्रतिक्रिया की सराहना की

विश्व केसरी

नई दिल्ली। दिल्ली लक्ष्मी योजना के लॉन्च से पहले मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने रविवार को महिलाओं में अपनी आर्थिक मजबूती के लिए 2,500 रुपए प्रति महीने वाली इस योजना का लाभ उठाने को लेकर दिखे उत्साह की तारीफ की।

मुख्यमंत्री ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर एक संदेश में कहा, 'दिल्ली लक्ष्मी योजना का मकसद रोजमर्रा की जिंदगी में ज्यादा आर्थिक मजबूती, ज्यादा आत्मविश्वास और ज्यादा आजादी लाना है। पूरी दिल्ली में महिलाओं का जबरदस्त उत्साह दिखाता है कि यह पहल उनकी उम्मीदों से कितनी गहराई से जुड़ी है। उनका भरोसा ही हमारा आशीर्वाद है और काम करने के लिए हमारी सबसे बड़ी प्रेरणा है।'

इससे पहले, मुख्यमंत्री गुप्ता ने घोषणा की थी कि दिल्ली लक्ष्मी योजना के तहत योग्य महिलाओं को मासिक आर्थिक सहायता के लिए पत्र देने की प्रक्रिया 26 अगस्त को तालकटोरा स्टेडियम में एक कार्यक्रम के साथ शुरू होगी।

एक आधिकारिक बयान में कहा गया, 'कार्यक्रम में योग्य महिलाओं को योजना के आधिकारिक पत्र मिलेंगे और 1 सितंबर से उनके बैंक खातों में सीधे पैसे आने लगेंगे। यह प्रक्रिया जारी रहेगी और योग्य महिलाओं को नियमित रूप से योजना का लाभ मिलता रहेगा। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता योजना के तहत पत्र जारी करने की तैयारियों पर बारीकी से नजर रख रही हैं। हाल ही में हुई एक समीक्षा बैठक में उन्होंने बताया कि योजना शुरू होने के सिर्फ 18 दिनों में पोर्टल पर लगभग आठ लाख महिलाओं ने रजिस्ट्रेशन कराया है, जबकि पांच लाख से ज्यादा आवेदन जमा किए गए हैं।

मुख्यमंत्री गुप्ता ने कहा कि योजना की सफलता में जिला-स्तरीय कमेटियों की बहुत अहम भूमिका है।

उन्होंने कमेटी के अधिकारियों से कहा कि वे हर आवेदन की अच्छी तरह से जांच और निगरानी करें ताकि योग्य महिलाओं को बिना किसी देरी के योजना का लाभ मिल सके। मुख्यमंत्री गुप्ता ने कहा, 'वेरिफिकेशन की प्रक्रिया जितनी तेजी से पूरी होगी, मामलों का निपटारा उतनी ही जल्दी होगा और योग्य महिलाओं को पेंशन देने की प्रक्रिया में भी तेजी आएगी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि जिला-स्तरीय कमेटियों में स्थानीय जन-प्रतिनिधि भी शामिल हैं, इसलिए अगर किसी आवेदन में कोई बात संदिग्ध लगे तो उसकी अच्छी तरह से जांच की जानी चाहिए ।

12 घंटे में यूक्रेन के 250 ड्रोन मार गिराए, 19 इलाकों में एयर डिफेंस एक्टिव : रूस

विश्व केसरी

मॉस्को । रूस के रक्षा मंत्रालय ने कहा है कि उसकी वायु रक्षा प्रणालियों ने 12 घंटों के भीतर यूक्रेन के 250 ड्रोन को नष्ट कर दिया।

मंत्रालय के अनुसार, शनिवार सुबह 8 बजे से शाम 8 बजे (मॉस्को समय) के बीच रूसी एयर डिफेंस सिस्टम ने मॉस्को समेत 19 इलाकों में 250 यूक्रेनी फिक्स्ड-विंग ड्रोन मार गिराए।

इसके अलावा, मॉस्को के मेयर सर्गेई सोब्यानिन ने बताया कि पिछले एक सप्ताह में मॉस्को क्षेत्र की ओर उड़ान भरने वाले ड्रोन की संख्या 2,600 से अधिक रही है। उन्होंने कहा कि इनमें से ज्यादातर ड्रोन शहर से दूर बाहरी इलाकों में ही वायु रक्षा प्रणालियों की ओर से निष्क्रिय कर दिए गए।

मेयर के अनुसार, मॉस्को की ओर आते समय कुल 493 ड्रोन नष्ट किए गए। इससे पहले शुक्रवार को रूसी रक्षा मंत्रालय ने कहा था कि रूसी सेना ने पिछले एक सप्ताह में 11 बस्तियों पर कब्जा किया और यूक्रेनी सेना के खिलाफ एक बड़े और नौ सामूहिक हमले किए।

मंत्रालय के मुताबिक, ये 11 बस्तियां खारकीव, डोनबास और जापोरिज्जिया क्षेत्रों में स्थित हैं।

रूसी हमलों का निशाना यूक्रेन के रक्षा उद्योग से जुड़े प्रतिष्ठान, लॉजिस्टिक्स हब, ऊर्जा और परिवहन ढांचा, जमीनी रोबोटिक सिस्टम बनाने वाली इकाइयां, ड्रोन निर्माण केंद्र और उनसे जुड़े अन्य संयंत्र थे।

मंत्रालय ने कहा कि मिसाइल लॉन्चिंग ठिकानों, गोला-बारूद और ईंधन भंडार, आपूर्ति केंद्रों तथा यूक्रेनी सैनिकों और विदेशी लड़ाकों के अस्थायी ठिकानों पर भी हमले किए गए।

पब्लिक ब्रॉडकास्टर 'सुस्पिलने' के अनुसार, यूक्रेनी ऊर्जा मंत्री डेनिस श्म्यहाल ने शुक्रवार को कहा कि सरकार ने सर्दियों से पहले ऊर्जा सुविधाओं की सुरक्षा और विभिन्न क्षेत्रों की तैयारी मजबूत करने के लिए 35 अरब रिव्निया (लगभग 78.5 करोड़ अमेरिकी डॉलर) आवंटित किए हैं।

बिहार: संजय सरावगी ने राष्ट्रीय बैठक में लिया हिस्सा, संगठन को मजबूत बनाने पर मंथन

विश्व केसरी

पटना । बिहार भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष संजय सरावगी ने शनिवार को नई दिल्ली स्थित भाजपा के राष्ट्रीय कार्यालय में आयोजित राष्ट्रीय पदाधिकारियों, संगठन महामंत्रियों एवं प्रदेश अध्यक्षों की संगठनात्मक बैठक में सहभागिता की।

भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन की अध्यक्षता में हुई बैठक में संगठन को और अधिक सशक्त एवं गतिशील बनाने, कार्यकर्ताओं की सक्रिय भूमिका बढ़ाने तथा जनसेवा के संकल्प को मजबूत करने सहित विभिन्न संगठनात्मक विषयों पर विस्तृत चर्चा हुई। बैठक में राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन का सभी को मार्गदर्शन प्राप्त हुआ।

बैठक में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन में संगठन को जमीनी स्तर तक और प्रभावी बनाने की रणनीति पर विचार-विमर्श किया गया। बूथ स्तर पर संगठन की गतिविधियों को मजबूत करने, कार्यकर्ताओं की भागीदारी बढ़ाने तथा जनता के साथ निरंतर संवाद कायम रखने पर विशेष जोर दिया गया। साथ ही आगामी संगठनात्मक कार्यक्रमों और जनसेवा से जुड़े अभियानों को प्रभावी ढंग से आगे बढ़ाने को लेकर भी चर्चा हुई।

संजय सरावगी ने कहा कि राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन का विभिन्न संगठनात्मक विषयों पर मार्गदर्शन मिला है। भाजपा की सबसे बड़ी शक्ति उसके समर्पित और अनुशासित कार्यकर्ता हैं। कार्यकर्ताओं की मेहनत, सेवा भावना और समर्पण के बल पर पार्टी लगातार मजबूत हो रही है।

उन्होंने कहा कि भाजपा का प्रत्येक कार्यकर्ता समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचकर उसकी समस्याओं को समझने और उनके समाधान के लिए प्रयास करने के संकल्प के साथ काम कर रहा है।

प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश विकास, सुशासन और आत्मनिर्भरता की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है। ऐसे में संगठन की जिम्मेदारी है कि केंद्र और राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं एवं विकास कार्यों का लाभ समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचे।

उन्होंने कहा कि भाजपा संगठन का विस्तार केवल संख्या बढ़ाने तक सीमित नहीं है, बल्कि विचार, अनुशासन, सेवा और समर्पण के आधार पर संगठन को मजबूत बनाना पार्टी की प्राथमिकता है। बिहार भाजपा भी बूथ स्तर तक संगठन को और सशक्त करने तथा जनसेवा के संकल्प को प्रभावी ढंग से आगे बढ़ाने के लिए पूरी प्रतिबद्धता के साथ कार्य करेगी। राष्ट्रीय अध्यक्ष के नेतृत्व और प्रधानमंत्री के मार्गदर्शन में संगठन को नई ऊर्जा और गति मिलेगी।

आंध्र प्रदेश 100 तीर्थ स्थलों तक सड़क संपर्क के लिए शुरू कर रहा प्रोजेक्ट

विश्व केसरी

अमरावती । आंध्र प्रदेश सरकार ने 100 से ज्यादा प्रमुख तीर्थ स्थलों तक सड़क संपर्क की सुविधा देने के लिए कदम उठाए हैं।

पंचायत राज विभाग ने 120 करोड़ रुपए की लागत से 205 किलोमीटर लंबे सड़क नेटवर्क के जरिए 100 से ज्यादा प्रमुख तीर्थ स्थलों को जोड़ने का काम शुरू किया है।

रविवार को जारी एक आधिकारिक बयान के अनुसार, राज्य भर में कई ग्रामीण मंदिरों तक पहुंचने के लिए अच्छी सड़कें नहीं हैं।

उप मुख्यमंत्री पवन कल्याण ने इस बात पर ध्यान दिया कि वडापल्ली जैसे तीर्थ स्थलों पर आने वाले श्रद्धालुओं की संख्या तो लगातार बढ़ रही है, लेकिन उस हिसाब से जरूरी सड़क इंफ्रास्ट्रक्चर का विकास नहीं हुआ है।

अपने दौरों के दौरान उन्हें ऐसे कई मंदिर मिले, और लोगों ने भी कुछ मंदिरों की खराब हालत के बारे में उन्हें बताया। मंदिरों तक पहुंचने के लिए सड़कों की कमी के कारण श्रद्धालुओं को होने वाली दिक्कतों को दूर करने के पक्के इरादे के साथ, उन्होंने पंचायत राज विभाग के जरिए यह पहल शुरू की।

नेशनल रूरल एम्प्लॉयमेंट गारंटी स्कीम (एनआरईजीएस), वीबी जी राम जी और एसएएसकेआई जैसी स्कीमों के फंड का इस्तेमाल करके स्कूलों, मंदिरों, अस्पतालों और खेती के खेतों तक पहुंचने वाली सड़कें बनाने के काम को प्राथमिकता दी जा रही है।

श्री सत्य साईं बाबा की 100वीं जयंती के मौके पर, पुट्टपर्थी को जोड़ने वाली सड़कों के निर्माण के लिए 30 करोड़ रुपए मंजूर किए गए हैं।

जारी बयान के अनुसार, पवन कल्याण 'गुडी बाटा' (मंदिर तक पहुंचने वाली सड़क) प्रोजेक्ट्स को तेजी से पूरा करने के लिए लगातार मार्गदर्शन दे रहे हैं। सरकार इन प्रोजेक्ट्स पर खास ध्यान दे रही है।

कुल 120 करोड़ रुपए की लागत से चल रहे सड़क प्रोजेक्ट्स में से 26 पूरे हो चुके हैं और उद्घाटन के लिए तैयार हैं। बाकी सड़कों में से 40 प्रतिशत सड़कों का काम 50 प्रतिशत पूरा हो चुका है।

पूरे हो चुके प्रोजेक्ट्स में अंतरवेदी और अहोबिलम में मशहूर श्री लक्ष्मी नरसिम्हा मंदिरों तक पहुंचने वाली सड़कें, मदनपल्ले निर्वाचन क्षेत्र में श्री गद्दू वेंकटरमना स्वामी मंदिर, देवराया नल्लागंगम्मा जैसे दूर-दराज के मंदिर, मर्रिपुडी में पुडियागिरी श्री लक्ष्मी नरसिम्हा स्वामी मंदिर तक जाने वाली घाट रोड, सत्यवेदु निर्वाचन क्षेत्र में सिंगिरिकोना, सोमेश्वरम और तालुपुलम्मालोवा को जोड़ने वाले रास्ते और आईएस जगन्नाथपुरम घाट रोड शामिल हैं।

एनएफआर ने 2011 से अपने जोन में 42.1 मेगावाट पॉवर की सोलर क्षमता हासिल की

विश्व केसरी

गुवाहाटी। नॉर्थईस्ट फ्रंटियर रेलवे (एनएफआर) ने 2011 में अपनी सोलराइजेशन पहल शुरू करने के बाद से जुलाई 2026 तक अपने जोन में कुल 42.1 मेगावाट पॉवर की सोलर क्षमता हासिल कर ली है।

एनएफआर के चीफ पब्लिक रिलेशंस ऑफिसर (सीपीआरओ) कपिंजल किशोर शर्मा ने कहा कि एनएफआर अपने डिवीजन और यूनिट्स में सोलर पावर इंफ्रास्ट्रक्चर का विस्तार करके ग्रीन एनर्जी और सस्टेनेबल रेलवे ऑपरेशन के प्रति अपनी प्रतिबद्धता की दिशा में महत्वपूर्ण प्रगति कर रहा है।

उन्होंने कहा, 'ग्रीन-एनर्जी के क्षेत्र में एक बड़ी उपलब्धि के तौर पर जनवरी से जुलाई 2026 के दौरान 23.7 मेगावाट पॉवर की सोलर पावर क्षमता चालू की गई, जो इंडियन रेलवे के सभी जोनल रेलवे में सबसे ज्यादा है।'

शर्मा ने बताया कि इस उपलब्धि के साथ, 2011 में सोलर-एनर्जी पहल की शुरुआत के बाद से एनएफआर में कुल इंस्टॉल्ड सोलर क्षमता जुलाई 2026 तक 42.1 मेगावाट पॉवर तक पहुंच गई है।

डिवीजन की बात करें तो गुवाहाटी हिस्से सहित लुमडिंग डिवीजन ने 17.7 मेगावाट पॉवर की सबसे ज्यादा कुल सोलर पावर इंस्टॉलेशन क्षमता हासिल की। इसके बाद रंगिया डिवीजन का स्थान है, जिसकी क्षमता 9.6 मेगावाट पॉवर है। अलीपुरद्वार (पश्चिम बंगाल), कटिहार (बिहार) और तिनसुकिया (असम) डिवीजन ने भी एनएफआर की कुल सोलर पावर क्षमता को बढ़ाने में महत्वपूर्ण योगदान दिया है, जिससे स्वच्छ और सस्टेनेबल ऊर्जा के प्रति इसकी प्रतिबद्धता और मजबूत हुई है।

अधिकारी ने बताया कि सोलर इंस्टॉलेशन से एनएफआर को महत्वपूर्ण ऑपरेशनल और वित्तीय लाभ मिले हैं।

एनएफआर सीपीआरओ के अनुसार, वित्तीय वर्ष 2025-26 के दौरान, सोलर पावर उत्पादन लगभग 114 लाख यूनिट तक पहुंच गया, जिससे लगभग 8.6 करोड़ रुपए की बचत हुई।

यह 2024-25 की तुलना में सोलर ऊर्जा उत्पादन में लगभग 90 प्रतिशत और वित्तीय बचत में 95.45 प्रतिशत की वृद्धि को दर्शाता है, उस समय लगभग 60 लाख यूनिट सोलर ऊर्जा का उत्पादन हुआ था, जिससे लगभग 4.4 करोड़ रुपए की बचत हुई थी।

सोलर उत्पादन और लागत बचत में यह उल्लेखनीय वृद्धि एनएफआर के कार्बन फुटप्रिंट को कम करने, स्वच्छ ऊर्जा को बढ़ावा देने और ऊर्जा खर्च को बेहतर बनाने की दिशा में लगातार प्रयासों को दर्शाती है।

ग्रीन एनर्जी के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को और मजबूत करते हुए, एनएफआर के विभिन्न डिवीजन में अभी 9 मेगावाट पॉवर की अतिरिक्त सोलर पावर क्षमता लगाने का काम अलग-अलग चरणों में चल रहा है। शर्मा ने कहा कि लुमडिंग, रंगिया, कटिहार और अलीपुरद्वार डिवीजन में बड़े इंस्टॉलेशन की योजना है।

एनआईए ने एके-47 राइफल बरामदगी मामले में एक और फरार आरोपी को गिरफ्तार किया

विश्व केसरी

नई दिल्ली। नेशनल इन्वेस्टिगेशन एजेंसी (एनआईए) ने बिहार एसटीएफ के साथ मिलकर एक जॉइंट ऑपरेशन में शनिवार को सारण से एक फरार आरोपी करमुल्लाह को गिरफ्तार किया।

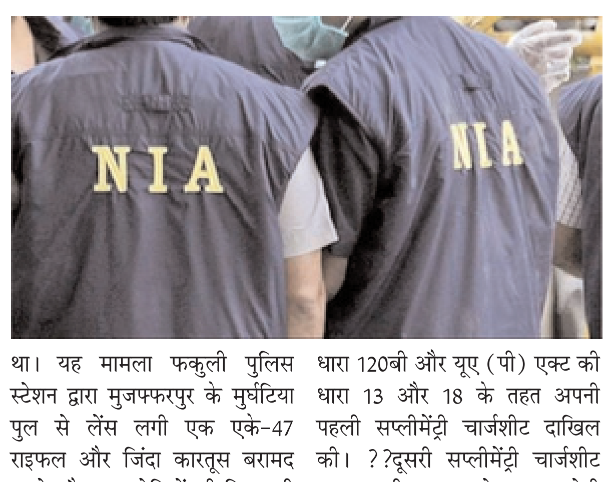

यह गिरफ्तारी एनआईए के केस के तहत की गई, जो एके-47 राइफल और जिंदा कारतूस बरामद होने से जुड़ा है। आरोपी करमुल्लाह ने दूसरे सह-आरोपियों के साथ मिलकर नागालैंड से बिहार तक प्रतिबंधित बोर वाले आधुनिक हथियारों की तस्करी की साजिश रची थी। इसका मकसद सार्वजनिक शांति और सुरक्षा में खलल डालना और राष्ट्रीय सुरक्षा को खतरे में डालना था।

यह मामला शुरू में केस नंबर 7 मई 2024 के तौर पर दर्ज किया गया था। यह मामला फकुली पुलिस स्टेशन द्वारा मुजफ्फरपुर के मुर्घटिया पुल से लेंस लगी एक एके-47 राइफल और जिंदा कारतूस बरामद करने और 4 आरोपियों की गिरफ्तारी से जुड़ा था। जांच पूरी होने के बाद एनआईए ने 8 मई 2025 को 4 आरोपियों (विकास कुमार, सत्यम कुमार, देवमणि राय और अहमद अंसारी) के खिलाफ आईपीसी की धारा 120बी और यूए (पी) एक्ट की धारा 13 और 18 के तहत अपनी पहली सप्लीमेंट्री चार्जशीट दाखिल की। ??दूसरी सप्लीमेंट्री चार्जशीट 20 फरवरी 2026 को एक आरोपी मंजूर खान के खिलाफ आईपीसी की धारा 120बी, आर्म्स एक्ट की धारा 25(1एए), 26 और 35, और यूए (पी) एक्ट की धारा 13 और 18 के तहत दाखिल की गई।

बांग्लादेश में गैस संकट गहराया, फैक्ट्रियां बंद होने लगीं; हजारों श्रमिकों पर असर

विश्व केसरी

नई दिल्ली। बांग्लादेश में 21 जुलाई से शुरू हुआ गैस संकट अब देश के औद्योगिक क्षेत्रों पर गंभीर असर डाल रहा है। गैस की भारी कमी के चलते कई फैक्ट्रियों ने उत्पादन घटा दिया है, कुछ इकाइयों को बंद कर दिया गया है और हजारों श्रमिकों को छुट्टी पर भेजा जा रहा है। यह जानकारी बांग्लादेश के अखबार द डेली स्टार की रिपोर्ट में दी गई है।

रिपोर्ट के मुताबिक, एक्सेलरेट एनर्जी के एलएनजी टर्मिनल में गैस भंडार खत्म होने के बाद बुधवार को उसके बंद होने से संकट और गहरा गया। राष्ट्रीय ग्रिड में उपलब्ध अधिकांश गैस बिजली संयंत्रों को दी जा रही है, जिससे गैस पर निर्भर उद्योगों को पर्याप्त आपूर्ति नहीं मिल पा रही है।

इस संकट का सबसे ज्यादा असर वस्त्र, रेडीमेड गारमेंट, इस्पात, कांच, खाद्य प्रसंस्करण और अन्य गैस आधारित उद्योगों पर पड़ा है। गैस से चलने वाले बॉयलर और कैप्टिव पावर प्लांट संचालित करने वाली फैक्ट्रियों को अब महंगे ईंधन का इस्तेमाल करना पड़ रहा है।

नरसिंदी जिले में गैस का दबाव लगभग शून्य होने के कारण पिछले दो दिनों में 100 से अधिक टेक्सटाइल फैक्ट्रियों में उत्पादन बंद हो गया है। उद्योगपतियों के अनुसार सामान्य 15 पीएसआई का गैस दबाव पहले घटकर 2-4 पीएसआई रह गया था और अब लगभग शून्य हो चुका है। नरसिंदी देश के करीब 70 प्रतिशत कपड़ों की आपूर्ति करता है।

गाजीपुर, नारायणगंज और सावर के गारमेंट उद्योग भी बुरी तरह प्रभावित हैं। उत्पादन जारी रखने के लिए कई फैक्ट्रियां कर्मचारियों को अलग-अलग शिफ्ट में काम करा रही हैं, जिससे 20-25 प्रतिशत तक उत्पादन घट गया है। गैस से चलने वाले जनरेटर अब फ्यूल ऑयल से चलाए जा रहे हैं, जिससे परिचालन लागत लगभग पांच गुना बढ़ गई है।

बलूचिस्तान में सुरक्षा काफिले पर बम हमला, क्वेटा-कराची हाईवे पर धमाके में एक अधिकारी की मौत

विश्व केसरी

क्वेटा। पाकिस्तान के दक्षिण-पश्चिम बलूचिस्तान प्रांत में सुरक्षा वाहनों पर सड़क किनारे सुरक्षा काफिले पर बम से हमले की घटना सामने आई। पुलिस की ओर से साझा जानकारी के अनुसार, इस हमले में एक सुरक्षा अधिकारी की मौत हो गई और छह अन्य घायल हो गए।

पुलिस अधिकारियों के अनुसार, यह धमाका शनिवार को मस्तुंग जिले के खद कोचा इलाके में क्वेटा-कराची राष्ट्रीय राजमार्ग पर हुआ। सड़क के पास लगाया गया एक विस्फोटक उपकरण सुरक्षा काफिले के गुजरने के दौरान फट गया।

पुलिस के बयान के अनुसार, विस्फोट में एक वाहन को नुकसान पहुंचा, जबकि अन्य वाहन सुरक्षित रहे। बयान में कहा गया है कि विस्फोट के बाद गोलीबारी भी हुई, लेकिन अतिरिक्त सुरक्षाकर्मियों के मौके पर पहुंचने से पहले ही हमलावर भाग गए।

न्यूज एजेंसी सिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार, मृतक सुरक्षाकर्मी के शव और घायलों को नजदीकी अस्पताल में ले जाया गया। अधिकारियों ने अस्थायी रूप से राजमार्ग को बंद कर हमले में शामिल लोगों का पता लगाने के लिए तलाशी अभियान शुरू किया।

यह घटना बलूचिस्तान में पाकिस्तानी सेना पर बलूच सशस्त्र समूहों द्वारा बार-बार किए जा रहे हमलों के तुरंत बाद हुई है। हाल ही में बलूच लिबरेशन आर्मी (बीएलए) ने घोषणा की थी कि उसके लड़ाकों ने एक ऑपरेशन के दौरान बलूचिस्तान के पिशिन जिले के सरनान शहर पर पूर्ण नियंत्रण कर लिया है, जिसमें एक पुलिस स्टेशन को उड़ा दिया गया था।

एक मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, सरकारी कार्यालयों में भी आग लगा दी गई और कई पुलिसकर्मियों को कुछ समय के लिए हिरासत में रखा गया।

संपादकीय

वंदे मातरम और युवाओं के कंधों पर राजनीति की बंदूक खतरनाक

डॉ. घनश्याम बादल

देश इस समय राजनीतिक उबाल के ऐसे दौर से गुजर रहा है, जहाँ मुद्दे कम और मुद्दों पर मचा शोर अधिक दिखाई दे रहा है। वंदे मातरम् को लेकर सत्ता पक्ष और विपक्ष आमने-सामने हैं और एक-दूसरे को राष्ट्रवादी तथा राष्ट्रविरोधी साबित करने की होड़ लगी है। दूसरी ओर परीक्षाओं में कथित धांधली और अनियमितताओं के विरुद्ध युवाओं का आक्रोश जंतर-मंतर से लेकर झारखंड तक सड़कों पर दिखाई दिया।भर्ती परीक्षाओं को लेकर आंदोलन इतना गंभीर हुआ कि केंद्रीय शिक्षा मंत्री को त्यागपत्र देना पड़ा औरअनेक परीक्षाएँ रद्द करनी पड़ीं और कई अन्य परीक्षाओं की जाँच का आदेश हुआ।

इसी बीच 2027 के विधानसभा चुनावों की आहट ने राजनीति का तापमान और बढ़ा दिया है। उत्तर प्रदेश में योगी आदित्यनाथ और अखिलेश यादव के बीच राजनीतिक टकराव हो या राष्ट्रीय स्तर पर राहुल गांधी, नरेंद्र मोदी और अमित शाह के बीच तीखी बयानबाजी से लगता है जैसे राजनीति ने संवाद की जगह संघर्ष को अपना स्थायी हथियार बना लिया है।

यह राजनीतिक प्रतिस्पर्धा नहीं, लोकतांत्रिक विमर्श के लिए ख़तरे की घंटी है।

राहुल गांधी आज विपक्ष के सबसे मुखर चेहरों में हैं। छात्र आंदोलनों से लेकर सरकार की नीतियों तक वे लगातार आक्रामक रुख अपनाए हुए हैं। हाल में उन्होंने छात्र प्रदर्शन के दौरान पुलिस कार्रवाई को लेकर गृह मंत्री अमित शाह के इस्तीफे तक की मांग की और बाद में पुलिस थाने के बाहर धरने के जरिए अपना विरोध दर्ज कराया। लेकिन सत्ता पक्ष भी पीछे नहीं है। भाजपा नेताओं ने राहुल गांधी के इस तेवर को राजनीति और प्रचार का हथकंडा बताया। वंदे मातरम् के मुद्दे पर अमित शाह ने कांग्रेस पर बेहद तीखा हमला किया और उसके निर्णय को राष्ट्रविरोधी तथा तुष्टीकरण की राजनीति से जोड़ दिया। यहीं से असली चिंता पैदा होती है।

बेशक,विपक्ष का काम सरकार से सवाल पूछना है, लेकिन हर सवाल को राजनीतिक युद्ध में बदल देना भी स्वस्थ लोकतंत्र नहीं है। और सत्ता का काम जवाब देना है, लेकिन आलोचक को राष्ट्रविरोधी मान लेना भी लोकतंत्र की सेहत के लिए ठीक नहीं।

राहुल गांधी जितने आक्रामक होंगे, भाजपा उतने ही तीखे पलटवार करेगी। मोदी और शाह की राजनीतिक शैली भी अपने विरोधियों को राजनीतिक रूप से घेरने में कभी पीछे नहीं रही है। परिणाम यह है कि बहस अब अक्सर इस सवाल पर टिक जाती है कि कौन किसे कितना बड़ा देशभक्त या राष्ट्रविरोधी साबित कर सकता है लेकिन जनता पूछ रही है—इस राजनीतिक युद्ध में उसके हिस्से में क्या आया?क्या बेरोजगार युवा को नौकरी मिली? क्या परीक्षा की तैयारी में लगाए गए उसके वर्षों का नुकसान वापस किया जा सकता है?क्या पेपर लीक या भर्ती में अनियमितता के आरोपों का स्थायी समाधान हुआ?क्या महंगाई, शिक्षा, स्वास्थ्य और रोजगार जैसे सवाल राजनीतिक प्राथमिकताओं के केंद्र में हैं? यही वे सवाल हैं जिनसे राजनीतिक विमर्श बार-बार भटकता दिखाई देते है। निःसंदेह वंदे मातरम् किसी दल की जागीर नहीं है।वह भारत के स्वतंत्रता संघर्ष की गौरवपूर्ण स्मृति है। उसका सम्मान हर भारतीय के लिए स्वाभाविक होना चाहिए। लेकिन राष्ट्रगीत को राजनीतिक तलवार बनाकर विपक्ष को राष्ट्रविरोधी और सत्ता पक्ष को राष्ट्रवाद का अकेला ठेकेदार घोषित करना दोनों ही खतरनाक प्रवृत्तियाँ हैं। राष्ट्रवाद का प्रमाणपत्र संसद में बहस के दौरान नहीं बाँटा जाना चाहिए। राष्ट्रभक्ति का अंतिम पैमाना यह नहीं हो सकता कि किसने कितनी जोर से नारा लगाया। देशभक्ति को किसी राजनीतिक दल के प्रमाणपत्र की आवश्यकता नहीं है।

दूसरी ओर विपक्ष को भी यह समझना होगा कि सिर्फ सरकार के विरोध में आक्रामक होना पर्याप्त नहीं है।राहुल गांधी और विपक्ष के सामने आज अवसर है कि वे युवाओं के वास्तविक प्रश्नों को राजनीतिक नारे से आगे ले जाकर ठोस नीति और वैकल्पिक कार्यक्रम में बदलें। सरकार पर आरोप लगाना आसान है; यह बताना कठिन है कि सत्ता में आने पर परीक्षा व्यवस्था को कैसे पारदर्शी बनाया जाएगा, रोजगार कैसे बढ़ाया जाएगा और प्रशासनिक जवाबदेही कैसे सुनिश्चित होगी। इसी कसौटी पर विपक्ष की भी परीक्षा होनी चाहिए।

सत्ता पक्ष के लिए भी यही कसौटी लागू होती है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और अमित शाह की राजनीतिक ताकत निर्विवाद रूप से बड़ी है, लेकिन बड़ी राजनीतिक ताकत के साथ बड़ी ज़िम्मेदारी भी आती है। लोकतंत्र में सरकार मजबूत होनी चाहिए, लेकिन असहमति भी मजबूत होनी चाहिए।

उत्तर प्रदेश में योगी आदित्यनाथ और अखिलेश यादव का राजनीतिक संघर्ष आने वाले समय में और तीखा होना स्वाभाविक है। चुनावी राजनीति में एक-दूसरे की नीतियों की आलोचना होनी चाहिए, उपलब्धियों और विफलताओं पर बहस होनी चाहिए। लेकिन यदि चुनाव जीतने की रणनीति समाज को जाति, धर्म, क्षेत्र और राष्ट्रवाद की भावनात्मक रेखाओं में लगातार बाँटने लगे तो चुनाव भले जीता जा सकता है, समाज नहीं।इसी तरह बाबा रामदेव हों या अरविंद केजरीवाल, सार्वजनिक जीवन में प्रभाव रखने वाले हर व्यक्ति को यह समझना होगा कि उसके शब्द केवल बयान नहीं होते, वे सामाजिक वातावरण भी बनाते हैं। इसलिए सार्वजनिक जीवन में सक्रिय हर व्यक्ति की जिम्मेदारी है कि वह आग में घी डालने के बजाय विवेक की आवाज बने।

राजनीतिक दल यदि इस आक्रोश को केवल अपने पक्ष में इस्तेमाल करने की कोशिश करेंगे तो वे समस्या का समाधान नहीं, समस्या का राजनीतिक दोहन करेंगे।यहाँ बुद्धिजीवी वर्ग की जिम्मेदारी भी अत्यंत महत्वपूर्ण है। यदि वें केवल तालियाँ बजाने या निंदा करने तक सीमित हो गए तो लोकतंत्र कमजोर होगा। बुद्धिजीवी को सत्ता से भी प्रश्न पूछना चाहिए और विपक्ष से भी। उसे राष्ट्रवाद के नाम पर हो रहे राजनीतिक ध्रुवीकरण पर भी बोलना चाहिए और विपक्ष की उग्र राजनीति पर भी। लोकतंत्र में तटस्थता का अर्थ चुप्पी नहीं, बल्कि समान कसौटी है।

इस दौर की एक बड़ी त्रासदी

मोबाइल की ज़िद और परिवार तबाह!

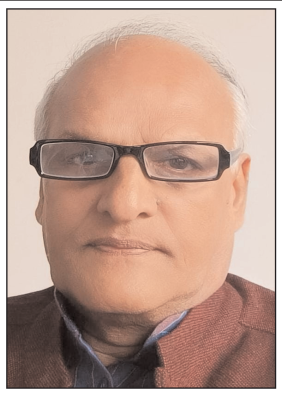

गिरीश पंकज

भौतिकता की अंधी दौड़, दिखावे की संस्कृति और भावनात्मक असंयम ने आज हमारे समाज को एक ऐसे मोड़ पर लाकर खड़ा कर दिया है, जहां एक धातु और कांच का बना फोन इंसानी सांसों से ज्यादा कीमती समझा जाने लगा है। महंगे आईफोन की खातिर एक 19 वर्षीय युवक का पहाड़ की चोटी पर जाकर जिद करना, उसे बचाने के प्रयास में पिता का गिरना और इस असहनीय आघात में माँ का भी मौत को गले लगा लेना,यह महज एक दुर्घटना नहीं, बल्कि हमारे सामाजिक और पारिवारिक ताने-बाने पर लगा एक गहरा घाव है। ?आज की युवा पीढ़ी उर्फ़ जेन-ज़ी डिजिटल दुनिया के अभूतपूर्व विस्तार के बीच पली-बढ़ी है। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स ने एक ऐसी आभासी दुनिया खड़ी कर दी है, जहां व्यक्ति का मूल्य उसकी सोच, योग्यता या संस्कारों से नहीं, बल्कि उसके हाथ में मौजूद गैजेट्स, ब्रांडेड कपड़ों और ऑनलाइन 'लाइक्स' से आंका जा रहा है। प्रीमियम स्मार्टफोन अब केवल संचार का साधन नहीं, बल्कि सामाजिक प्रतिष्ठा और 'कूल' दिखने का पैमाना बन चुका है। सहपाठियों और दोस्तों के बीच पीछे छूट जाने का डर युवाओं को किसी भी हद तक जाने को विवश करता है। रील्स और तस्वीरों के जरिए लगातार बाहरी स्वीकृति पाने की आदत ने वास्तविक रिश्तों की अहमियत को धुंधला कर दिया । तकनीक ने जहां ज्ञान के दरवाजे खोले, वहीं इस पीढ़ी से धैर्य और असफलता या इनकार सुनने की क्षमता को छीन लिया है। तुरंत संतुष्टि के इस दौर में जब किसी इच्छा के आगे माता-पिता की तरफ से 'ना' कहा जाता है, तो युवा इसे व्यक्तिगत अपमान या अस्वीकृति मान बैठते हैं।अपनी मांगें मनवाने के लिए खुद को नुकसान पहुंचाने की धमकी देना या खतरनाक कदम उठाना एक खतरनाक प्रवृत्ति बन चुका है । दूरगामी परिणामों की परवाह किए बिना क्षणिक गुस्से या जिद में चरम कदम उठा लेना मानसिक अपरिपक्वता का स्पष्ट संकेत है। अक्सर युवा अपने माता-पिता के सीमित आर्थिक संसाधनों, मेहनत और संघर्ष को समझने में असमर्थ रहते हैं।

इस त्रासदी का सबसे हृदयविदारक पहलू माता-पिता का वह असीमित प्रेम है, जो संतान की नासमझी के आगे बेबस हो गया। मध्यमवर्गीय माता-पिता अपने बच्चों की हर खुशी पूरी करने के लिए अक्सर अपनी सामर्थ्य से बाहर जाकर कर्ज लेते हैं। जब वे असमर्थता जताते हैं, तो घर में टकराव की स्थिति बनती है। परिवारों में भौतिक सुख-सुविधाएं तो बढ़ी हैं, लेकिन दिल से दिल की बात और भावनात्मक जुड़ाव कम हुआ है। स्क्रीन टाइम ने फैमिली टाइम को पूरी तरह निगल लिया है। अक्सर 'अति-दुलार' में माता-पिता

बच्चों को 'ना' सुनने का अभ्यस्त नहीं बनाते, जिससे बच्चों में असंतोष झेलने की शक्ति विकसित नहीं हो पाती।

हाथ में महंगा फोन आ जाने से असल में कुछ नहीं बदलता, न इंसान की बुद्धि बढ़ती है, न उसके संस्कार, और न ही उसकी योग्यता। लेकिन आज के 'दिखावे के अर्थशास्त्र' ने इंसान के भीतर एक ऐसा खोखला वहम भर दिया है, जिसे समाज ने अपनी कमजोरी बना लिया है। हाथ में चमकता फोन चंद सेकेंड के लिए दूसरों की नजरों में एक कृत्रिम 'अमीरी' या 'स्टेटस' का भ्रम पैदा करता है। जब भीतर कोई ठोस रचनात्मकता, ज्ञान या व्यक्तित्व नहीं होता, तो इंसान महंगे ब्रांड्स की आड़ लेकर खुद को महत्वपूर्ण साबित करने की कोशिश करता है, चाहे फोन बीस हजार का हो या डेढ़ लाख का, बात करने, मैसेज भेजने और जानकारी जुटाने का काम दोनों में एक ही तरह से होता है। नया मॉडल आते ही वह 'महंगा फोन' भी पुराना हो जाता है। तकनीकी चमक की मियाद बहुत छोटी होती है, लेकिन उसे पाने के लिए चुकाई गई कीमत अक्सर जिंदगी भर के घाव दे जाती है। दुनिया में किसी भी व्यक्ति का सम्मान उसके विचारों, उसके काम और उसकी इंसानियत से होता है। गैजेट केवल एक उपकरण है, व्यक्तित्व का प्रमाणपत्र नहीं। ?असल में होता कुछ नहीं है, सिवाय इसके कि इंसान कंपनियों के बाजारवाद का शिकार होकर अपनी असली पहचान और अपनों की खुशियों को एक बेजान स्क्रीन के पीछे गिरवी रख देता है।

?यह घटना एक खतरे की घंटी है, जो यह सोचने पर मजबूर करती है कि आधुनिकता और विकास की इस अंधी दौड़ में हमने अपने बच्चों को क्या सिखाया है। समाज, शिक्षण संस्थानों और परिवारों को मिलकर इस संकट का समाधान खोजना होगा।विद्यालयों और घरों में भावनाओं के प्रबंधन और डिप्रेशन से निपटने के तरीकों पर चर्चा अनिवार्य हो। बच्चों को साधनों की कीमत के साथ-साथ जीवन के वास्तविक मूल्यों जैसे त्याग, संतुष्टि, श्रम और कृतज्ञता का पाठ पढ़ाया जाना चाहिए। माता-पिता को चाहिए कि वे शुरुआत से ही बच्चों को हर जिद पूरी न होने की वास्तविकता से परिचित कराएं। इनकार को स्वीकार करना चरित्र निर्माण का एक अहम हिस्सा है। ?गैजेट्स पुराने होते हैं, नये मॉडल आते हैं और तकनीक बदलती रहती है, लेकिन जो जीवन एक बार बिखर जाए, उसे किसी भी कीमत पर वापस नहीं लाया जा सकता। एक 19 साल के लड़के की नासमझी ने पूरा परिवार खत्म कर दिया, यह दुर्घटना हर उस युवा के लिए एक कठोर चेतावनी है जो आभासी दुनिया की चमक के लिए अपनों के साए को दांव पर लगा देते हैं। असली पहचान इस बात से नहीं बनती कि हाथ में फोन कौन सा है, बल्कि इस बात से बनती है कि इंसानियत, संवेदनशीलता और रिश्तों के प्रति जिम्मेदारी कितनी गहरी है।

दिखावे की मानसिकता क्यों?

दिखावे के पीछे मूलतः आंतरिक खालीपन, असुरक्षा और समाज से स्वीकृति पाने की तीव्र छटपटाहट होती है। जब कोई व्यक्ति भीतर से खुद को अधूरा या कमतर महसूस करता है, तो वह बाहरी वस्तुओं— जैसे महंगा फोन, ब्रांडेड कपड़े या गाड़ियों को अपनी ढाल बना लेता है। ज्ञान, प्रतिभा या व्यक्तित्व के अभाव को महंगी चीजों की चमक के पीछे छिपाने का प्रयास किया जाता है। दूसरों को देखकर यह सोचना कि 'यदि मेरे पास यह नहीं है, तो मैं समाज की नजरों में छोटा हूं।' ऐसे व्यक्ति का आत्मसम्मान अपने काम पर नहीं, बल्कि इस बात पर टिका होता है कि दूसरे उसके बारे में क्या राय रखते हैं। वस्तुओं को अपनी पहचान मान लेना,मैं क्या हूं' के बजाय 'मेरे पास क्या है' से खुद को परिभाषित करना। समूह में 'कूल' या आधुनिक दिखने की अंधी होड़। यह डर कि अगर वे ट्रेंड के साथ नहीं चले, तो दोस्त या सहपाठी उन्हें अपने दायरे से बाहर कर देंगे, विज्ञापनों और सोशल मीडिया द्वारा यह भ्रम पैदा किया जाता है कि अमुक वस्तु ही सुख, सफलता और प्रतिष्ठा की अंतिम सीढ़ी है, किसी महंगी वस्तु को हासिल करके कुछ पलों के लिए मिलने वाले अहंकार और श्रेष्ठता के झूठे अहसास की लत। दिखावा वास्तव में आत्मविश्वास की कमी का सार्वजनिक प्रदर्शन है, व्यक्ति जितना भीतर से खोखला होता है, बाहर से उतना ही ज्यादा चमकने की कोशिश करता है। हम लोग जब छोटे थे, तो स्कूल में एक पीरियड नैतिक शिक्षा का भी हुआ करता था । शिक्षक बच्चों को ज्ञान की बातें संस्कार की बातें सिखाया करते थे, स्कूल के उद्यान में ले जाकर बागवानी का प्रैक्टिकल कराया जाता था । इससे बच्चा धरती से जुड़ा रहता था ।

क्या जंतर- मंतर फिर आबाद होगा?

राकेश अचल

भारत का ध्यान म्यान चौक होते-होते बचा जंतर-मंतर क्या फिर कभी आबाद हो पाएगा? हालांकि देश में जारी जाति-आधारित आरक्षण के विरोध में शुक्रवार को दिल्ली के जंतर-मंतर पर एक बड़ा धरना दिया गया, जिसमें बड़ी संख्या में लोग अपना विरोध जताने पहुंचे।

जंतर-मंतर पर रात को वहां भारी भीड़ पहुंचने के साथ ही दिल्ली पुलिस और रैपिड एक्शन फोर्स भी पहुंच गई और लोगों को वापस भेजने लगी। इस दौरान दिल्ली पुलिस ने आरपीएफ के साथ मिलकर जंतर-मंतर पर जमा हुए प्रदर्शनकारियों को हिरासत में ले लिया और उन्हें बसों में भरकर ले गई।प्रदर्शनकारी यूजीसी और एससी-एसटी को लेकर शांतिपूर्ण प्रदर्शन कर रहे थे फिर भी पुलिस ने उन्हें पकड़ लिया।'

इस प्रदर्शन में पहुंचे लोगों में ज्यादातर पुरुष ही नजर आए, जिनमें से कुछ ने अपने हाथ में तिरंगा ले रखा था। वहीं कुछ अन्य अपने हाथ में बैनर, पोस्टर और भगवा झंडे लेकर पहुंचे थे।

ये प्रदर्शनकारी जातिगत आरक्षण और यूजीसी नियमों के खिलाफ नारेबाजी करते भी नजर आए। दरअसल इस प्रदर्शन के लिए दिल्ली पुलिस ने शाम 4 बजे तक की ही अनुमति दी थी। इसलिए वक्त खत्म होने के कई घंटों बाद वहां पुलिस पहुंची और लोगों को हटाना शुरू कर दिया।

जंतर-मंतर अब सबकी नजर में है. देश के किसान भी यहाँ आकर सरकार के सामने अपनी बात रखना चाहते हैं. पंजाब के किसान दिल्ली कूच के लिए निकले भी थे, लेकिन उन्हे हरियाणा पुलिस ने बीच में ही रोक लिया. अब ये किसान 4 सितंबर का इंतजार कर रहे हैं. 4 सितंबर को किसान अपना कार्यक्रम फिर से तय करेंगे.

सरकार की स्थिति जंतर-मंतर को लेकर हमेशा परेशान रहने वाली है. दिल्ली पुलिस ने जंतर-मंतर को अभेद किला बना चुकी है ताकि कोई यहाँ अपनी शक्ति का प्रदर्शन न कर सके. सवाल ये है कि क्या जंतर-मंतर हमेशा निषेध क्षेत्र बना रह पाएगा या अब इस जगह सरकार के विरोध मेझ जलसे- जुलूस निकलते रहेंगे.

जहाँ तक आरक्षण के मुद्दे का सवाल है, तो आर एस एस था भाजपा में ही आरक्षण के मुद्दे पर मतभेद है. संघ और भाजपा का रुख आचरण के मुद्दे पर कभी स्पष्ट नहीं रहा है. भाजपा यदि आरक्षण पर एक कदम आगे बढती है तो संघ भाजपा की टांग खींच देता है और जब भाजपा मुश्किल में पडती है तो संघ वाले लीपापोती में जुट जाते हैं.

देश में आरक्षण के मुद्दे पर केंद्र की एक सरकार पहले ही शहीद हो चुकी है. और हर सरकार आरक्षण समर्थकों या विरोधियों के निशाने पर रहती आई हैं. अभी तक आरक्षण को कायम रखने का ठीकरा कांग्रेस के सिर पर फोडा जाता रहा है. लेकिन अब 12 साल से सरकार भाजपा के हाथों में हैं. इसलिए अब भाजपा आरक्षण विरोधियों के निशाने पर आ गई है.नाराजगी बढ़ी है।

आपको याद होगा कि हाल ही में आरक्षण हटाओ आंदोलन 2026 में ' सोशल मीडिया पर काफी सक्रिय हुआ है.नीट पेपर लीक विरोध के बाद तो इस आंदोलन में नयी ऊर्जा आ गई है.इसमें जाति के बजाय आर्थिक स्थिति पर आरक्षण, समान कट-ऑफ, समान आयु सीमा आदि की मांग की जा रही है।

विश्व विद्यालय अनुदान आयोग के ' पदोन्नति में बराबरी ' नियमों (2026) पर भी विवाद है.इनमें जाति-आधारित भेदभाव की परिभाषा मुख्य रूप से एससी, एसटी और ओबीसी तक सीमित रखी गई थी, जिससे सामान्य वर्ग में नाराजगी फैली। सुप्रीम कोर्ट ने इन्हें स्थगित किया और केंद्र सरकार ने कहा कि वह नियमों पर पुनर्विचार कर रही है।

बोध कथा

कोयला और चंदन

हकीम लुकमान का पूरा जीवन जरूरतमंदों की सहायता के लिए समर्पित था। जब उनका अंतिम समय नजदीक आया तो उन्होंने अपने बेटे को बुलाया और कहा- बेटा, मैंने अपना सारा जीवन दुनिया को शिक्षा देने में गुजार दिया। अब अपने अंतिम समय में मैं तुम्हें कुछ जरूरी बातें बताना चाहता हूं। तुम एक कोयला और चंदन का एक टुकड़ा उठा लाओ। बेटे को पहले तो यह अटपटा लगा लेकिन उसने सोचा कि जब पिता का हुक्म है तो यह सब लाना ही होगा। उसने रसोई घर से कोयले का एक टुकड़ा उठाया। संयोग से घर में चंदन की एक छोटी लकड़ी भी मिल गई। वह दोनों लेकर अपने पिता के पास गया।

लुकमान बोले- अब इन दोनों चीजों को नीचे फेंक दो। बेटे ने दोनों चीजें नीचे फेंक दी और हाथ धोने जाने लगा तो लुकमान बोले- ठहरो बेटा, जरा अपने हाथ तो दिखाओ। फिर वह उसका कोयले वाला हाथ पकड़कर बोले-बेटा, देखा तुमने। कोयला पकड़ते ही हाथ काला हो गया। लेकिन उसे फेंक देने के बाद भी तुम्हारे हाथ में कालिख लगी रह गई। गलत लोगों की संगति इसी तरह होती है। उनके साथ रहने पर भी दुख होता है और उनके न रहने पर भी जीवन भर के लिए बदनामी साथ लग जाती है।

कविता

तोते का स्कूल

अंजना वर्मा

तोते ने जंगल में खोला
पशु-पक्षियों का स्कूल।
शिष्यों को जुटते देखा तो
तोता गया गर्व से फूल।

हाथी दादा आये, बोले,
'मैं अब कैसे बैठूँगा?
मेरे नाप की दरी मिली ना
खड़े-खड़े ही पढ़ लूँगा।'

फिर जिराफ जी आये, बोले
'मेरी तो गर्दन लंबी है।
गुरुजी बैठेंगे फुनगी पर
तो मेरे मुँह की सीध में।'

हिरन आ गया, बोला, 'भाई
मेरा कद तो ठीक है।'
दरियाई घोड़ा भी आया
बोला, 'दिक्कत मुझे नहीं।'

खरहा आया, बोला, 'मेरे
कान तो काफी लंबे हैं।
मैं तो कूद-फाँद करता भी
सब सुन लूँगा, सीखूँगा।'

सारस बोला, 'मैं तो यारों!
खड़ा-खड़ा ही पढ़ लूँगा।'
तभी शेर जी आये, बोले,
पहले आसन मुझको दो।'

उन्हें देख सबके दिमाग की
चिड़िया तो गई उड़।
सभी जानवर भाग चले फिर
गुरु जी हो गये फुर्र।

व्यंग्य केसरी

गारी परम् पियारी..

बेबाक बनारसी

आजकल 'कौन कितनी भद्दी गाली दे सकता है' इसकी प्रतियोगिता सी चल रही है.उस दिन टीवी स्क्रीन के सामने बैठे माता-पिता बड़ी आत्मीयता से अपनी बीस वर्षीया सुपुत्री को ज़ूम-इन करके देख रहे थे। बेटी के चेहरे पर गज़ब का आक्रोश था और ज़ुबान पर ऐसी-ऐसी माँ-बहन की गालियाँ, जिन्हें सुनकर कभी गाँव-देहात के पुराने शराबी भी शरमा जाया करते थे।

पति-पत्नी के चेहरे पर अजीब-सी आत्मसंतुष्टि और परम आनंद के भाव तैर रहे थे।

पत्नी ने टीवी स्क्रीन की ओर गर्व से उंगली उठाते हुए अपने पति से कहा, 'देखो जी! हम जो जीवन भर नहीं कर पाए, वह हमारी बिटिया चंद मिनटों में कर रही है। कैसे धड़ाधड़ सामाजिक वर्जनाओं को तोड़ रही है। लोग कहते थे कि गालियों पर सिर्फ पुरुषों का एकाधिकार है, लेकिन हमारी बेटी ने इस लिंग-भेद को भी ध्वस्त कर दिया!'

सहमति में मुंडी हिलाते हुए पति ने आँखों में छलक आए आंसुओं को पोंछा और कहा, 'सचमुच भाग्यवान हैं हम! हमारा जीवन आज सफल हो गया कि ऐसी महान, प्रोग्रेसिव और क्रांतिकारी औलाद हमारे घर पैदा हुई। ज़रा देखो तो, उसकी आवाज़ में कितना ओज है! एक समय था जब लोग आंदोलन में विचार और तर्क रखते थे, लेकिन हमारी बेटी सीधे संस्कार और मर्यादा की धज्जियाँ उड़ा रही है। यही तो असली आज़ादी है!'

'सही कहा आपने', पत्नी चहकी, 'पुरानी पीढ़ी तो व्यर्थ ही 'भाषा की मर्यादा' और 'संस्कारों' का बोझ ढोती रही। बिटिया जब घर लौटेगी, तो हम आरती की थाली सजाकर, ढोल-नगाड़ों के साथ उसका स्वागत करेंगे। आखिर उसने हमारा नाम जो रोशन किया है।'

अगले ही दिन, बिटिया 'क्रांति' का झंडा गाड़कर और सोशल मीडिया पर हज़ारों 'लाइक्स' बँटोरकर घर लौटी। दरवाज़ा खुलते ही माँ ने उस पर फूलों की बारिश कर दी और पिता ने उसकी आरती उतारी।

'बेटी! हमें तुम पर गर्व है। तुमने टीवी पर जो गालियाँ दीं, उससे हमारा मस्तक ऊँचा हो गया,' पिता ने भावुक होकर कहा।

बेटी ने पैर छूने के बजाय सोफ़े पर जूते समेत टाँगें फैलाईं और चिढ़कर बोली, 'व्हाट द हेल, डैड! यह आरती और फूल चढ़ाने का ढोंग बंद करो। यह सब आउटडेटेड नौटंकी है। मुझे भूख लगी है, सीधे खाना लाओ!'

माँ बेचारी तुरंत रसोई की तरफ़ भागी और चाय-नाश्ता ले आई। प्लेट टेबल पर रखते ही चाय की कुछ बूँदें ट्रे में गिर गईं। ?यह देखते ही बिटिया का 'क्रांतिकारी' पारा चढ़ गया। उसने माँ को वही भद्दी गालियाँ दे डालीं, जो उसने टीवी पर विरोधियों को दी थीं।

कमरे में सन्नाटा छा गया। पति ने धीरे से पत्नी के कान में फुसफुसाया, 'देखा भाग्यवान! हमारी बेटी कितनी समदर्शी और निष्पक्ष है। वह गालियों का उपयोग केवल बाहर वालों पर नहीं करती, घर के लोगों के साथ भी कोई भेदभाव नहीं करती। इसे कहते हैं असली समानता और प्रोग्रेसिव सोच!'

उधर बिटिया गूगल करते हुए कुछ और गलियों कि तलाश कर रही थी।

इतिहास

24 अगस्त का दिन भारत और विश्व इतिहास में कई महत्वपूर्ण घटनाओं, महान स्वतंत्रता सेनानियों के जन्म और ऐतिहासिक बदलावों का साक्षी रहा है।

प्रमुख ऐतिहासिक घटनाएँ79 ई.: इटली का प्रसिद्ध ज्वालामुखी माउंट वेसुवियस फटा, जिसके मलबे और राख में पोम्पेई (Pompeii) और हरकुलानम (Herculaneum) जैसे प्राचीन शहर दब गए थे।

1456: जोहान्स गुटेनबर्ग द्वारा आविष्कृत गुटेनबर्ग बाइबल की छपाई पूरी हुई।

1814: ब्रिटिश सेना ने अमेरिकी राजधानी वाशिंगटन डीसी पर हमला किया और व्हाइट हाउस को आग लगा दी।

1991: पूर्वी यूरोपीय देश यूक्रेन ने सोवियत संघ (स्स्क्र) से स्वतंत्र होने की घोषणा की।

2006: अंतरराष्ट्रीय खगोलीय संघ (IAU) ने प्लूटो (Pluto) का ग्रह का दर्जा खत्म कर दिया और इसे 'बौना ग्रह' मान लिया।

अदरक-लहसुन के दामों ने बिगाड़ा रसोई का जायका

अदरक 200 से 250 रुपये किलो, लहसुन भी 100 से 200 रुपये किलो तक; महंगी सब्जियों से बढ़ी गृहणियों की चिंता

विश्व केसरी

बिलासपुर (सुरेश सिंह बैस)। बारिश के मौसम में सब्जियों की बढ़ती कीमतों से पहले ही परेशान आम उपभोक्ताओं की रसोई का जायका अब अदरक और लहसुन ने भी बिगाड़ दिया है। बाजार में दोनों की कीमतों में लगातार तेजी बनी हुई है। हालात यह हैं कि सामान्य गुणवत्ता का अदरक 200 से 250 रुपये किलो तक पहुंच गया है, जबकि लहसुन 100 से 200 रुपये किलो तक बिक रहा है। महंगाई के चलते कई दुकानदार और ग्राहक भी इसकी ऊंची कीमतों को लेकर परेशान हैं। स्थानीय सब्जी कारोबारियों के मुताबिक, बारिश के कारण परिवहन व्यवस्था प्रभावित होने से सब्जियों की आवक पर असर पड़ा है। इसी वजह से बाजार में मांग के अनुरूप माल नहीं पहुंच पा रहा है। व्यापारियों का कहना है कि अदरक और लहसुन की कीमतों में तेजी के पीछे केवल परिवहन ही नहीं, बल्कि सीमित आवक और मौसम का भी बड़ा प्रभाव है।

सामान्य क्वालिटी का अदरक भी महंगा

बाजार में सामान्य गुणवत्ता का अदरक अब 200 रुपये किलो के आसपास बिक रहा है, जबकि अच्छी गुणवत्ता का अदरक 250 रुपये किलो तक पहुंच गया है। कुछ स्थानों पर थोक बाजार में भी कीमतें लगातार बढ़ रही हैं। कारोबारियों का कहना है कि आने वाले दिनों में आवक में सुधार नहीं हुआ तो अदरक के दाम और बढ़ सकते हैं।

लहसुन की कीमत भी आसमान पर

लहसुन के दाम भी उपभोक्ताओं को राहत नहीं दे रहे हैं। खुले बाजार में लहसुन 100 से 200 रुपये किलो तक बिक रहा है। अच्छी गुणवत्ता के लहसुन की कीमत अपेक्षाकृत अधिक है। व्यापारियों के अनुसार बाजार में मांग बनी हुई है, लेकिन पर्याप्त मात्रा में माल उपलब्ध नहीं होने से कीमतों पर दबाव बना हुआ है।

बढ़ती कीमतों से रसोई का बजट प्रभावित

अदरक और लहसुन रोजमर्रा के भोजन का अहम हिस्सा हैं। सब्जी, दाल, चटनी और अन्य व्यंजनों में इनका इस्तेमाल सामान्य रूप से होता है। ऐसे में दोनों के दाम बढ़ने का सीधा असर घरेलू बजट पर पड़ रहा है। गृहणियों का कहना है कि पहले से महंगी हो चुकी सब्जियों के बीच अदरक-लहसुन की कीमतों ने रसोई का खर्च और बढ़ा दिया है।

जमाखोरी और खराब होने का भी असर

व्यापारियों के मुताबिक बारिश के मौसम में अदरक-लहसुन सहित कई सब्जियों के खराब होने की आशंका बढ़ जाती है। इसके चलते व्यापारी अतिरिक्त जोखिम उठाते हैं। वहीं बाजार में सीमित आवक के कारण कीमतों में उतार-चढ़ाव बना हुआ है। कारोबारियों का कहना है कि यदि आवक सामान्य होती है और परिवहन व्यवस्था सुचारु रहती है तो कीमतों में कुछ राहत मिल सकती है।

छत्तीसगढ़ भी उत्पादन में पीछे नहीं, फिर भी महंगाई

अदरक और लहसुन के उत्पादन में छत्तीसगढ़ की भी महत्वपूर्ण हिस्सेदारी है, लेकिन स्थानीय बाजार में कीमतों पर बाहरी आवक, परिवहन लागत, मौसम और मांग का असर पड़ता है। यही वजह है कि उत्पादन वाले क्षेत्रों के बावजूद उपभोक्ताओं को ऊंची कीमत चुकानी पड़ रही है। फिलहाल बाजार में प्याज और आलू की कीमतें अपेक्षाकृत स्थिर हैं, लेकिन अदरक और लहसुन की तेजी ने रसोई का बजट जरूर बिगाड़ दिया है। कारोबारियों का अनुमान है कि बारिश का दौर जारी रहने और आवक प्रभावित होने की स्थिति में आने वाले दिनों में इन दोनों के दामों में और बढ़ोतरी हो सकती है।

बिलासपुर में यात्रियों की सुरक्षा को लेकर यातायात पुलिस की नई पहल

अब क्यूआर कोड से मिलेगी ऑटो चालकों की पूरी जानकारी

विश्व केसरी

बिलासपुर (सुरेश सिंह बैस)। यात्रियों की सुरक्षा और सुविधा को ध्यान में रखते हुए बिलासपुर यातायात पुलिस ने एक महत्वपूर्ण कदम उठाया है। शहर के सभी पेट्रोल, डीजल और ई-रिक्शा ऑटो में जल्द ही क्यूआर कोड लगाए जाएंगे, जिससे यात्रियों को ऑटो और उसके चालक से जुड़ी सभी जानकारियां एक क्लिक पर मिल सकेंगी। इस पूरी व्यवस्था का संचालन एसएसपी रजनेश सिंह और एसपी यातायात रामगोपाल करियारे के मार्गदर्शन में किया जा रहा है। क्यूआर कोड स्कैन करते ही मिलेगी ये जानकारी

यातायात पुलिस के अनुसार, ऑटो में चस्पा क्यूआर कोड को स्कैन करने पर यात्री आसानी से ऑटो चालक, वाहन के मालिक और वाहन से जुड़ी अन्य जरूरी जानकारियां प्राप्त कर सकेंगे। इस डिजिटल रजिस्ट्रेशन प्रक्रिया से यात्रा के दौरान किसी भी तरह के विवाद, भ्रम या आशंका की स्थिति में वाहन और चालक की पहचान करना बेहद आसान हो जाएगा। आपातकालीन या किसी भी अप्रिय घटना के समय भी यह डिजिटल रिकॉर्ड पुलिस के लिए बेहद मददगार साबित होगा।

महिला चालकों और यात्रियों की सुरक्षा होगी पुख्ता

बिलासपुर में बड़ी संख्या में महिलाएं भी ऑटो चलाती हैं और कई बार उन्हें रात-बिरात या दूर-दराज के इलाकों तक यात्रियों को छोड़ना पड़ता है। ऐसे में यह डिजिटल व्यवस्था महिला चालकों और यात्रियों, दोनों की सुरक्षा में एक मजबूत कवच का काम करेगी। किसी भी विषम परिस्थिति में पुलिस को सूचना मिलने पर संबंधित ऑटो और चालक का विवरण तुरंत प्राप्त किया जा सकेगा।

प्रशासन की अपील: जल्द कराएं रजिस्ट्रेशन

यातायात पुलिस ने शहर के सभी ऑटो चालकों से अपील की है कि वे जल्द से जल्द अपने वाहनों का अनिवार्य रूप से डिजिटल रजिस्ट्रेशन करवा लें। पुलिस प्रशासन द्वारा स्पष्ट किया गया है कि बिना रजिस्ट्रेशन वाले ऑटो पर कड़ी निगरानी रखी जाएगी।

टीईटी की बाध्यता सेवा सुरक्षा व पदोन्नति में समाप्त करने ज्ञापन सौंपा

विश्व केसरी

बालोद (हाशिम कुरैशी) छत्तीसगढ़ प्रदेश शासकीय शिक्षक फेडरेशन के प्रदेश प्रदेश अध्यक्ष साहू ने कहा है कि नौकरी में बने रहने की सेवा सुरक्षा व पदोन्नति में TET की बाध्यता आज प्रदेश के हजारों शिक्षकों के भविष्य के सामने गंभीर चुनौती बनकर खड़ी है। यह समस्या किसी एक संगठन, एक वर्ग या एक समूह की नहीं है, बल्कि प्राथमिक व माध्यमिक तथा सभी शिक्षकों की सामूहिक समस्या है।

उन्होंने कहा कि TET के मुद्दे पर सभी शिक्षक वर्गों को साथ लेकर व्यापक समन्वय एवं आपसी सहमति से आंदोलन की रणनीति तैयार करनी होगी। पहले राज्य स्तर पर और आवश्यकता पड़ने पर राष्ट्र स्तर पर आंदोलन को आगे बढ़ाया जाए, तभी सरकार पर प्रभावी दबाव बनाया जा सकता है। प्रदेश अध्यक्ष शंकर साहू ने कहा कि यह आंदोलन किसी एक संगठन या समूह के बस में नहीं है। सभी संगठनों की सामूहिक भागीदारी, आपसी समन्वय और प्रत्येक शिक्षक के हित को समान महत्व देकर ही TET की बाध्यता से मुक्ति की लड़ाई सफल हो सकती है। उन्होंने कहा कि नौकरी जाने का भय, सरकार की निष्क्रियता तथा संगठनों में एकला चलो की प्रवृत्ति आंदोलन की एकता के सामने बड़ी बाधाएं हैं। साथ ही, किसी भी संगठन की पूर्व छवि या विवादों को एकता के रास्ते में बाधा नहीं बनने देना चाहिए। उन्होंने बताया कि छत्तीसगढ़ प्रदेश शासकीय शिक्षक फेडरेशन अपनी भूमिका लगातार निभा रही है। 16 संगठनों से गठित छत्तीसगढ़ संयुक्त शिक्षक महासंघ की बैठक अतिशीघ्र ही रायपुर में आयोजित की जाएगी, जिसमें TET की बाध्यता सहित शिक्षकों की पदोन्नति से जुड़े महत्वपूर्ण विषयों पर सामूहिक रणनीति तय की जाएगी।

जन सहयोग से दो साल से अधूरे मुक्तिधाम शेड का निर्माण पूरा

विश्व केसरी

बेमेतरा (अनिल त्रिपाठी)। ग्राम पंचायत से नगर पंचायत बनने के बाद दाढ़ी में जनपद पंचायत के माध्यम से स्वीकृत मुक्तिधाम शेड का निर्माण करीब दो साल तक अधूरा पड़ा रहा। निर्माण अधूरा रहने के कारण मुक्तिधाम में अंतिम संस्कार के दौरान लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा था। खासकर बारिश के दिनों में शव के अंतिम संस्कार की व्यवस्था करना परिजनों के लिए मुश्किल हो जाता था। अब नागरिकों के जन सहयोग से अधूरे और खंडहर में तब्दील हो चुके पुराने मुक्तिधाम शेड का निर्माण पूरा कराया गया है। इसके साथ ही शेड में रंग-रोगन भी कराया गया है।

जन सेवक सूरज कुंभकार कमलेश अग्रवाल एवं राजू यादव ने बताया कि लंबे समय से मुक्तिधाम की स्थिति खराब थी। शेड का निर्माण अधूरा होने के साथ पुराना हिस्सा भी जर्जर होकर खंडहर में तब्दील हो चुका था। बारिश के दौरान अंतिम संस्कार कार्यक्रम के लिए पहुंचने वाले लोगों को काफी दिक्कत होती थी। समस्या को देखते हुए नागरिकों के सहयोग से अधूरे मुक्तिधाम शेड का निर्माण कार्य पूरा कराया गया। इसके बाद शेड में रंग-रोगन भी कराया गया है। संत निषाद, अश्वनी साहू, दिनेश निर्मलकर, सिब्बु जायसवाल, मूलचंद गुप्ता, अर्पित गुप्ता, रोहन त्रिपाठी, पुनीत साहू, अन्नू गुप्ता शुभम अग्रवाल, गोपी तिवारी, कुशाग्र श्रीवास, छोटे पटेल, ओश त्रिपाठी, सुनील चंद्राकर, आशीष तंबोली एवं मोंटू तिवारी के जन सहयोग से ही मुक्ति धाम शेड निर्माण कार्य पूरा हुआ।

बारिश में सबसे ज्यादा होती थी परेशानी

मुक्तिधाम में शेड की व्यवस्था नहीं होने से बारिश के दिनों में अंतिम संस्कार कार्यक्रम के दौरान परिजनों को परेशान होना पड़ता था। बारिश होने पर लकड़ियां और अन्य सामग्री को सुरक्षित रखना भी चुनौती बन जाता था। अंतिम संस्कार में शामिल होने वाले लोगों को भी बारिश से बचने के लिए पर्याप्त जगह नहीं मिल पाती थी। दो साल तक निर्माण अधूरा रहने से समस्या लगातार बनी हुई थी।

नागरिकों का कहना है कि अंतिम संस्कार जैसी संवेदनशील स्थिति में परिवार और रिश्तेदार पहले ही दुखी होते हैं। ऐसे समय में मूलभूत सुविधाओं के अभाव के कारण अतिरिक्त परेशानी का सामना करना पड़ता है। जन सहयोग से शेड का निर्माण पूरा होने के बाद अब बारिश के दौरान अंतिम संस्कार कार्यक्रम में पहले की अपेक्षा राहत मिलेगी।

मुक्तिधाम में अतिक्रमण भी बड़ी समस्या

नगर पंचायत दाढ़ी के मुक्तिधाम में शेड की समस्या के साथ ही अतिक्रमण भी नागरिकों के लिए चिंता का विषय बना हुआ है। नागरिकों के अनुसार मुक्तिधाम परिसर के आसपास अतिक्रमण होने के कारण उपलब्ध जगह लगातार कम होती जा रही है। बारिश के दिनों में परिसर में पानी और कीचड़ की स्थिति बनने पर अंतिम संस्कार कार्यक्रम में व्यवधान उत्पन्न होता है।

स्थानीय लोगों ने नगर पंचायत प्रशासन से मुक्तिधाम परिसर का सीमांकन कराकर अतिक्रमण हटाने और पूरे परिसर में आहाता निर्माण कराने की मांग की है। उनका कहना है कि मुक्तिधाम सार्वजनिक और आवश्यक सुविधा से जुड़ा स्थान है। यहां व्यवस्थित प्रवेश मार्ग, पर्याप्त खुला स्थान, शेड, पानी और अन्य जरूरी सुविधाएं होना जरूरी है।

नशे के खिलाफ सख्त कार्रवाई के साथ जागरूकता भी जरूरी : एनसीबी

विश्व केसरी

राजनांदगांव। छत्तीसगढ़ में नशे की समस्या से निपटने के लिए नशीले पदार्थों की तस्करी के खिलाफ सख्त कार्रवाई के साथ जनजागरूकता को भी समान महत्व देना जरूरी है। खासकर युवाओं को नशे से दूर रखने के लिए परिवार, शैक्षणिक संस्थानों, सामाजिक संगठनों और मीडिया की सामूहिक भागीदारी आवश्यक है। यह बात नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो के अधीक्षक अनिल कुमार ने कही। वे पत्र सूचना कार्यालय की ओर से 'नशा मुक्त युवा फॉर विकसित भारत—संकल्प अभियान' के तहत राजनांदगांव में आयोजित वार्तालाप कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। अनिल कुमार ने कहा कि नशे के खिलाफ लड़ाई केवल तस्करी के खिलाफ कार्रवाई तक सीमित नहीं हो सकती। नशीले पदार्थों की अवैध आपूर्ति पर नियंत्रण के साथ उनकी मांग को कम करना भी जरूरी है। उन्होंने बताया कि नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो की नशीले पदार्थों पर नियंत्रण की रणनीति में आपूर्ति नियंत्रण और मांग में कमी दोनों पहलुओं पर काम किया जाता है। इसके लिए विभिन्न केंद्रीय और राज्य एजेंसियों के बीच समन्वय के साथ प्रवर्तन तथा जागरूकता गतिविधियां संचालित की जा रही हैं। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ में युवाओं को नशे के दुष्प्रभावों से बचाने में मीडिया की भूमिका निर्णायक हो सकती है। समाचार पत्र, टेलीविजन, डिजिटल माध्यम और सामाजिक मीडिया की व्यापक पहुंच का इस्तेमाल नशे के स्वास्थ्य, परिवार और समाज पर पड़ने वाले दुष्प्रभावों को तथ्यपरक और सरल भाषा में लोगों तक पहुंचाने के लिए किया जाना चाहिए।

महापौर रामू रोहरा ने स्कूलों का किया निरीक्षण साफ-सफाई और व्यवस्थाओं का लिया जायजा

विश्व केसरी

नगरी (राजशेखर नायर)। नगर के शैक्षणिक संस्थानों में बेहतर शैक्षणिक वातावरण और मूलभूत सुविधाओं को सुनिश्चित करने के उद्देश्य से महापौर रामू रोहरा ने आज सुबह दानीटोला वार्ड स्थित माध्यमिक शाला एवं शिव सिंह वर्मा (गर्ल्स हाई स्कूल) का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने विद्यालय परिसर में साफ-सफाई व्यवस्था, विद्यार्थियों के लिए उपलब्ध सुविधाओं तथा स्कूल की अन्य व्यवस्थाओं का जायजा लिया।

महापौर रोहरा ने विद्यालय के प्राचार्य एवं शिक्षकों से स्कूल के नियमित कामकाज, विद्यार्थियों की शैक्षणिक गतिविधियों तथा विद्यालय में आवश्यक सुविधाओं को लेकर विस्तार से चर्चा की। उन्होंने कहा कि स्कूलों में स्वच्छ, सुरक्षित और सकारात्मक वातावरण विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के लिए बेहद आवश्यक है। उन्होंने विद्यालय परिसर में नियमित साफ-सफाई बनाए रखने तथा विद्यार्थियों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने पर विशेष जोर दिया।

निरीक्षण के दौरान शाला परिसर में विद्यार्थियों के लिए प्रार्थना शेड निर्माण की स्वीकृति मिलने पर शाला परिवार ने महापौर रामू रोहरा के प्रति आभार व्यक्त किया। शाला परिवार ने कहा कि प्रार्थना शेड के निर्माण से विद्यार्थियों को प्रार्थना एवं अन्य सामूहिक गतिविधियों के दौरान सुविधा मिलेगी तथा मौसम की प्रतिकूल परिस्थितियों में भी कार्यक्रम सुचारू रूप से आयोजित किए जा सकेंगे।

महापौर ने कहा कि नगर के विद्यालयों में आवश्यक मूलभूत सुविधाओं का विकास और विद्यार्थियों को बेहतर वातावरण उपलब्ध कराना प्राथमिकता है। उन्होंने विद्यालय प्रबंधन को आश्वस्त किया कि आवश्यकतानुसार नगर निगम स्तर पर हरसंभव सहयोग प्रदान किया जाएगा, ताकि विद्यार्थियों को पढ़ाई के साथ-साथ अन्य गतिविधियों के लिए भी बेहतर सुविधाएं मिल सकें।

मातृ भारती का गठन एवं सखी री सावन पर हुआ कार्यक्रम

विश्व केसरी

नगरी (राजशेखर नायर)। सरस्वती शिशु मंदिर नगरी में बालिका शिक्षा के अंतर्गत मातृ भारती का गठन, बालिका शिक्षा परिषद का गठन एवं 'सखी री सावन मन भायो' कार्यक्रम उत्साहपूर्वक सम्पन्न हुआ।

कार्यक्रम का उद्देश्य माताओं को विद्यालय की गतिविधियों से जोड़ना तथा बालिकाओं की शिक्षा, संस्कार, व्यक्तित्व एवं सर्वांगीण विकास में उनकी सहभागिता बढ़ाना रहा। मातृ भारती विद्यालय एवं अभिभावकों के बीच समन्वय स्थापित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है।

'सखी री सावन मन भायो' कार्यक्रम में महिला पालकों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की तथा विभिन्न गतिविधियों के माध्यम से सावन की संस्कृति एवं परंपराओं को जीवंत किया। कार्यक्रम सभी महिला पालक माताओं, प्राचार्य प्रफुल्लचंद साहू तथा समस्त आचार्य-दीदी एवं स्टाफ की उपस्थिति में सम्पन्न हुआ।

सोनकर समाज महिला प्रकोष्ठ ने उत्साह और उमंग के साथ मनाया सावन महोत्सव

सामाजिक एकता, संस्कार और नारी शक्ति की सुंदर झलक बना आयोजन : महापौर रामू रोहरा

विश्व केसरी

धमतरी (राजशेखर नायर)। सावन माह की पावन बेला में सोनकर समाज महिला प्रकोष्ठ, धमतरी द्वारा रामबाग स्थित सोनकर समाज भवन में भव्य एवं गरिमामय सावन महोत्सव का आयोजन हर्षोल्लास और उत्साह के साथ किया गया। कार्यक्रम में धार्मिक आस्था, भारतीय संस्कृति, सामाजिक एकता और नारी शक्ति का सुंदर संगम देखने को मिला। समाज की महिलाओं सहित बड़ी संख्या में समाजजन, जनप्रतिनिधि एवं पदाधिकारी आयोजन में शामिल हुए।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि नगर पालिक निगम धमतरी के महापौर रामू रोहरा रहे। महापौर सहित उपस्थित अतिथियों एवं समाजजनों ने भगवान श्रीराम की विधिवत पूजा-अर्चना कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। इसके बाद सावन पर्व की परंपराओं और सांस्कृतिक उत्सव का महिलाओं ने उत्साहपूर्वक आनंद लिया। महिलाओं को साड़ी वितरण कर बढ़ाया उत्साह*

इस अवसर पर महापौर रामू रोहरा ने सोनकर समाज की महिलाओं को साड़ी का वितरण किया। साड़ी प्राप्त कर महिलाओं में विशेष उत्साह और प्रसन्नता देखने को मिली। महापौर ने कहा कि महिलाओं का सम्मान और उनका उत्साहवर्धन समाज की मजबूती का आधार है। ऐसे आयोजन महिलाओं को आपस में जोड़ने, अपनी संस्कृति एवं परंपराओं को आगे बढ़ाने तथा सामाजिक एकता को मजबूत करने का अवसर प्रदान करते हैं।

उन्होंने सावन महोत्सव की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि सावन का पर्व हमारी आस्था, परंपरा और संस्कृति से गहराई से जुड़ा हुआ है। समाज द्वारा आयोजित ऐसे कार्यक्रम आपसी प्रेम, भाईचारे और सामाजिक सद्भाव को मजबूत करते हैं तथा हमारी समृद्ध सांस्कृतिक विरासत एवं संस्कारों को नई पीढ़ी तक पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

नशामुक्त समाज का लिया संकल्प

सावन महोत्सव को सामाजिक सरोकारों से जोड़ते हुए कार्यक्रम में उपस्थित समाजजनों को नशामुक्ति की शपथ भी दिलाई गई। सभी ने स्वयं नशे से दूर रहने तथा परिवार, समाज और युवा पीढ़ी को नशे के दुष्परिणामों के प्रति जागरूक करने का संकल्प लिया। आयोजन के माध्यम से स्वस्थ, संस्कारित और नशामुक्त समाज के निर्माण का सकारात्मक संदेश दिया गया। महापौर रामू रोहरा ने कहा कि समाज की प्रगति में महिलाओं की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। महिला शक्ति को सम्मान और अवसर देकर ही समाज को मजबूत बनाया जा सकता है। उन्होंने सभी से नशे जैसी सामाजिक बुराई से दूर रहकर युवाओं को सकारात्मक दिशा देने और संस्कारवान समाज के निर्माण में योगदान देने का आह्वान किया।

'एक पेड़ मां के नाम' के तहत किया वृक्षारोपण

कार्यक्रम के दौरान पर्यावरण संरक्षण का संदेश देते हुए 'एक पेड़ मां के नाम अभियान' के तहत वृक्षारोपण भी किया गया। अतिथियों एवं समाजजनों ने पौधे लगाकर पर्यावरण संरक्षण और हरियाली बढ़ाने का संकल्प लिया। इस अवसर पर कहा गया कि पौधारोपण केवल पर्यावरण संरक्षण का कार्य नहीं, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के सुरक्षित और स्वस्थ भविष्य के लिए हमारी जिम्मेदारी भी है।

श्रम जीवी पत्रकार कल्याण संघ कोयली बेड़ा के अध्यक्ष बने श्रवण यादव

विश्व केसरी

बीजापुर (के. संतोष)। कोयली बेड़ा मै सभी की मौजूद मै वन परिक्षेत्र रेस्ट हाउस में श्रम जीवी पत्रकार कल्याण संघ का बैठक हुआ जिसमें कोयली बेड़ा हमारे अनुभवी सहन शील जो बहुत पहले से पत्रकार मै अपने जुड़ा हुआ है जो श्रवण यादव को अपने कोयली बेड़ा क्षेत्र के अध्यक्ष बनाया गया जिसमें सभी ओर उपाध्यक्ष हेमंत उसेंडी, सचिव अशवन कुमार कतलाम, कोषाध्यक्ष मिथलेश कुमार उसेंडी ओर जिला से है प्रतिनिधि गौतम निषाद ओर प्रदेश प्रतिनिधि अरुण ठाकुर जो बहुत साल से अपनी पत्रकार मै अपना कार्य किया है और कार्य कार्यकरिणी सदस्य मुकेश सहारे जी मनोज कुमार साहू सभी का धूम धाम से गठन किया गया ओर अध्यक्ष उपाध्यक्ष ओर सभी का तिलक जय माला फूलों से बधाई दिया गया शुभ अवसर पर मिठाई से मुंह मीठा किया श्रम जीवी पत्रकार कल्याण संघ कोयली बेड़ा अध्यक्ष श्रवण यादव ने कहा कि जो पहले जो भी था अब ऐसा बिल्कुल भी नहीं होगा अभी आप सभी को हर मुद्दे को सभी मिलकर एक साथ लगाना है।

जीआरएसई पश्चिम बंगाल में 2,600 करोड़ रुपए से अधिक का निवेश करेगी

विश्व केसरी■

कोलकाता। सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनी गार्डन रीच शिपबिल्डर्स एंड इंजीनियर्स (जीआरएसई) लिमिटेड के चेयरमैन और प्रबंध निदेशक कमोडोर पी.आर.हरि (सेवानिवृत्त) ने रविवार को कहा कि कंपनी पश्चिम बंगाल में 2,600 करोड़ रुपए से ज्यादा का निवेश करने जा रही है। इसके तहत तीन शिपयार्ड को विकसित किया जाएगा।

समाचार एजेंसी आईएएनएस से एक्सक्लूसिव बातचीत में जीआरएसई चेयरमैन और प्रबंध निदेशक ने बताया कि कंपनी पश्चिम बंगाल में तीन फैसिलिटी में 2,670 करोड़ रुपए निवेश करने जा रही है। इसके तहत हम दक्षिण 24 परगना जिले में पड़ने वाले रायचक में एक स्वतंत्र शिपयार्ड बनाएंगे। इसमें बड़े साइज के वैसल बनाए जाएंगे।

इसके अलावा कंपनी कोलकाता और हावड़ के शालीमार में मौजूद अपनी फैसिलिटी के इन्फ्रास्ट्रक्चर को अपग्रेड करेगी। इसमें से एक में कंपनी मध्यम और छोटी साइज के शिप का निर्माण करेगी। वहीं, अन्य में हम बोट, फैरी और एस टाइप के शिप पर काम करेंगे।

युद्धपोत बनाने को लेकर पूछे गए सवाल के जवाब में जीआरएसई चेयरमैन और प्रबंध निदेशक ने आगे कहा कि इस क्षेत्र में भारत पहले ही आत्मनिर्भर है। अब तक देश में 270 युद्धपोत बने हैं, जिसमें से 40 प्रतिशत का निर्माण जीआरएसई ने किया है। पिछले 3 प्रोजेक्ट्स में हमने 80 प्रतिशत तक स्वदेशीकरण हासिल किया है, हमारी कोशिश बाकी बचे 20 प्रतिशत में भी स्वदेशीकरण हासिल करना है।

उन्होंने आगे कहा कि पहले के समय में शिपबिल्डिंग प्रोजेक्ट में 5-10 साल का समय लगता था, लेकिन अब काम काफी तेजी से हो रहा है। आखिरी जो दो प्रोजेक्ट हमने डिलीवर किए हैं, वे शेड्यूल से पहले किए गए हैं। हरि ने आगे बताया कि हमारा डिजाइन भी काफी मैच्योर है, जब टेक्नोलॉजी में कोई बदलाव आता है तो हम उसे आसानी से अपग्रेड करके ग्राहक को दे पाते हैं।

जीआरएसई के चेयरमैन और मैनेजिंग डायरेक्टर ने आगे बताया कि कंपनी राज्य की सबसे बड़ी हेवी इंजीनियरिंग यूनिट है। उन्होंने आगे कहा कि रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह हमेशा हमारे साथ खड़े रहे हैं और हम इसके लिए उनके आभारी हैं। 2019 से, जीआरएसई ने 24 युद्धपोत लॉन्च किए हैं और उनमें से 22 की डिलीवरी की है। अब हमारे पास एक साथ अलग-अलग क्लास के 28 जहाज बनाने की क्षमता है। नई सुविधाएं तैयार होने के बाद, जीआरएसई की क्षमता बढ़कर 32 प्लेटफॉर्म तक हो जाएगी।

भारत के अंतरिक्ष क्षेत्र में अगले चरण का विकास डाउनस्ट्रीम एप्लीकेशन और निजी कंपनियां तय करेंगी : एक्सपर्ट्स

विश्व केसरी■

नई दिल्ली। राष्ट्रीय अंतरिक्ष दिवस के मौके पर रविवार को एक्सपर्ट्स ने कहा कि भारत के अंतरिक्ष क्षेत्र में अगले चरण का विकास सैटेलाइट और लॉन्च क्षमता से तय नहीं होगा, बल्कि डाउनस्ट्रीम एप्लीकेशन, निजी क्षेत्र की भागीदारी और सैटेलाइट आधारित सर्विसेज से निर्धारित होगा।

इंडियन स्पेस एसोसिएशन (आईएसपीए) के महानिदेशक लेफ्टिनेंट जनरल एके भट्ट ने कहा कि भारत के प्राइवेट स्पेस इकोसिस्टम ने बहुत कम समय में बड़ी प्रगति की है और अब इसकी क्षमताएं वास्तविक बाजार के अवसरों में बदल रही हैं।

उन्होंने कहा कि भारत एक 'फुल-स्टैक' स्पेस इकोनॉमी के तौर पर उभर रहा है, जिसमें लॉन्च, सैटेलाइट इंफ्रास्ट्रक्चर और कई तरह के डाउनस्ट्रीम एप्लीकेशन के क्षेत्रों में देश की ताकत बढ़ रही है।

भट्ट ने कहा कि प्राइवेट स्पेस कंपनियों की हालिया कामयाबियों ने यह साबित कर दिया है कि भारत में ग्लोबल लेवल पर मुकाबला करने लायक क्षमताएं विकसित करने की काबिलियत है। इससे निवेशकों और अंतरराष्ट्रीय साझेदारों को एक अहम संकेत मिला है कि भारतीय स्पेस कंपनियां इनोवेशन से आगे बढ़कर उसे असल में लागू करने और बड़े पैमाने पर काम करने की दिशा में आगे बढ़ सकती हैं। उन्होंने इस तरक्की का श्रेय एक मजबूत पब्लिक-प्राइवेट पार्टनरशिप को दिया, जिसमें इसरो की तकनीकी विशेषज्ञता, प्रगतिशील पॉलिसी और रेगुलेटरी सुधार, और नई पीढ़ी की प्राइवेट कंपनियों की काम करने की क्षमता शामिल है। सुहोरा टेक्नोलॉजीज के सीईओ और को-फाउंडर कृषानु आचार्य ने कहा कि भारत की प्राइवेट स्पेस की कहानी ज्यादातर रॉकेट और लॉन्च व्हीकल से जुड़ी रही है, लेकिन डाउनस्ट्रीम एप्लीकेशन इस सेक्टर के लिए ज्यादा टिकाऊ ग्रोथ इंजन के तौर पर उभर सकते हैं। आचार्य ने कहा, 'जैसे-जैसे और सैटेलाइट ऑर्बिट में पहुंचेंगे, रॉ डेटा तभी काम का होगा जब उसे इस्तेमाल लायक जानकारी में बदला जाएगा।

एफएसएसएआई ने खाद्य सुरक्षा नियमों के उल्लंघन पर दिल्ली और दमन में की सख्त कार्रवाई, लाइसेंस भी किया निलंबित

विश्व केसरी■

नई दिल्ली। भारतीय खाद्य संरक्षा एवं मानक प्राधिकरण (एफएसएसएआई) ने रविवार को कहा कि निरीक्षण के दौरान खाद्य सुरक्षा नियमों के गंभीर उल्लंघन और अनुपालन में कमी पाए जाने के बाद उसने दिल्ली और दमन की दो खाद्य कारोबार इकाइयों के खिलाफ कड़ी नियामकीय कार्रवाई की है।

इस कार्रवाई के तहत खाद्य सुरक्षा नियामक ने नई दिल्ली स्थित मार्शे रिटेल प्राइवेट लिमिटेड का लाइसेंस तत्काल प्रभाव से 30 दिनों के लिए निलंबित कर दिया है। वहीं, दमन के रिंगनवाड़ा स्थित एसडीपी इंडस्ट्रीज प्राइवेट लिमिटेड के खिलाफ मानकों का पालन न करने वाले घी उत्पादों और मिलावट की आशंका को लेकर प्रतिबंध का आदेश जारी किया गया है। एफएसएसएआई ने कहा, 'गंभीर खाद्य सुरक्षा उल्लंघनों का पता चलने के बाद एफएसएसएआई ने नई दिल्ली की मार्शे रिटेल प्राइवेट लिमिटेड का लाइसेंस निलंबित किया है और दमन की एसडीपी इंडस्ट्रीज प्राइवेट लिमिटेड के खिलाफ प्रतिबंध का आदेश जारी किया है।'

मार्शे रिटेल के मामले में निरीक्षण और उसके बाद किए गए फॉलो-अप निरीक्षण में प्रतिष्ठान के डिजाइन, संचालन संबंधी नियंत्रण, स्वच्छता, व्यक्तिगत साफ-सफाई, खाद्य संचालकों के प्रशिक्षण और अनिवार्य रिकॉर्ड रखने में कमियां पाई गईं। खाद्य उत्पाद संभालने वालों के आवश्यक मेडिकल रिकॉर्ड भी उपलब्ध नहीं थे। इसके अलावा, निर्धारित खाद्य सुरक्षा और स्वच्छता संबंधी दस्तावेज भी पर्याप्त रूप से व्यवस्थित नहीं रखे गए थे।

इसके चलते, मार्शे रिटेल प्राइवेट लिमिटेड का एफएसएसएआई लाइसेंस 30 दिनों के लिए निलंबित कर दिया गया है। खाद्य कारोबार संचालक को निर्देश दिया गया है कि जब तक पहचानी गई कमियों को दूर नहीं किया जाता और सक्षम प्राधिकरण द्वारा अनुपालन की पुष्टि नहीं कर दी जाती, तब तक वह तत्काल सभी खाद्य कारोबार गतिविधियां बंद रखे।

वहीं, खाद्य नियामक ने दमन के रिंगनवाड़ा स्थित एसडीपी इंडस्ट्रीज प्राइवेट लिमिटेड के खिलाफ प्रतिबंध आदेश जारी किया है। यह कार्रवाई कंपनी द्वारा निर्मित कई घी उत्पादों के निरीक्षण और नमूने लिए जाने के बाद की गई। 'श्रद्धा', 'श्री सरस' और 'गोकुल' जैसे ब्रांड नामों से बेचे जाने वाले इन उत्पादों को खाद्य सुरक्षा और मानक अधिनियम, 2006 तथा इसके तहत बनाए गए नियमों की आवश्यकताओं के अनुरूप नहीं पाया गया। घी के नमूनों की प्रयोगशाला जांच में बीटा-सिटोस्टेरॉल पाया गया। यह एक पौधों में पाया जाने वाला स्टेरॉल है, जिसकी घी में मौजूदगी नहीं होनी चाहिए। इसके अलावा, फैटी एसिड की संरचना में भी मानकों के अनुरूप न होने की बात सामने आई। नियामक के अनुसार, ये निष्कर्ष बाहरी या वनस्पति वसा की मौजूदगी के संकेत थे और इससे खाद्य सुरक्षा को लेकर गंभीर चिंताएं पैदा हुईं।

पीयूष गोयल 24 से 27 अगस्त तक जापान के दौरे पर, अब तक के सबसे बड़े भारतीय व्यापारिक प्रतिनिधिमंडल का करेंगे नेतृत्व

विश्व केसरी■

नई दिल्ली। केंद्रीय वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल 24 से 27 अगस्त 2026 तक जापान की यात्रा पर रहेंगे। इस दौरान, वे टोक्यो, नागोया और ओसाका का दौरा करेंगे और भारत के अब तक के सबसे बड़े व्यापारि ?क प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व करेंगे। यह जानकारी वाणि?य एवं उद्योग मंत्रालय की ओर से रविवार को दी गई।

मंत्रालय ने बताया कि इस व्यापारिक प्रतिनिधिमंडल में 200 से अधिक व्यापार प्रतिनिधि शामिल हैं जो विनिर्माण, सेमीकंडक्टर, स्वच्छ ऊर्जा और इस्पात से लेकर ऑटोमोटिव, वित्तीय सेवाएं, स्वास्थ्य सेवा और स्टार्टअप जैसे विभिन्न क्षेत्रों से जुड़े हैं।

केंद्रीय मंत्री गोयल टोक्यो में भारत के विकास में लंबे समय से भागीदार रहे प्रमुख जापानी समूहों और औद्योगिक घरानों के शीर्ष नेतृत्व के साथ कई बैठकें करेंगे। इसके साथ ही, वे 1,500 से अधिक अग्रणी जापानी कंपनियों का प्रतिनिधित्व करने वाली सर्वोच्च संस्था, कीडानरेन (जापान बिजनेस फेडरेशन) के साथ एक गोलमेज सम्मेलन में भी भाग लेंगे। यह यात्रा ऐसे समय में हो रही है जब भारत और जापान व्यापार और निवेश संबंधों को और अधिक मजबूत करने की दिशा में प्रयासरत हैं।

मंत्रालय के मुताबिक, दौरे के केंद्रीय मंत्री गोयल अपने समकक्ष अकाजावा रयोसेई, अर्थव्यवस्था, व्यापार और उद्योग मंत्री (एमईटीआई) के साथ द्विपक्षीय वार्ता भी करेंगे और जापान सरकार और संसद के वरिष्ठ सदस्यों से भेंट करेंगे साथ ही जापान में भारतीय समुदाय के साथ भी बातचीत करेंगे।

केंद्रीय मंत्री मध्य जापान के औद्योगिक केंद्र नागोया में चुकेरेन (मध्य जापान आर्थिक संघ) और नागोया चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री के साथ एक रोड शो का नेतृत्व करेंगे और आइची प्रान्त के नेतृत्व और ऑटोमोटिव और इस्पात क्षेत्रों के प्रमुख विनिर्माण निवेशकों के साथ बातचीत करेंगे। यह यात्रा ओसाका में निवेशकों और व्यापार रोड शो के साथ समाप्त होगी जिसमें इलेक्ट्रॉनिक्स, औद्योगिक और उपभोक्ता क्षेत्रों की अग्रणी जापानी कंपनियों के साथ बैठकें होंगी, जिनका उद्देश्य भारत के विनिर्माण, स्वच्छ ऊर्जा और उपभोक्ता बाजारों में मौजूद अवसरों के बारे में बताना है।

30 साल की उम्र में 5 करोड़ रुपए का रिटायरमेंट फंड बनाना है? जानिए हर महीने कितने की करनी होगी एसआईपी

विश्व केसरी■

नई दिल्ली। रिटायरमेंट के लिए 5 करोड़ रुपए का फंड तैयार करना सुनने में भले ही एक बड़ा लक्ष्य लगे, लेकिन सही समय पर निवेश शुरू कर दिया जाए और लंबे समय तक नियमित निवेश जारी रखा जाए तो कंपाउंडिंग की ताकत से यह लक्ष्य हासिल किया जा सकता है। खासतौर पर म्यूचुअल फंड में एसआईपी के जरिए लंबी अवधि का निवेश रिटायरमेंट प्लानिंग का एक प्रभावी तरीका बन सकता है। हालांकि, निवेश शुरू करने की उम्र जितनी कम होगी, उतना अधिक समय कंपाउंडिंग के लिए मिलेगा और हर महीने निवेश की जाने वाली रकम अपेक्षाकृत कम हो सकती है। आज हम आपको कैलकुलेशन के माध्यम से बताते हैं कि अगर कोई 30 साल की उम्र में 5 करोड़ रुपए का रिटायरमेंट फंड बनाना चाहता है तो उसे हर महीने कितने रुपए की एसआईपी करनी पड़ेगी।

अगर कोई व्यक्ति 30 साल की उम्र में निवेश शुरू करता है, तो उसके पास 60 साल की उम्र तक 30 साल का समय होता है। वहीं, 25 साल की उम्र वाले व्यक्ति के पास करीब 35 साल का समय होता है। जबकि 35 साल की उम्र वाले को 25 साल और 40 साल की उम्र में शुरुआत करने वाले निवेशक को केवल 20 साल का समय मिलता है। इसके अलावा मौजूदा आय, भविष्य में वेतन वृद्धि, मासिक खर्च, बच्चों की शिक्षा, ईएमआई, स्वास्थ्य खर्च और रिटायरमेंट के बाद की जरूरतें भी यह तय करती हैं कि वास्तव में कितना रिटायरमेंट फंड चाहिए।

यदि 12 प्रतिशत सालाना औसत रिटर्न और पूरी अवधि के दौरान बिना एसआईपी बढ़ाए एक निश्चित मासिक निवेश का अनुमान लगाया जाए, तो 30 साल की उम्र में निवेश शुरू करने वाले व्यक्ति को 60 साल की उम्र तक 5 करोड़ रुपए का कॉर्पस बनाने के लिए लगभग 14,500 रुपए प्रति माह की एसआईपी करनी पड़ सकती है। 30 साल तक लगातार इस रकम का निवेश करने पर कुल निवेश करीब 52.20 लाख रुपए होगा, जबकि अनुमानित रिटर्न के साथ रिटायरमेंट कॉर्पस लगभग 5.12 करोड़ रुपए तक पहुंच सकता है। वहीं, 25 साल की उम्र में निवेश शुरू करने वाले व्यक्ति को लगभग 5 करोड़ रुपए से अधिक का कॉर्पस तैयार करने के लिए करीब 8,000 रुपए प्रति माह की एसआईपी की जरूरत पड़ सकती है। 35 साल तक निवेश करने पर उसका कुल योगदान लगभग 33.60 लाख रुपए होगा और 12 प्रतिशत अनुमानित सालाना रिटर्न के आधार पर कॉर्पस करीब 5.20 करोड़ रुपए तक पहुंच सकता है।

अगर निवेश की शुरुआत 35 साल की उम्र में की जाती है, तो निवेश की अवधि घटकर 25 साल रह जाती है। ऐसे में 5 करोड़ रुपए के आसपास का रिटायरमेंट फंड बनाने के लिए करीब 26,500 रुपए प्रति माह की एसआईपी करनी पड़ सकती है। इस दौरान कुल निवेश लगभग 79.50 लाख रुपए होगा और अनुमानित कॉर्पस करीब 5.03 करोड़ रुपए तक पहुंच सकता है। इसी तरह 40 साल की उम्र में शुरुआत करने वाले व्यक्ति को केवल 20 साल में यह लक्ष्य हासिल करने के लिए करीब 50,000 रुपए प्रति माह की एसआईपी करनी पड़ सकती है।

पिछले 10 सालों में 460 सैटेलाइट्स के साथ भारत का स्पेस सेक्टर नई ऊंचाइयों पर : हरदीप पुरी

विश्व केसरी■

नई दिल्ली। पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने रविवार को कहा कि 100 लॉन्च और ऑर्बिट में 548 सैटेलाइट्स के ऐतिहासिक माइलस्टोन के साथ, भारत का स्पेस सेक्टर नई ऊंचाइयों को छू रहा है।

मंत्री ने कहा कि नेशनल स्पेस डे पर, हम स्पेस सेक्टर में भारत की शानदार प्रगति का जश्न मनाने के लिए एक साथ आए हैं। चंद्रयान-1 और मंगलयान से लेकर चंद्रयान-3 और आदित्य-एल1 तक, भारत का स्पेस प्रोग्राम हमारी वैज्ञानिक उत्कृष्टता, महत्वाकांक्षा और इनोवेशन की भावना को दर्शाता है।

पुरी ने इस बात पर भी जोर दिया कि भारत के प्रतिभाशाली युवाओं की ऊर्जा और इनोवेशन इस यात्रा को नई गति दे रहे हैं। स्पेस स्टार्टअप्स और प्राइवेट सेक्टर के इनोवेटर्स भारत की स्पेस महत्वाकांक्षाओं के लिए साहसी विचारों को नई संभावनाओं में बदल रहे हैं।

उन्होंने कहा कि जैसे-जैसे हम प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व और मार्गदर्शन में 'विकसित भारत' की ओर बढ़ रहे हैं, हमारा स्पेस प्रोग्राम तकनीकी रूप से एडवांस्ड और आत्मनिर्भर भारत को आकार देने में एक महत्वपूर्ण ताकत के रूप में उभर रहा है।

23 अगस्त, 2023 को इसरो ने चंद्रयान-3 स्पेसक्राफ्ट को चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव के पास सफलतापूर्वक लैंड कराया, जिससे भारत अमेरिका, चीन और पूर्व सोवियत संघ के बाद चंद्रमा पर सॉफ्ट-लैंडिंग करने वाला चौथा देश बन गया। भारत ने चंद्रमा के ऊबड़-खाबड़ दक्षिणी ध्रुवीय क्षेत्र तक पहुंचने वाला पहला देश बनने का गौरव भी हासिल किया।

पहला राष्ट्रीय अंतरिक्ष दिवस एक साल बाद, 23 अगस्त 2024 को मनाया गया। इस दिन का मकसद न सिर्फ चंद्रयान-3 की कामयाबी को याद करना था, बल्कि अंतरिक्ष विज्ञान और टेक्नोलॉजी के क्षेत्र में भारत की बड़ी उपलब्धियों का जश्न मनाना भी था।

गूगल फायरबेस स्कैम एक्सप्लेनर : साइबर अपराधी फिशिंग और धोखाधड़ी के लिए प्लेटफॉर्म का कर रहे दुरुपयोग

विश्व केसरी■

नई दिल्ली। गूगल के फायरबेस प्लेटफॉर्म पर होस्ट की गई कम से कम 57 वेबसाइटों और डेटाबेस के खिलाफ भारत की कार्रवाई ने इस बात को सामने लाया है कि साइबर अपराधी कथित तौर पर एक वैध क्लाउड सेवा का इस्तेमाल फिशिंग अभियान चलाने, मैलवेयर फैलाने और संवेदनशील वित्तीय जानकारी चुराने के लिए कर रहे हैं। ऐसे में सवाल उठता है कि फायरबेस क्या है, ठग इसका दुरुपयोग कैसे कर रहे हैं और यह भारतीय साइबर अधिकारियों के लिए चिंता का विषय क्यों बन गया है?

फायरबेस, दिग्गज आईटी कंपनी गूगल का क्लाउड-आधारित डेवलपमेंट प्लेटफॉर्म है, जो डेवलपर्स को मोबाइल एप्लिकेशन और वेबसाइट बनाने, चलाने और मैनेज करने में मदद करता है। इसमें वेबसाइट होस्टिंग, डेटा स्टोरेज, यूजर ऑथेंटिकेशन, एनालिटिक्स और ऐप से जुड़ी अन्य सेवाओं जैसे कार्यों के लिए कई तैयार टूल उपलब्ध हैं। इस प्लेटफॉर्म का दुनियाभर के डेवलपर्स बड़े पैमाने पर इस्तेमाल करते हैं और यह गूगल के क्लाउड कारोबार का हिस्सा है। किसी एप्लिकेशन के बैकएंड के हर हिस्से को शून्य से बनाने के बजाय डेवलपर्स फायरबेस के इंफ्रास्ट्रक्चर और सेवाओं का इस्तेमाल कर ऐप को अधिक कुशलता से विकसित और संचालित कर सकते हैं।

फायरबेस खुद एक वैध तकनीकी प्लेटफॉर्म है। भारतीय अधिकारियों द्वारा उठाई गई चिंताएं साइबर अपराधियों द्वारा इसके इंफ्रास्ट्रक्चर के कथित दुरुपयोग से जुड़ी हैं। इसका मतलब यह नहीं है कि फायरबेस या गूगल जिम्मेदार है।

इंडियन साइबर क्राइम कोऑर्डिनेशन सेंटर (आई4सी) की ओर से गूगल को भेजे गए नोटिस के अनुसार, जालसाज कथित तौर पर फायरबेस पर होस्ट की गई वेबसाइटों का इस्तेमाल बड़े बैंकों और अन्य भरोसेमंद संगठनों की नकल करने वाले फर्जी पेज बनाने के लिए कर रहे थे। रिपोर्ट के अनुसार, कुछ वेबसाइटों ने भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई), आईसीआईसीआई बैंक और एक्सिस बैंक जैसे बैंकों की नकल की। ऐसे पेज वास्तविक बैंकिंग वेबसाइटों जैसे दिखने के लिए बनाए जा सकते हैं और यूजर्स को संवेदनशील जानकारी दर्ज करने के लिए धोखा दे सकते हैं।

सावन व्रत में खाएं बिना चीनी की मखाना खीर, स्वाद के साथ मिलेगी भरपूर एनर्जी, नोट कर लें रेसिपी

सावन के व्रत में बिना चीनी के तैयार की जाने वाली मखाना खीर स्वाद और पोषण से भरपूर विकल्प है. कोडरमा की कविता कुमारी ने इसकी आसान विधि साझा की. मखाना, दूध, खजूर, बादाम, किशमिश और केसर से तैयार यह खीर प्राकृतिक मिठास के साथ इंस्टेंट एनर्जी देने में मदद करती है. रोस्ट किए मखाने को पीसकर दूध में मिलाने से खीर गाढ़ी बनती है.

कोडरमा: सावन का महीना भगवान शिव की पूजा-अर्चना के लिए खास माना जाता है. इस महीने बड़ी संख्या में लोग उपवास रखते हैं. व्रत के दौरान शरीर को पर्याप्त ऊर्जा और पोषण मिलना भी जरूरी है. ऐसे में घर पर तैयार की जाने वाली मखाना खीर अच्छा विकल्प हो सकती है. यह स्वादिष्ट होने के साथ पौष्टिक भी होती है. खास बात यह है कि इसे बिना चीनी के भी तैयार किया जा सकता है. कोडरमा की कविता कुमारी ने व्रत के दौरान तुरंत ऊर्जा देने वाली मखाना खीर बनाने की आसान विधि साझा की है. उन्होंने बताया कि इसे बनाने के लिए मखाना, दूध, खजूर, बादाम, किशमिश और केसर की जरूरत होती है. इसमें अलग से चीनी डालने की जरूरत नहीं पड़ती है. खजूर खीर में प्राकृतिक मिठास देता है. इससे खीर का स्वाद भी बेहतर हो जाता है.

ऐसे तैयार करें मखाना खीर

कविता ने बताया कि सबसे पहले जरूरत के अनुसार मखाना लें. एक फ्राइंग पैन में थोड़ा घी डालें. अब इसमें मखाना डालकर अच्छी तरह रोस्ट करें. मखाने को तब तक भूनें, जब तक वह कुरकुरा न हो जाए. इसके बाद गैस बंद कर दें. अब रोस्ट किए हुए मखाने का करीब 70 से 80 प्रतिशत हिस्सा मिक्सर ग्राइंडर में डालें. इसे बारीक पीस लें. पिसा हुआ मखाना खीर को गाढ़ा करने में मदद करेगा. इससे खीर का स्वाद और बनावट भी बेहतर होगी. कुछ रोस्ट किए हुए मखाने अलग रख लें. इन्हें बाद में खीर में डाला जाएगा.

दूध में प्राकृतिक मिठास

इसके बाद एक बर्तन में दूध लें. इसे धीमी आंच पर गर्म करें. अब खजूर के बीज निकाल लें. इसके बाद खजूर को दूध में डाल दें. दूध और खजूर को धीमी आंच पर पकने दें. धीरे-धीरे खजूर दूध में घुलने लगेगा. इससे दूध में प्राकृतिक मिठास आ जाएगी. इससे खीर में अलग से चीनी डालने की जरूरत नहीं होगी. अब इसमें केसर डालें. कुछ देर तक दूध को धीमी आंच पर पकाएं. धीरे-धीरे दूध का रंग हल्का केसरिया होने लगेगा. साथ ही, इसमें केसर की खुशबू भी आने लगेगी.

गाढ़ा होने तक पकाएं

इसके बाद दूध में पिसा हुआ मखाना डालें. इसे अच्छी तरह मिलाएं. खीर को धीमी आंच पर लगातार पकाते रहें. मखाना दूध को धीरे-धीरे गाढ़ा करने लगेगा. इस दौरान खीर को बीच-बीच में चलाते रहें, ताकि यह बर्तन के तले में न लगे. जब खीर अच्छी तरह गाढ़ी होने लगे, तो इसमें कटे हुए बादाम और किशमिश डालें. इसे करीब एक से दो मिनट तक धीमी आंच पर पकाएं. इसके बाद पहले से बचाकर रखे गए रोस्ट किए हुए साबुत मखाने खीर में डालें. इन्हें डालने के बाद करीब एक मिनट तक और पकाएं।

मूंगफली छिलके सहित खाएं या बिना छिलके ? जानें पीनट खाने का कौन-सा तरीका ज्यादा फायदेमंद

मूंगफली सेहत के लिए बहुत फायदेमंद माना जाता है. लेकिन इसके लिए सही तरीके से सेवन बहुत जरूरी माना गया है. यदि आप बिना छिलके वाली मूंगफली खाते हैं तो ये लेख आपके लिए है. यहां जानिए छिलका सहित मूंगफली आपकी सेहत पर कैसे असर करता है ? इसे खाना चाहिए या नहीं.

मूंगफली को पोषण का खजाना माना जाता है और भारत में यह सबसे लोकप्रिय हेल्दी स्नैक्स में से एक है. इसमें प्रोटीन, फाइबर, हेल्दी फैट, विटामिन और कई जरूरी मिनरल्स भरपूर मात्रा में पाए जाते हैं, जो शरीर को ऊर्जा देने, मांसपेशियों की मरम्मत करने और पूरे स्वास्थ्य को बेहतर बनाए रखने में मदद करते हैं.

लेकिन जब इसके सेवन की बात आती है तो लोग इसे अलग-अलग तरीकों से खाना पसंद करते हैं. आमतौर पर लोग मूंगफली खाते समय उसके लाल-भूरे रंग के पतले छिलके को हटा देते हैं. ऐसे में ये जानना जरूरी है कि मूंगफली का सेवन छिलके सहित करना चाहिए या बिना छिलके. आइए जानते हैं इसके फायदे और कुछ जरूरी सावधानियां.

मूंगफली क्यों है सेहत के लिए फायदेमंद ?

मूंगफली में लगभग 25-26 प्रतिशत प्रोटीन, 48-50 प्रतिशत हेल्दी फैट और पर्याप्त मात्रा में फाइबर पाया जाता है. इसके अलावा इसमें विटामिन ई, फोलेट, नियासिन, मैग्नीशियम, पोटैशियम, फॉस्फोरस और जिंक जैसे पोषक तत्व भी मौजूद होते हैं. यही वजह है कि यह लंबे समय तक पेट भरा रखने और शरीर को ऊर्जा देने में मदद करती है.

छिलके सहित मूंगफली खाने के फायदे

मूंगफली का लाल-भूरा छिलका पॉलीफेनॉल, फ्लेवोनॉयड्स, रेस्वेराट्रॉल और टैनिन जैसे शक्तिशाली एंटीऑक्सीडेंट्स से भरपूर होता है. ये तत्व शरीर में फ्री रेडिकल्स के प्रभाव को कम करने में मदद करते हैं. ऐसे में जब मूंगफली को छिलके सहित खाया जाता है तो इससे हृदय स्वास्थ्य को बेहतर रहता है और ऑक्सीडेटिव तनाव कम होता है. इसके साथ ही छिलके में मौजूद फाइबर अच्छे बैक्टीरिया को बढ़ावा देता है और कब्ज जैसी समस्याओं से राहत दिलाने में मदद करता है. साथ ही ब्लड शुगर भी कंट्रोल करने में मदद मिलती है.

पीनट खाने का सही तरीका ?

अगर आपको स्वाद और पाचन संबंधी कोई परेशानी नहीं है, तो छिलके सहित मूंगफली खाना ज्यादा फायदेमंद माना जाता है. बेहतर स्वास्थ्य लाभ के लिए बिना ज्यादा नमक वाली या हल्की भुनी हुई मूंगफली चुनें. हालांकि, यदि छिलका आपके स्वाद या पाचन के अनुकूल नहीं है, तो बिना छिलके वाली मूंगफली भी पोषण का अच्छा स्रोत बनी रहती है।

क्या आप दोनों साथ रहते हुए भी अकेले हैं? रिश्ते में 'Roommate Phase' के ये संकेत पहचानें

एक ही घर में रहकर भी अगर बातचीत, प्यार, साथ का समय और भावनात्मक जुड़ाव लगातार कम हो रहा है, तो रिश्ता 'Roommate Phase' में हो सकता है. इन संकेतों को पहचानकर समय रहते संवाद और साथ के छोटे प्रयास शुरू किए जा सकते हैं.

कभी-कभी एक ही घर में रहने वाले दो लोग धीरे-धीरे इतने अलग हो जाते हैं कि रिश्ता पति-पत्नी या पार्टनर का कम और रूममेट्स का ज्यादा लगने लगता है. सुबह की भागदौड़, ऑफिस, घर के काम और फोन के बीच बातचीत सिर्फ 'खाना खा लिया ? ', 'बिल भर देना' या 'कल कितने बजे निकलोगे ?' तक सिमट जाती है. बाहर से सब सामान्य दिखता है, लेकिन भीतर कहीं साथ होने का एहसास कम होने लगता है. रिश्तों में इस स्थिति को अक्सर 'Roommate Phase' कहा जाता है.

यह जरूरी नहीं कि इसका मतलब रिश्ता खत्म होने की ओर है. कई बार लंबे समय तक साथ रहने, जिम्मेदारियों के बढ़ने या लगातार व्यस्त रहने से भावनात्मक दूरी चुपचाप बढ़ जाती है. अच्छी बात यह है कि इसे पहचान लिया जाए, तो रिश्ते में दोबारा अपनापन लाने की कोशिश की जा सकती है.

क्या होता है 'Roommate Phase' ?

रिश्ते में 'Roommate Phase' वह स्थिति है जब कपल एक साथ रहते हुए भी भावनात्मक रूप से एक-दूसरे से कटने लगते हैं. घर, खर्च, काम और जिम्मेदारियां साझा होती हैं, लेकिन बातचीत, प्यार और निजी समय कम हो जाता है।

रेस्टोरेंट में खाने के बाद दांत कुरेदना सही है? जानिए फाइन डाइनिंग के नियम

रेस्टॉरेंट में स्वादिष्ट खाने के साथ बेहतरीन तौर-तरीके को फॉलो करना भी जरूरी होता है. यहां सबके कंफर्ट लेवल का ध्यान रखने की कोशिश की जाती है. इसे ही डाइनिंग एटिकेट कहा जाता है, जिसे आप बड़े लग्जरी होटल में बहुत स्ट्रिक्ली फॉलो करते हुए लोगों को देख सकते हैं. ऐसे में यदि आप रेस्टॉरेंट में बैठकर सबके सामने दांत कुरेदने लगते हैं, तो यहां इसका सही तरीका जान लीजिए.

किसी अच्छे रेस्टोरेंट या फाइन डाइनिंग जगह पर खाना केवल स्वादिष्ट भोजन का आनंद लेने तक सीमित नहीं होता, बल्कि टेबल मैनर्स भी उतना ही जरूरी माना जाता है. इसमें रस्टॉरेंट में एंट्री करने से लेकर खाने के बाद हाथ क्लिन करने और यहां तक कि मुंह पोछने तक चीजे शामिल है. लेकिन कई लोग इन चीजों को लेकर बहुत लापरवाही बरते हैं. टूथपिक से दांत कुरेदना इसमें एक है. कई बार लोग खाना खाने के बाद दांतों में फंसे भोजन को निकालने के लिए टूथपिक का इस्तेमाल करने लगते हैं.

फाइन डाइनिंग एटिकेट एक्सपर्ट का मानना है कि पब्लिक प्लेस पर पर्सनल हाइजीन से जुड़े काम करते समय आसपास बैठे लोगों का ध्यान रखना जरूरी होता है. यही कारण है कि फाइन डाइनिंग के नियमों में दांत साफ करने के लिए भी कुछ खास शिष्टाचार बताए गए हैं.

क्या टेबल पर दांत कुरेदना सही है ?

फाइन डाइनिंग एटिकेट के अनुसार, भोजन के बाद टेबल पर बैठकर खुलेआम दांत कुरेदना उचित नहीं माना जाता. ऐसा करने से आसपास बैठे लोगों को असुविधा महसूस हो सकती है और यह आपकी सामाजिक छवि पर भी असर डाल सकता है. खासकर बिजनेस मीटिंग, औपचारिक डिनर या किसी विशेष आयोजन में इस तरह का व्यवहार अच्छा नहीं माना जाता.

अगर दांतों में खाना फंस जाए तो क्या करें ?

यदि खाने के बाद दांतों में कोई खाने का टुकड़ा फंस गया है और उसे निकालना बहुत जरूरी हो गया, तो सबसे अच्छा तरीका यह है कि आप टेबल छोड़कर वॉशरूम जाएं. वहां शीशे के सामने आराम से दांत साफ कर सकते हैं. इससे न केवल आपकी निजता बनी रहती है, बल्कि दूसरे लोगों को भी असहजता महसूस नहीं होती.

टूथपिक का इस्तेमाल कैसे करें ?

कई रेस्टोरेंट भोजन के बाद टूथपिक उपलब्ध कराते हैं, लेकिन इसका मतलब यह नहीं है कि आप उसे टेबल पर बैठकर इस्तेमाल करें. फाइन डाइनिंग के नियमों के अनुसार, टूथपिक का उपयोग वॉशरूम या निजी स्थान पर करना अधिक उचित माना जाता है. इसके अलावा आप नैपकिन की मदद भी ले सकते हैं. इसके लिए नैपकिन को हाफ फोल्ड करके मुंह के सामने करें और फिर टूथपिक का इस्तेमाल करें।

बेडशीट पर गिर गई है गर्म चाय? इन 5 आसान घरेलू नुस्खों से चुटकियों में गायब होंगे जिद्दी दाग, फैब्रिक रहेगा बिल्कुल नया

चादर पर चाय गिर जाए, तो घबराकर तुरंत रगड़ना शुरू न करें. सबसे पहले चादर को बिस्तर से हटा लें और दाग वाले हिस्से के नीचे एक साफ कपड़ा रखें. अब ऊपर से दूसरे सूखे कपड़े की मदद से चाय को हल्के हाथों से दबाकर सोखें. ध्यान रखें कि कपड़े को रगड़ना नहीं है, वरना चाय फैल सकती है. जितनी जल्दी अतिरिक्त चाय सोख ली जाएगी, उतना ही दाग गहरा होने से बच सकता है.

अगर चाय गिरने के बाद दाग वाली जगह अभी गीली है, तो टैल्कम पाउडर काम आ सकता है. पहले कपड़े से अतिरिक्त चाय सोख लें. इसके बाद दाग वाली जगह पर टैल्कम पाउडर की अच्छी परत डाल दें. इसे कुछ देर लगा रहने दें ताकि पाउडर नमी सोख सके और जब पाउडर सूख जाए, तो उसे झाड़कर चादर को सामान्य तरीके से धो लें. यह तरीका खासकर ताजे दाग पर आजमाया जा सकता है.

चाय का दाग थोड़ा जिद्दी नजर आ रहा है, तो घर में रखा डिशवॉश लिक्विड आजमा सकते हैं. इसके लिए थोड़ी मात्रा में डिशवॉश लिक्विड पानी में मिलाएं और घोल को दाग वाली जगह पर लगाएं. यह घोल करीब 5 से 10 मिनट तक इसे लगा रहने दें. इसके बाद मुलायम कपड़े या हाथ से हल्के से रगड़ कर साफ करें और पानी से धो लें. चादर धोने से पहले उसके छोटे हिस्से पर इसे जरूर जांच लें। सफेद सिरका भी कपड़ों की सफाई में इस्तेमाल किया जाता है. आप चाय का दाग हटाने के लिए एक हिस्सा सफेद सिरका और दो हिस्से पानी मिलाकर घोल तैयार करें. अब इसे दाग वाली जगह पर थोड़ी मात्रा में लगाएं और कुछ मिनट के लिए छोड़ दें. इसके बाद साफ पानी से उस हिस्से को अच्छी तरह धो लें. रंगीन या नाजुक चादर पर इस्तेमाल करने से पहले किसी छिपे हुए हिस्से पर इसका असर जरूर देख लें.

अगर घर में बेकिंग सोडा है, तो चाय के दाग पर इसका पेस्ट भी बनाकर लगाया जा सकता है. इसके लिए बेकिंग सोडा में थोड़ा पानी मिलाकर गाढ़ा पेस्ट तैयार करें. इसे दाग वाली जगह पर हल्के हाथ से लगाएं और कुछ मिनट के लिए छोड़ दें. इसके बाद बिना जोर लगाए धीरे-धीरे साफ करें और पानी से धो लें. बहुत ज्यादा रगड़ने से कपड़े के रेशे खराब हो सकते हैं, इसलिए सफाई हमेशा हल्के हाथों से करें.

अगर चाय का दाग तुरंत साफ नहीं किया गया और वह पुराना हो गया है, तो उसे हटाने में थोड़ा ज्यादा समय लग सकता है।

घूमने का बना रहे हैं प्लान? वंदे भारत के इन 6 Scenic Routes पर जरूर करें सफर, यादगार होगा सफर!

अगर आपको ट्रेन से सफ़र करना पसंद है, तो रास्ते में दिखने वाले खूबसूरत नज़ारे सफ़र का मज़ा दोगुना कर देते हैं. देश में वंदे भारत एक्सप्रेस के कई ऐसे रूट हैं जो न सिर्फ़ तेज़ और आरामदायक सफ़र का अनुभव देते हैं, बल्कि पहाड़ों, समुद्र, हरियाली और ग्रामीण इलाकों के मनमोहक नज़ारे भी दिखाते हैं. अगर आप अपनी अगली यात्रा के लिए ट्रेन से सफ़र करने की योजना बना रहे हैं, तो आप इन 6 रूटों को अपनी सूची में शामिल कर सकते हैं.

1. मुंबई-गोवा वंदे भारत: मुंबई से गोवा का सफ़र बहुत शानदार होता है, खासकर मानसून और सर्दियों के मौसम में. रास्ते में आप हरियाली, नदियां, पहाड़ और कोंकण इलाके के खूबसूरत नज़ारे देख सकते हैं. जब ट्रेन समुद्र तट के पास पहुंचती है, तो यह अनुभव और भी खास हो जाता है.

2. देहरादून-दिल्ली वंदे भारत : दिल्ली से देहरादून का सफ़र उन लोगों के लिए बहुत अच्छा है जिन्हें पहाड़ों की खूबसूरती पसंद है. जैसे-जैसे ट्रेन उत्तराखंड की ओर बढ़ती है, आसपास की हरियाली और पहाड़ी इलाके दिखाई देने लगते हैं. देहरादून पहुंचने के बाद, आप मसूरी, ऋषिकेश या आस-पास की दूसरी टूरिस्ट जगहों पर जाने का प्लान भी बना सकते हैं.

3. बेंगलुरु-चेन्नई वंदे भारत: दक्षिण भारत के इस रूट पर सफ़र करने से शहर और हरियाली से भरे ग्रामीण इलाकों, दोनों के नज़ारे देखने को मिलते हैं. चूंकि बेंगलुरु और चेन्नई दोनों ही मशहूर टूरिस्ट हब हैं, इसलिए यह रूट वीकेंड पर घूमने-फिरने के लिए भी बहुत अच्छा है.

4. मुंबई-अहमदाबाद वंदे भारत: मुंबई से अहमदाबाद का सफ़र पश्चिमी भारत के अलग-अलग तरह के इलाकों से होकर गुज़रता है. रास्ते में शहरों के अलावा खेत और ग्रामीण इलाके भी दिखाई देते हैं. गुजरात पहुंचने पर आप अहमदाबाद की विरासत, खाने-पीने की चीज़ों और आस-पास की टूरिस्ट जगहों का मज़ा ले सकते हैं.

5. दिल्ली-वाराणसी वंदे भारत: दिल्ली-वाराणसी रूट उन यात्रियों के लिए बहुत अच्छा है जो आध्यात्मिक और सांस्कृतिक यात्रा करना चाहते हैं. इस सफ़र में उत्तर भारत के मैदानी इलाकों के नज़ारे देखने को मिलते हैं. वाराणसी पहुंचने के बाद, आप गंगा घाट, काशी विश्वनाथ मंदिर और शहर की ऐतिहासिक तंग गलियों को देख सकते हैं

6. नई दिल्ली-श्री माता वैष्णो देवी कटरा वंदे भारत: अगर आप पहाड़ों के नज़ारों और आध्यात्मिक यात्रा, दोनों का मज़ा लेना चाहते हैं, तो यह रूट एक अच्छा विकल्प है।

जब ट्रेन दिल्ली से कटरा जाती है, तो आप जम्मू इलाके के बदलते नज़ारे देख सकते हैं. कटरा पहुंचने के बाद, आप माता वैष्णो देवी मंदिर की यात्रा कर सकते हैं.

वंदे भारत के रूट और समय में समय-समय पर बदलाव हो सकते हैं. टिकट बुक करने से पहले, इंडियन रेलवे की आधिकारिक जानकारी से ट्रेन का मौजूदा रूट, तय स्टॉप और उपलब्धता ज़रूर देख लें. अगर आप खूबसूरत नज़ारों का मज़ा लेना चाहते हैं, तो दिन में सफ़र करना बेहतर हो सकता है।

जन्मदिन पर तेजा सज्जा को मिला खास तोहफा

'जॉम्बी रेड्डी नेक्स्ट लेवल' में पहले से बड़ा होगा जॉम्बी का खौफ

रियल स्टार उपेन्द्र भी आएंगे नजर

मुंबई। अभिनेता तेजा सज्जा जल्द ही फिल्म 'जॉम्बी रेड्डी नेक्स्ट लेवल' में नजर आने वाले हैं। यह फिल्म उनकी चर्चित फिल्म 'जॉम्बी रेड्डी' का सीक्वल हैं। निर्माताओं ने रविवार को अभिनेता के जन्मदिन के मौके पर इस फिल्म की चोषणा की। फिल्म को पहले से कहीं बड़े स्तर पर तैयार किया जा रहा है। इसमें ज्यादा बड़ा एक्शन, जॉम्बी का ज्यादा खौफ और मनोरंजन का नया अंदाज देखने को मिलेगा।

फिल्म को लेकर बात करते हुए तेजा सज्जा ने कहा, ''मेरे लिए इस पूरे सफर की सबसे खास बात यह रही कि मुझे नए एक्सपेरिमेंट करने और रिस्क लेने की आजादी मिली। 'जॉम्बी रेड्डी' मेरे लिए ऐसा ही एक बड़ा कदम था। फिल्म को दर्शकों ने जिस तरह अपनाया और मेरे किरदार को पसंद किया, उससे मुझे इस दुनिया को और बड़े स्तर पर आगे ले जाने का भरोसा मिला।''

अभिनेता ने कहा, ''इस बार फिल्म का स्तर पहले से काफी बड़ा है। फिल्म में एक्शन को ज्यादा भव्य बनाया गया है और जॉम्बी की दुनिया को भी पहले से ज्यादा बड़े पैमाने पर तैयार किया गया है। इस बार टीम ने काफी महत्वाकांक्षी दुनिया बनाई है। मैं यह देखने के लिए उत्साहित हूं कि दर्शक इस नए अनुभव पर कैसी प्रतिक्रिया देते हैं।''

उन्होंने अपने जन्मदिन का जिक्र करते हुए कहा, ''इस साल का इससे बेहतर तोहफा नहीं हो सकता कि मुझे उस फिल्मी दुनिया में वापस लौटने का मौका मिला, जो मेरे लिए बेहद खास है। फिल्म की टीम ने इस बार दांव और बड़ा किया है और एक शानदार टीम को साथ लेकर ऐसा मनोरंजन तैयार करने की कोशिश की है, जिसे दर्शक लंबे समय तक याद रखें। मैं जॉम्बी की इस दुनिया में वापस जाने और अगले पार्ट को यादगार बनाने के लिए उत्साहित हूं।''

बता दें कि 'जॉम्बी रेड्डी नेक्स्ट लेवल' को एक जॉम्बी आधारित एक्शन-कॉमेडी फिल्म के रूप में तैयार किया गया है। फिल्म में रियल स्टार उपेंद्र भी नजर आएंगे। वहीं अभिनेत्री शनाया कपूर इस फिल्म के जरिए दक्षिण भारतीय सिनेमा में अपनी शुरुआत कर रही हैं।

फिल्म का निर्देशन सुपर्ण एस. वर्मा कर रहे हैं। वह 'द फैमिली मैन 2', 'राणा नायडू' और 'हक' जैसे प्रोजेक्ट्स के लिए जाने जाते हैं।

इस बड़े स्तर की फिल्म का निर्माण टीजी विश्व प्रसाद और कृति प्रसाद कर रहे हैं। फिल्म की पटकथा हुसैन दलाल, प्रशांत वर्मा और सुपर्ण एस. वर्मा ने मिलकर लिखी है। फिल्म को दुनियाभर में हिंदी, तेलुगु, कन्नड़, तमिल, नेपाली, जापानी और मलयालम भाषाओं में रिलीज किया जाएगा।

राशि खन्ना ने इंडस्ट्री में अपने 13 साल के सफर पर कहा- काम करना हमेशा एक सौभाग्य जैसा लगा

विश्व केसरी ■

मुंबई । अभिनेत्री राशि खन्ना, जिन्हें हाल ही में फिल्म '120 बहादुर' में विशेष भूमिका में देखा गया था, ने भारतीय फिल्म उद्योग में अपने 13 साल पूरे कर लिए हैं। अभिनेत्री ने कहा कि 'मद्रास कैफे' से अपने करियर की शुरुआत के बाद से उन्हें ऐसा लगता है कि समय पंख लगाकर उड़ गया क्योंकि उन्होंने हमेशा अपने काम को एक विशेषाधिकार के रूप में देखा है।

यह फिल्म 2013 में रिलीज हुई थी और इसी ने राशि खन्ना के लिए चार अलग-अलग फिल्म उद्योगों में काम करने का रास्ता खोला। इसके बाद वह देश की चर्चित फिल्मों और परियोजनाओं का हिस्सा बनीं।

अपने सफर को याद करते हुए राशि ने कहा, 'तेरह साल एक लंबा समय होता है लेकिन यह बहुत तेजी से बीत गया क्योंकि काम करना कभी विशेषाधिकार लगना बंद नहीं हुआ। 'मद्रास कैफे' को याद करने पर मुझे एहसास होता है कि मैंने शुरुआत क्यों की थी। इस फिल्म ने मुझे ऐसी कहानियां कहने का अवसर दिया जो मेरे लिए मायने रखती हैं, और मैं उन सभी सहयोगियों की आभारी हूं जिन्होंने इस सफर में मेरा साथ दिया।'

अपने डेब्यू के बाद से राशि ने हिंदी, तमिल, तेलुगु और मलयालम सिनेमा में काम करते हुए एक मजबूत पहचान बनाई है। उनकी पीढ़ी के चुनिंदा कलाकारों में से वह एक हैं, जिन्होंने चारों फिल्म उद्योगों में अपनी मौजूदगी कायम रखी है। यह विविधता संयोग नहीं बल्कि उनके सोच-समझकर लिए गए फैसलों का परिणाम है, जिसने उन्हें एक उभरती हुई अभिनेत्री से पैन-इंडिया स्टार तक पहुंचाया।

वर्तमान में अभिनेत्री राज और डीके की लोकप्रिय वेब सीरीज 'फर्जी' के दूसरे सीजन की शूटिंग कर रही हैं। इसमें वह एक बार फिर आरबीआई अधिकारी मेघा व्यास की भूमिका में नजर आएंगी। इस सीरीज में उनके साथ शाहिद कपूर और विजय सेतुपति भी दिखाई देंगे। राज और डीके द्वारा निर्मित और निर्देशित यह क्राइम थ्रिलर एक ऐसे कलाकार की कहानी है, जो आर्थिक परेशानियों से निकलने के लिए नकली नोट बनाने के रास्ते पर चल पड़ता है।

राशि खन्ना जल्द ही तमिल एक्शन थ्रिलर 'धर्मन' में सुपरस्टार रजनीकांत के साथ नजर आएंगी। इसके अलावा वह निर्देशक अनीस बज्मी की अगली कॉमेडी-ड्रामा फिल्म में अभिनेता अक्षय कुमार के साथ भी दिखाई देंगी।

गुजराती फिल्म के लिए अकांक्षा पुरी ने सीखी गुजराती, बोलीं- 'सिर्फ डायलॉग बोलना नहीं, उसकी संस्कृति समझना भी जरूरी'

मुंबई। अभिनेत्री अकांक्षा पुरी जल्द ही गुजराती फिल्म में खास भूमिका निभाती हुई नजर आने वाली हैं। इस भूमिका के लिए उन्होंने गुजराती भाषा सीखने के साथ-साथ वहां की संस्कृति और बोलने के अंदाज को समझने की कोशिश की है। आकांक्षा का कहना है कि जब कोई कलाकार किसी नई भाषा और संस्कृति का हिस्सा बनता है, तो उसे उस माहौल को सही तरीके से समझना चाहिए, तभी पर्दे पर उसका काम स्वाभाविक लगेगा। मीडिया से बातचीत में अकांक्षा ने बताया कि वह अपनी खास भूमिका में गुजराती रंग को सही तरीके से दिखाना चाहती थीं। इसलिए उन्होंने खुद भाषा और वहां के बोलने के तरीके को समझने की कोशिश की।

अकांक्षा ने कहा, ''मैं गुजराती रंग को सही तरीके से दिखाना चाहती थी और सिर्फ वही नहीं करना चाहती थी, जो मुझे बताया गया था। मुझे लगता है कि जब आप किसी नई भाषा और संस्कृति में कदम रखते हैं तो उसे ठीक से समझने की कोशिश करनी चाहिए।''

अभिनेत्री ने कहा, ''मैंने भूमिका की तैयारी के दौरान गुजराती भाषा के उच्चारण और बोलने के अंदाज पर खास ध्यान दिया। मैंने शब्दों को सही तरीके से बोलने के साथ-साथ चेहरे के एक्सप्रेशन और बोलने के तरीके को भी समझने की कोशिश की। सच कहूं तो यह पूरा अनुभव काफी मजेदार रहा। मैं चाहती थी कि पर्दे पर मेरा रूप और मेरा किरदार वहां के माहौल का स्वाभाविक हिस्सा लगे।''

आगामी गुजराती फिल्म में अकांक्षा की खास मौजूदगी को लेकर फिलहाल ज्यादा जानकारी सामने नहीं आई है। फिल्म में उनका किरदार क्या होगा और कहानी में उनकी भूमिका कितनी बड़ी होगी, इसे फिलहाल सीक्रेट रखा गया है।

बोनी कपूर ने बेटी जाह्नवी कपूर के साथ अपने सिग्नेचर लुक्स के 'पिछले कुछ हफ्तों' की झलक साझा की

विश्व केसरी ■

मुंबई। फिल्म निर्माता बोनी कपूर ने अपनी बेटी और अभिनेत्री जाह्नवी कपूर के साथ अपने सिग्नेचर लुक्स की झलक साझा की।

फिल्म निर्माता बोनी कपूर ने अपनी बेटी और अभिनेत्री जाह्नवी कपूर के साथ अपने सिग्नेचर लुक्स की झलक साझा की।

उन्होंने इंस्टाग्राम पर जाह्नवी कपूर के साथ पोज देते हुए तस्वीरों की एक श्रृंखला साझा की और कैप्शन में लिखा, 'फॉर्मल्स, कैजुअल्स और अचकन के ट्विस्ट वाले सेल्फ-स्टाइल्ड पायजामा-कुर्तों में बिताए पिछले कुछ हफ्ते।'

तस्वीरों में बोनी और जाह्नवी साथ में पोज देते नजर आ रहे हैं, जो उनके सहज और स्टाइलिश पलों की झलक दिखाती हैं। इन तस्वीरों के साथ बोनी कपूर ने अपने हालिया फैशन विकल्पों पर एक मजेदार टिप्पणी भी साझा की। यह पोस्ट पिता-पुत्री की गर्मजोशी और आत्मीयता भरे रिश्ते को दर्शाती है।

पहली तस्वीर में बोनी कपूर अपनी बेटी के साथ पोज देते हुए खुशी से मुस्कुराते नजर आए। दूसरी तस्वीर में फिल्म निर्माता नीले रंग के कोट और काली पैंट में दिखाई दिए, जबकि 'धड़क' अभिनेत्री फ्लोरल आउटफिट में बेहद स्टाइलिश लग रही थीं। तीसरी तस्वीर में बोनी कपूर ऑल-ब्लैक सूट में आकर्षक अंदाज में नजर आए। अन्य तस्वीरों में निर्देशक को कैजुअल परिधानों में देखा जा सकता है।

पोस्ट पर प्रतिक्रिया देते हुए ओरी (ओरहान अवात्रामणि) ने लिखा, 'यह हैंडसम आदमी कौन है?'

जाह्नवी कपूर फिल्म निर्माता बोनी कपूर और दिवंगत दिग्गज अभिनेत्री श्रीदेवी की बड़ी बेटी हैं। उनकी छोटी बहन खुशी कपूर भी अभिनेत्री हैं।

इससे पहले फादर्स डे के अवसर पर 'मिली' अभिनेत्री ने अपने पिता बोनी कपूर के लिए एक भावुक संदेश साझा किया था। उन्होंने बचपन की एक तस्वीर पोस्ट की थी, जिसमें वह अपने पिता की गोद में बैठी नजर आ रही थीं।

जाह्नवी ने लिखा था, 'फादर्स डे की शुभकामनाएं उस सबसे बेहतरीन इंसान को जिसे मैं जानती हूं। सबसे अच्छा दिल, सबसे अच्छी सोच, सबसे प्यार करने वाले, सबसे ज्यादा ख्याल रखने वाले, सबसे मजेदार और सबसे कूल, मेरे सबसे अच्छे दोस्त, जो हर किसी के लिए सब कुछ करते हैं और बदले में कुछ भी उम्मीद नहीं रखते। आप मेरा सहारा हैं।

बड़ी फिल्मों से आखिरी वक्त पर हटाया गया, लेकिन हार नहीं मानी: अखिल सचदेवा

विश्व केसरी ■

मुंबई। संगीतकार और गायक अखिल सचदेवा ने खुलासा किया है कि पिछले साल उन्हें 3-4 बड़ी फिल्मों से आखिरी समय में बाहर कर दिया गया था, जबकि वह उन फिल्मों के लिए गाने भी तैयार कर चुके थे। उन्होंने कहा कि वह किसी का नाम नहीं लेना चाहते, लेकिन अब उनका पूरा ध्यान सिर्फ संगीत पर है।

इमरान हाशमी अभिनीत हाल ही में रिलीज हुई फिल्म 'आवारापन 2' के गीत 'पिया घर आया-होमकमिंग' के संगीतकार अखिल सचदेवा ने आईएएनएस से बातचीत में अपने करियर और निजी जीवन पर खुलकर बात की।

अखिल ने कहा, 'मैं किसी चीज को बैलेंस करने की कोशिश नहीं करता, क्योंकि जिंदगी में सब कुछ बैलेंस नहीं किया जा सकता। शायद यही वजह है कि मैंने कभी मुंबई शिफ्ट नहीं किया। मैं दिल्ली में अपने

होम स्टूडियो में संगीत बनाता हूं, चुपचाप काम करता हूं और वापस लौट जाता हूं। मुझे भीड़ और रैट रेस का हिस्सा नहीं बनना है।'

उन्होंने आगे कहा, 'भगवान ने मेरी जिंदगी में जो लिखा है, वही होगा। अगर उन्होंने गलतियां लिखी हैं तो मैं गलतियां भी करूंगा और उनसे सीखूंगा। मैं किसी भी तरह का समझौता नहीं करता। जब भी मेरा कोई गाना रिलीज होता है, लोग उसकी बात करते हैं, उसे नजरअंदाज नहीं करते।'

अपने संघर्ष का जिक्र करते हुए अखिल ने कहा, 'पिछले साल मुझे 3-4 बड़ी फिल्मों से आखिरी वक्त पर हटा दिया गया। मैंने उन फिल्मों के लिए गाने भी दिए थे। मैं यह नहीं कहूंगा कि लोग गलत थे, बस उस समय मेरा वक्त मेरे पक्ष में नहीं था। फिर मेरी बेटी का जन्म हुआ और उसके बाद मेरी जिंदगी में बहुत कुछ बेहतर हो गया।'

अखिल ने कहा कि इन अनुभवों से उन्होंने बहुत कुछ सीखा है और अब उनका लक्ष्य सिर्फ अच्छा संगीत बनाना और हमेशा श्रोताओं के दिलों से जुड़े रहना है। उन्होंने कहा, 'मेरे लिए यह आज या कल की बात नहीं है। मैं पहले भी था, आज भी हूं और आगे भी रहूंगा। यही मेरा विश्वास है और इसी सोच के साथ मैं संगीत बनाता हूं।

ऐसा किरदार पहले कभी नहीं निभाया, वर्टिकल फॉर्मेट में काम करना भी रहा चुनौतीपूर्ण : विशाल आदित्य सिंह

विश्व केसरी ■

मुंबई। टेलीविजन की दुनिया तेजी से बदल रही है। पहले दर्शक अपनी पसंदीदा कहानियों के लिए टीवी स्क्रीन का इंतजार करते थे, लेकिन अब मोबाइल फोन भी मनोरंजन का बड़ा जरिया बन चुका है। इसी बदलाव के बीच कहानियां भी नए अंदाज में पेश की जा रही हैं। वर्टिकल फॉर्मेट में बनने वाले शोज अब दर्शकों तक सीधे मोबाइल स्क्रीन के जरिए पहुंच रहे हैं।

अभिनेता विशाल आदित्य सिंह भी इसी नए तरीके की कहानी का हिस्सा बने हैं। वह इन दिनों अपने नए शो 'दिल से दीवानगी तक' को लेकर चर्चा में हैं। इसमें वह एक ऐसा किरदार निभा रहे हैं, जो उनके अब तक के निभाए किरदारों से काफी अलग है।

मीडिया से खास बातचीत में विशाल आदित्य सिंह ने कहा, 'दिल से दीवानगी तक से जुड़ने के पीछे मेरे लिए सबसे बड़ी वजह इसका वर्टिकल फॉर्मेट था। मेरा यह वर्टिकल का पहला डेली सोप है और मैं यह देखना चाहता था कि मोबाइल स्क्रीन के लिए बनाई जा रही कहानी किस तरह अलग होती है। फोन आने वाले समय में भी हमारी जिंदगी का बहुत अहम हिस्सा बना रहेगा। ऐसे में मेरे लिए यह समझना जरूरी है कि इस माध्यम के लिए किस तरह की कहानियां बनाई जा रही हैं और उन्हें किस तरह दर्शकों के सामने पेश किया जाता है।'

विशाल ने कहा, ''जब मेरी शो को लेकर मीटिंग हुई और मैंने इसकी कहानी और काम करने का तरीका देखा, तो मुझे इसमें टीवी शो वाली कई अच्छी बातें नजर आईं। मुझे शो की कास्टिंग, कहानी और उसे पेश करने का तरीका पसंद आया। मुझे लगा कि भले ही यह वर्टिकल फॉर्मेट में बनाया जा रहा है, लेकिन इसमें टीवी शो जैसे इमोशन्स और कहानी की पकड़ मौजूद है। इन सभी बातों को ध्यान में रखते हुए मैंने इस प्रोजेक्ट का हिस्सा बनने का फैसला किया।''

विशाल ने आगे कहा, ''मैं इस शो में एक ऐसा किरदार निभा रहा हूं, जो मेरे अब तक के काम से पूरी तरह अलग है। मैंने इससे पहले कभी ऐसा रोल नहीं किया है। यही वजह है कि मैं इस भूमिका को लेकर उत्साहित भी हूं और इसे अपने लिए चुनौती भी मानता हूं।''

विशाल ने कहा, ''शो की कहानी में मेरे किरदार की एंट्री एक बड़े बदलाव के बाद होती है। पिछले सीजन में एक दूसरा लड़का कहानी का हिस्सा था। इसके बाद प्लास्टिक सर्जरी के जरिए कहानी में एक नया मोड़ आता है। मेरा किरदार देखने में नया है, लेकिन उसका संबंध पिछले सीजन की कहानी से ही है।''

उन्होंने कहा, ''किसी दूसरे कलाकार द्वारा निभाए गए किरदार से जुड़ी कहानी को आगे बढ़ाना और उसे अपने अंदाज में निभाना आसान नहीं है। मुझे एक तरफ नए किरदार की पहचान बनानी है और दूसरी तरफ उस किरदार के पुराने सफर को भी ध्यान में रखना है। मैंने पहले कभी किसी दूसरे कलाकार के किरदार को इस तरह आगे नहीं निभाया, इसलिए यह अनुभव मेरे लिए बिल्कुल नया है।''

विशाल आदित्य सिंह ने कहा, ''मुझे हमेशा ऐसे किरदार पसंद आते हैं, जिनमें मुझे खुद को एक कलाकार के तौर पर चुनौती देने का मौका मिले। मैं आसान और एक जैसे किरदारों को बार-बार निभाने के बजाय कुछ नया करना चाहता हूं। मेरे लिए अभिनय का मजा तभी है, जब कोई भूमिका मुझे अपनी सीमाओं से आगे जाने के लिए मजबूर करे। इसी सोच के चलते मैंने 'दिल से दीवानगी तक' को चुना।''

'दिल से दीवानगी तक' में विशाल आदित्य सिंह के साथ युक्ति कपूर, पीयूष सहदेव और आकांक्षा पुरी भी अहम भूमिकाओं में नजर आ रहे हैं। शो का प्रीमियर 21 अप्रैल 2026 को ऑलराइट! टीवी पर हुआ।

भारत-अमेरिका के बीच प्रस्तावित ट्रेड डील करीब पूरी हुई कानूनी और तकनीकी भाषा पर काम जारी : सर्जियो गोर

विश्व केसरी

नई दिल्ली। भारत-अमेरिका के बीच प्रस्तावित ट्रेड डील सैद्धांतिक रूप से करीब पूरी हो गई है और अब दोनों पक्ष कानूनी और तकनीकी भाषा पर कार्य कर रहे हैं। यह जानकारी भारत में अमेरिकी राजदूत सर्जियो गोर ने दी।

राष्ट्रीय राजधानी में एक कार्यक्रम में गोर ने कहा कि समझौते की मुख्य बातें तय हो गई थीं और बाकी काम में टेक्स्ट के कुछ हिस्सों को फिर से व्यवस्थित और अंतिम रूप देना शामिल था।

गोर ने कहा, 'सिद्धांत रूप में, ट्रेड डील का लगभग सारा काम पूरा हो चुका है।' उन्होंने समझौते को अंतिम रूप देने में हुई देरी का मुख्य कारण कानूनी और तकनीकी भाषा से जुड़ी प्रक्रियाओं को बताया। अमेरिकी राजदूत ने अमेरिकी कांग्रेस में प्रस्तावित उस कानून को लेकर जताई जा रही चिंताओं पर भी बात की, जिसके तहत रूसी तेल खरीदने वाले देशों पर 100 प्रतिशत तक

टैरिफ लगाया जा सकता है। उन्होंने कहा कि इस कदम को राजनीतिक दलों के दोनों पक्षों के नेताओं का समर्थन मिल रहा है और इस बात पर जोर दिया कि यह व्हाइट हाउस की तरफ से शुरू की गई पहल नहीं है। गोर ने कहा, 'यह ऐसी चीज नहीं है जिसका व्हाइट हाउस ने समर्थन किया हो। आपको राष्ट्रपति ट्रंप का इसे आगे बढ़ाते हुए कोई क्लिप नहीं मिलेगा।' यह मानते हुए कि इस कदम का भारत पर असर पड़ सकता है, उन्होंने कहा कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप रूस-यूक्रेन संघर्ष को खत्म करने पर ध्यान केंद्रित किए हुए हैं। गोर ने कहा, 'राष्ट्रपति पहले दिन से ही रूस और यूक्रेन के बीच इस युद्ध को खत्म करना चाहते हैं और वे इसके लिए प्रतिबद्ध हैं।' उन्होंने इस संघर्ष को खत्म करने को 'बेहद जरूरी' बताया। गोर ने ट्रंप और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के बीच करीबी रिश्तों पर भी जोर दिया और उनके संबंधों को 'गहरी और व्यक्तिगत दोस्ती' बताया। उन्होंने कहा कि दोनों नेता काम करने में विश्वास रखने वाले और नतीजों पर ध्यान देने वाले हैं, और वे आपसी हित के मुद्दों पर तेजी से आगे बढ़ना चाहते हैं। उन्होंने कहा, 'वे दोनों ही आगे की सोचने वाले हैं, तेजी से काम करना चाहते हैं और नतीजों पर ध्यान देते हैं।

लिस्बन पहुंचा आईएनएस सुदर्शिनी दुनिया को दे रहा है दोस्ती का संदेश

विश्व केसरी

नई दिल्ली। भारतीय नौसेना का पाल प्रशिक्षण पोत आईएनएस सुदर्शिनी पुर्तगाल की राजधानी लिस्बन पहुंचा है। अपनी लंबी समुद्री यात्रा 'लोकायन 2026' के तहत तीन मस्तूलों वाला यह शानदार नौसैनिक पोत टैगस नदी से होते हुए लिस्बन पहुंचा। इस दौरान पारंपरिक नौकायन तथा समुद्री कौशल का प्रभावशाली प्रदर्शन किया।

नौसेना के मुताबिक लिस्बन, आईएनएस सुदर्शिनी की 7 महीने लंबी समुद्री यात्रा का 15वां बंदरगाह पड़ाव है। इतने लंबे समुद्री अभियान के दौरान यह पोत विभिन्न देशों के बंदरगाहों तक पहुंचकर भारत की समुद्री परंपरा, नौकायन कौशल और मित्रता का संदेश पहुंचा रहा है। तीन मस्तूलों और पारंपरिक पालों से सुसज्जित आईएनएस सुदर्शिनी को देखकर समुद्री यात्रा की पुरानी परंपराओं की झलक भी मिलती है।

आधुनिक नौसैनिक तकनीक के दौर में यह पोत प्रशिक्षु नौसैनिकों को समुद्र की परिस्थितियों को समझने, पारंपरिक नौकायन कौशल सीखने और चुनौतीपूर्ण समुद्री वातावरण में काम करने का व्यावहारिक अनुभव देता है। आईएनएस सुदर्शिनी की यह लिस्बन यात्रा काफी महत्वपूर्ण है। यह भारत और पुर्तगाल के बीच लंबे समय से चले आ रहे समुद्री संबंधों को और मजबूत करने की दिशा में अहम कदम मानी जा रही है। इस यात्रा के दौरान पोत पर तैनात नौसैनिक अधिकारी, चालक दल और प्रशिक्षु ले रहे कैडेट यहां पुर्तगाली नौसेना के वरिष्ठ अधिकारियों, स्थानीय प्रशासन तथा वहां रह रहे भारतीय समुदाय के साथ विभिन्न कार्यक्रमों में हिस्सा लेंगे। पुर्तगाल की इस यात्रा में पेशेवर अनुभवों का आदान-प्रदान किया जाएगा।

संक्षिप्त खबर

जापान में देर रात 5.9 तीव्रता का जोरदार भूकंप इबाराकी रहा केंद्र, सुनामी का खतरा नहीं

विश्व केसरी

नई दिल्ली। जापान में रविवार रात करीब दो बजे भूकंप के झटके महसूस किए गए। जापान मौसम विभाग और स्थानीय अधिकारियों की जानकारी के अनुसार, भूकंप की तीव्रता 5.9 मापी गई। भूकंप के झटकों से टोक्यो के आसपास के कई इलाकों में लोग घायल हुए और परिवहन सेवाएं प्रभावित हुईं।

जापान की प्रमुख समाचार एजेंसी क्योडो न्यूज की रिपोर्ट के अनुसार, जापान मौसम विज्ञान एजेंसी ने बताया कि भूकंप रात दो बजे आया। इसका केंद्र इबाराकी प्रांत के दक्षिणी हिस्से में था और इसकी गहराई लगभग 68 किलोमीटर थी। इस भूकंप के बाद सुनामी की कोई चेतावनी जारी नहीं की गई। जापान की प्रधानमंत्री सनाए ताकाइची ने भी सोशल मीडिया पर भूकंप की जानकारी साझा की। ताकाइची ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पोस्ट में लिखा, 'रविवार रात करीब 2 बजे इबाराकी प्रांत के दक्षिणी हिस्से में केंद्रित एक भूकंप आया। इसके कारण टोक्यो के 23 वार्डों, इबाराकी, सैतामा और चिबा प्रांतों में जापानी पैमाने पर अधिकतम 5-स्तर तक के तेज झटके महसूस किए गए। इस भूकंप के बाद सुनामी का कोई खतरा नहीं है।'

अमेरिका ने इजरायल के लिए खाड़ी देशों की सुरक्षा दांव पर लगाई : बाकर कालीबाफ

विश्व केसरी

तेहरान। ईरान की संसद के अध्यक्ष मोहम्मद बाकर कालीबाफ ने कहा है कि ईरान को पड़ोसी देशों से क्षेत्र में नई सुरक्षा व्यवस्थाओं और आर्थिक सहयोग को लेकर कई संदेश मिले हैं।

शनिवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पोस्ट में कालीबाफ ने लिखा, 'अमेरिका ने इजरायल के हितों के लिए दबाव बनाने और अपने सहयोगी देशों के हितों की पूरी तरह अनदेखी करके उनके सुरक्षा हितों को खतरे में डाल दिया है।' उन्होंने कहा, 'वास्तविक शांति और सुरक्षा तभी आ सकती है जब क्षेत्र के देश अपनी खुद की स्वतंत्र और स्थानीय परिस्थितियों के अनुसार सुरक्षा व्यवस्था विकसित करें।' समाचार एजेंसी सिन्हुआ के अनुसार, 28 फरवरी को अमेरिका और इजरायल ने मिलकर ईरान पर हवाई हमले किए थे। इसके जवाब में तेहरान ने इजरायल और क्षेत्र के विभिन्न देशों में मौजूद अमेरिकी सैन्य ठिकानों की ओर मिसाइलें और ड्रोन दागे थे। मीडिया रिपोर्टों में क्षेत्रीय अधिकारियों के हवाले से कहा गया है कि खाड़ी अरब देश वॉशिंगटन से नाराज हैं। उनका मानना है कि अमेरिका ने युद्ध की शुरुआत तो की, लेकिन उन्हें उसके असर से पर्याप्त सुरक्षा नहीं दी। इस बीच, ईरान के शीर्ष सुरक्षा अधिकारी मोहसिन रेजाई ने चेतावनी दी है कि जो भी देश ईरान के खिलाफ अमेरिका की आर्थिक कार्रवाई में शामिल होगा, उसे तेहरान अपना 'दुश्मन' मानेगा।यह बयान ऐसे समय में आया है जब अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने बुधवार को घोषणा की थी कि ईरान को सहारा देने वाले किसी भी देश के खिलाफ 'अब तक का सबसे कड़ा आर्थिक अभियान' चलाया जाएगा।

एक महीने बाद फिर शुरू हुआ हंगरी का पाक्स न्यूक्लियर प्लांट, नदी का जलस्तर सुधरने से चालू हुआ टरबाइन

विश्व केसरी

बुडापेस्ट। हंगरी के प्रधानमंत्री पीटर मैग्यार ने कहा है कि पाक्स परमाणु ऊर्जा संयंत्र की यूनिट-3 का टरबाइन 6 दोबारा चालू कर दिया गया है। यह संभव हो सका क्योंकि आपातकालीन निर्माण कार्यों और डेन्यूब नदी में जलस्तर बढ़ने से रिएक्टर को ठंडा रखने की स्थिति में सुधार हुआ है।

यूनिट-3 का टरबाइन 6 इस महीने की शुरुआत में बंद कर दिया गया था। उस समय डेन्यूब नदी का जलस्तर रिकॉर्ड निचले स्तर पर पहुंच गया था, जिससे संयंत्र को ठंडा करने के लिए नदी से पर्याप्त मात्रा में पानी लेना मुश्किल हो गया था। बुडापेस्ट से लगभग 100 किलोमीटर दक्षिण में स्थित पाक्स परमाणु ऊर्जा संयंत्र में चार वीवीईआर-440 रिएक्टर यूनिट और कुल आठ टरबाइन हैं। यह संयंत्र सामान्य तौर पर हंगरी की कुल बिजली जरूरत का लगभग आधा हिस्सा पूरा करता है। इसके सभी चार रिएक्टरों को ठंडा रखने के लिए डेन्यूब नदी के पानी पर निर्भर रहना पड़ता है।

जुलाई के अंत में नदी का जलस्तर बहुत कम हो जाने के कारण संयंत्र को बिजली उत्पादन में भारी कटौती करनी पड़ी थी। संकट के सबसे कठिन दौर में केवल एक टरबाइन ही चालू था। बाद में हालात कुछ बेहतर होने पर 10 अगस्त को दूसरा टरबाइन भी दोबारा शुरू किया गया।

शनिवार शाम संयंत्र से किए गए एक लाइव प्रसारण के दौरान मैग्यार ने कहा, 'अगर सब कुछ योजना के अनुसार चलता है, तो बुधवार तक परमाणु ऊर्जा संयंत्र अपनी 2,000 मेगावाट की पूरी क्षमता पर पहुंच जाएगा। पहले टरबाइन के बंद होने के लगभग एक महीने बाद सभी आठों टरबाइन फिर से चालू हो जाएंगे।'

पिछले सप्ताह सरकार ने संयंत्र के लिए ठंडा करने वाले पानी की आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए कई आपातकालीन कदम उठाए थे। इन उपायों में पाक्स और डुनास्जेंटबेनेडेक के बीच डेन्यूब नदी पर एक डूबा हुआ बांध (वियर) बनाना और नदी के एक हिस्से में 80-मीटर के दो बजरे (बड़ी नाव) को नियंत्रित तरीके से डुबोना शामिल था।

मैग्यार ने कहा कि आंशिक रूप से बने बांध और दो बजरे ने प्लांट के पास जलस्तर को लगभग 15 सेंटीमीटर बढ़ा दिया है। इससे डेन्यूब में जलस्तर बहुत कम होने के बावजूद उस समय चल रही दो टरबाइन को चालू रखने में मदद मिली।

लातविया में शक्तिशाली तूफान ने मचाई तबाही, देशभर में ऑरेंज अलर्ट

विश्व केसरी

रीगा। लातविया में एक शक्तिशाली तूफान ने भारी तबाही मचाई है। तेज हवाओं और भारी बारिश के कारण बड़ी संख्या में पेड़ उखड़ गए और बिजली वितरण नेटवर्क को गंभीर नुकसान पहुंचा। इसके चलते 1.60 लाख से ज्यादा उपभोक्ताओं की बिजली आपूर्ति बंद हो गई।

यह शक्तिशाली चक्रवात दक्षिण दिशा से लातविया में दाखिल हुआ और शनिवार शाम को भारी बारिश तथा तेज हवाएं लेकर आया। लातवियाई समाचार एजेंसी 'लेटा' ने इसे जनवरी 2005 के बाद देश में आया सबसे विनाशकारी तूफान बताया है। मध्य लातविया के कुछ इलाकों में सिर्फ एक दिन में ही महीनेभर की औसत बारिश का लगभग आधा हिस्सा रिकॉर्ड किया गया।

सिन्हुआ समाचार एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार, लातविया के पर्यावरण, भूविज्ञान और मौसम विज्ञान केंद्र (एलईजीएमसी) ने शनिवार को मध्य और पश्चिमी लातविया में भारी बारिश को लेकर रेड अलर्ट जारी रखा। वहीं, तेज हवा के झोंकों को देखते हुए लगभग पूरे देश के लिए ऑरेंज अलर्ट लागू किया गया। लातविया की रेलवे कंपनी ने बताया कि खराब मौसम के कारण शनिवार शाम कई ट्रेन सेवाएं प्रभावित हुईं और उनमें देरी हुई।

बिजली वितरण प्रणाली ऑपरेटर 'साडालेस टिक्ल्स' के अनुसार, रात 9 बजे तक लगभग 1.60 लाख ग्राहक बिजली के बिना थे। ज्यादातर नुकसान पेड़ों के गिरने से हुआ है। आपातकालीन टीमें बिजली बहाल करने के लिए लगातार काम कर रही हैं। कंपनी ने कहा कि बिजली नेटवर्क को काफी व्यापक और जटिल नुकसान पहुंचा है, इसलिए मरम्मत का काम सामान्य से ज्यादा समय ले सकता है।

मिस्र के अब्देलत्ती से अराघची ने फोन पर की बात, राजनयिक प्रयास तेज करने पर हुई चर्चा

विश्व केसरी

काहिरा। मिस्र के विदेश मंत्री बद्र अब्देलत्ती और ईरान के विदेश मंत्री सैयद अब्बास अराघची ने फोन पर बातचीत की। दोनों नेताओं ने क्षेत्र में हाल के घटनाक्रमों और तनाव कम करने के लिए चल रहे राजनयिक प्रयासों पर चर्चा की।

मिस्र के विदेश मंत्रालय ने शनिवार को जारी बयान में बताया कि दोनों मंत्रियों ने ऐसे माहौल बनाने के प्रयासों पर बात की, जिससे कूटनीतिक बातचीत फिर से शुरू हो सके। इसमें 18 जून को अमेरिका और ईरान के बीच हुए समझौता ज्ञापन (एमओयू) को लागू करने का मुद्दा भी शामिल था। अब्देलत्ती ने इस बात पर जोर दिया कि मौजूदा तनाव को कम करने और शांतिपूर्ण समझौतों तक पहुंचने के लिए चल रहे कूटनीतिक प्रयासों को और तेज किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि इससे क्षेत्र में सुरक्षा और स्थिरता बहाल करने में मदद मिलेगी। उन्होंने अंतरराष्ट्रीय समुद्री मार्गों की स्वतंत्रता और सुरक्षा सुनिश्चित करने के महत्व पर भी जोर दिया। साथ ही कहा कि खाड़ी देशों की सुरक्षा और स्थिरता का सम्मान किया जाना चाहिए, ताकि क्षेत्र के सभी लोगों के हितों की रक्षा हो सके। बयान के अनुसार, अराघची ने मिस्र के विदेश मंत्री को हाल की घटनाओं, चल रही वार्ताओं और उनके सामने मौजूद चुनौतियों के बारे में ईरान का दृष्टिकोण बताया। अमेरिका-ईरान एमओयू के तहत दोनों देशों को 60 दिनों के भीतर बातचीत कर अंतिम समझौते तक पहुंचना था। यह अवधि सोमवार को समाप्त हो गई, लेकिन होर्मुज स्ट्रेट को लेकर फिर से बढ़े तनाव के बाद इन वार्ताओं का भविष्य अभी भी स्पष्ट नहीं है।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने बुधवार को कहा था कि अमेरिका ईरान के खिलाफ 'अब तक का सबसे कड़ा आर्थिक अभियान' शुरू करेगा। इस बीच, ईरान की संसद के अध्यक्ष मोहम्मद बाकर कालीबाफ ने कहा है कि ईरान को पड़ोसी देशों से क्षेत्र में 'नई सुरक्षा व्यवस्था और आर्थिक सहयोग' को लेकर कई संदेश मिले हैं।

पुतिन का दावा: दुश्मन की किसी कार्रवाई का असर नहीं, हर दिशा में आगे बढ़ रही है रूसी सेना

विश्व केसरी

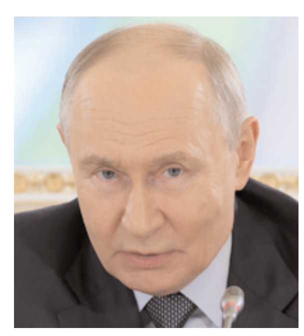

नई दिल्ली, 23 अगस्त (आईएएनएस)। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने एक इंटरव्यू में बताया कि दुश्मन की किसी भी कार्रवाई का हमारे युद्धक्षेत्र की स्थिति पर कोई असर नहीं पड़ा है। उन्होंने कहा कि रूस ने अपनी आक्रामक कार्रवाई को और तेज कर दिया है।

रूसी समाचार एजेंसी 'टास' की जानकारी के अनुसार, रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने वेस्टी के पत्रकार पावेल जारुबिन को दिए एक इंटरव्यू में दावा किया कि रूसी सेना ने अपने आक्रामक अभियानों की गति को तेज कर दिया है। उन्होंने कहा कि रूसी सेना विशेष सैन्य अभियान के लक्ष्यों को सफलतापूर्वक हासिल करती जा रही है। टास की रिपोर्ट के अनुसार, पुतिन ने दावा किया कि विपक्षी पक्ष की कार्रवाइयों का युद्धक्षेत्र की स्थिति पर कोई असर नहीं पड़ा है। उन्होंने कहा कि हमारी सेना न केवल सभी दिशाओं में आगे बढ़ रही है, बल्कि उसने अपने हमलों और सैन्य अभियानों की रफ्तार भी बढ़ा दी है। उन्होंने कहा कि रूसी सशस्त्र बल अपने निर्धारित कार्यों को सफलतापूर्वक पूरा कर रहे हैं और विशेष सैन्य अभियान के लक्ष्य हासिल होने तक ऐसा करते रहेंगे।

टास की जानकारी के अनुसार, रूसी राष्ट्रपति ने कहा कि हमारा लक्ष्य अपनी हवाई सुरक्षा व्यवस्था को और बेहतर बनाना तथा उसकी क्षमताओं को बढ़ाना भी है।

टास के अनुसार, रूस में नागरिक ठिकानों पर यूक्रेन की ओर से किए गए हमलों पर टिप्पणी करते हुए पुतिन ने कहा कि हवाई सुरक्षा को मजबूत करने के साथ-साथ रूस को अपनी सुरक्षा एजेंसियों और नागरिक प्रशासन के बीच बेहतर तालमेल भी विकसित करना चाहिए। उन्होंने कहा कि इस प्रयास में सरकारी संस्थानों के साथ-साथ निजी कंपनियों को भी शामिल किया जाना चाहिए। गुरुवार रात ही यूक्रेनी हमलों में रूस की पर्म तेल रिफाइनरी, मैरिनोवका सैन्य हवाई अड्डे और अन्य सैन्य ठिकानों को निशाना बनाया गया। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर लिखा, 'हम युद्ध के परिणामों को वहीं वापस पहुंचाने के लिए अपनी लंबी दूरी वाली प्रतिबंध और जवाबी कार्रवाई की रणनीति जारी रख रहे हैं, जहां से यह युद्ध शुरू हुआ था।

फ्रांस यूक्रेन को एयर डिफेंस सिस्टम की सप्लाई तेज करेगा : जेलेंस्की

विश्व केसरी

कीव। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की ने कहा कि फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों के साथ फोन पर बातचीत के बाद फ्रांस यूक्रेन को उपकरण और मिसाइलें भेजने की प्रक्रिया तेज करने और संबंधित मिसाइलों के उत्पादन के लिए लाइसेंस देने पर सहमत हो गया है।

जेलेंस्की ने शनिवार को सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में कहा कि उन्होंने मैक्रों को यूक्रेनी इलाके पर हालिया हमलों के बारे में जानकारी दी और इस बात पर जोर दिया कि एयर डिफेंस सिस्टम यूक्रेन की सबसे जरूरी जरूरत है। सिन्हुआ समाचार एजेंसी की रिपोर्ट के मुताबिक, उन्होंने कहा कि मैक्रों ने यूक्रेन और उन सहयोगी देशों के बीच बातचीत में मदद करने के लिए अपनी तत्परता जाहिर की, जिनके पास पैट्रियट एयर डिफेंस सिस्टम के लिए जरूरी मिसाइलें हैं।

सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर जेलेंस्की ने लिखा, 'फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों के साथ मेरी बहुत अच्छी बातचीत हुई। आज हमने लगभग दो घंटे तक सभी अहम मुद्दों पर बात की। इसमें सबसे जरूरी बात एयर डिफेंस की जरूरत है। हम इस बात की बहुत तारीफ करते हैं कि फ्रांस के राष्ट्रपति हमारे उन दूसरे सहयोगियों से बात करने में मदद करने को तैयार हैं।

बॉडी ऑर्गन तस्करी का काला कारोबार, गरीबी और कमजोर कानून दे रहे बढ़ावा : रिपोर्ट

विश्व केसरी

इस्लामाबाद। पाकिस्तान में इंसान के अंगों की अवैध तस्करी सिर्फ देश के अंदर का अपराध नहीं, बल्कि यह एक अंतरराष्ट्रीय धंधा बन चुका है जो विदेशी मांग को पूरा कर रहा है।

एक रिपोर्ट के मुताबिक, जून में इस्लामाबाद में प्लेसेंटा को वियतनाम निर्यात करने का मामला सामने आया था, जिसने इस व्यापार के अंतरराष्ट्रीय होने का खुलासा किया। इससे पहले भी ट्रांसप्लांट टूरिज्म की रिपोर्ट्स आ चुकी हैं, जिसमें विदेशी मरीज अवैध तरीकों से अंग लेने के लिए पाकिस्तान आते हैं।

'पाकिस्तान ऑब्जर्वर' की रिपोर्ट में कहा गया, 'यह क्रॉस-बॉर्डर पहलू स्थानीय दलालों, विदेशी मरीजों, नकद भुगतान और फर्जी मेडिकल दस्तावेजों को एक साथ लाता है। यह व्यापार वहीं मुनाफा तलाशता है जहां

निगरानी सबसे कमजोर होती है। जब ग्राहक कई देशों में फैले होते हैं, तो सप्लाई चेन एक देश से बाहर निकल जाती है, जिससे इस अपराध को पकड़ना और रोकना मुश्किल हो जाता है। पाकिस्तान की मौजूदा समस्या बड़ी गिरफ्तारियों का न होना नहीं, बल्कि हर छापे के बाद इसे स्थायी रूप से खत्म करने में नाकामी है।' रिपोर्ट के अनुसार, पाकिस्तान के अवैध अंग व्यापार ने एक बार फिर कड़वी हकीकत दिखाई है कि कैसे गरीबी, नियामक विफलताएं और मेडिकल कदाचार कमजोर लोगों को अपराध की दुनिया में 'सामान' बना देते हैं। रिपोर्ट में कहा गया, 'पाकिस्तान में अंग तस्करी अब छिपे हुए सौदों से आगे बढ़ चुकी है। जांचकर्ताओं ने हाल के ऑपरेशन को दलालों, मेडिकल पेशेवरों और बिचौलियों से जुड़े संगठित नेटवर्क से जोड़ा है, जिसमें कथित तौर पर फर्जी कागजात, मंजूरी को दरकिनार कर और सोची-समझी वित्तीय व्यवस्था के जरिए ट्रांसप्लांट किया जाता था।' जून 2026 में फेडरल इन्वेस्टिगेशन एजेंसी (एफआईए) के एंटी-करप्शन सर्कल ने दो संदिग्ध दलालों को गिरफ्तार किया था, जो कथित तौर पर ईंट भट्ठा मजदूरों, दिहाड़ी मजदूरों और अन्य आर्थिक रूप से कमजोर लोगों को अवैध किडनी ट्रांसप्लांट के लिए लुभा रहे थे।

ग्राम हेमाबंद में 120 मवेशियों की मौत, व्यवस्था पर उठे सवाल

विश्व केसरी

बेमेतरा (अनिल त्रिपाठी)। दाढ़ी थाना क्षेत्र के ग्राम हेमाबंद में मवेशियों की बदहाल स्थिति का मामला सामने आने के बाद प्रशासन हरकत में आया है। गांव में करीब 120 मवेशियों को किराए पर रखे जाने और उनके लिए पर्याप्त चारा-पानी व रहने की व्यवस्था नहीं होने की शिकायत पर बजरंग दल ने संज्ञान लिया। इसके बाद प्रशासन की टीम ने मौके पर पहुंचकर स्थिति का जायजा लिया। रविवार को दो मवेशियों की मौत होने की जानकारी भी सामने आई है। लगातार चार-पांच दिनों तक हुई बारिश के बीच चारा और पानी की उचित व्यवस्था नहीं होने से मवेशियों की हालत बिगड़ने की बात ग्रामीणों ने कही है।

ग्राम हेमाबंद निवासी दिलीप रात्रे पिता धरम रात्रे के यहां करीब 120 मवेशी रखे जाने की जानकारी सामने आई है। ग्रामीणों के अनुसार इन मवेशियों को रखने के लिए पर्याप्त शेड अथवा अन्य संसाधन उपलब्ध नहीं हैं। बारिश के दौरान मवेशियों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। ग्रामीणों का आरोप है कि मवेशियों के लिए नियमित रूप से चारा-पानी की समुचित व्यवस्था भी नहीं की जा रही थी। इसी बीच दो मवेशियों की मौत की जानकारी सामने आने के बाद मामला उजागर हुआ।

गांव में खुले घूम रहे मवेशी, फसलों को भी नुकसान : ग्राम पंचायत हेमा बंद के पूर्व सरपंच प्रमोद मारकंडे ने बताया कि बड़ी संख्या में मवेशियों के खुले में घूमने के कारण गांव में भी परेशानी बढ़ गई है। मवेशी इधर-उधर घूमते हुए खेतों में पहुंच रहे हैं और फसलों को नुकसान पहुंचा रहे हैं। ग्रामीणों का कहना है कि मवेशियों को एक स्थान पर रखने के लिए पर्याप्त व्यवस्था नहीं होने के कारण यह स्थिति बनी हुई है। बारिश के मौसम में खेतों में फसल खड़ी होने के बावजूद मवेशियों के खुले में घूमने से किसानों को नुकसान उठाना पड़ रहा है। ग्रामीणों के मुताबिक दिलीप रात्रे द्वारा मवेशियों की खरीदी-बिक्री का कारोबार किए जाने की बात भी सामने आई है। इसी कारण बड़ी संख्या में मवेशियों को यहां रखे जाने की जानकारी ग्रामीणों ने दी है। हालांकि, मवेशियों को किस आधार पर और किससे किराए पर लेकर रखा गया है, इसकी प्रशासनिक स्तर पर जांच की जा रही है।

सरपंच ने जारी किया नोटिस : मवेशियों की संख्या अधिक होने और गांव में खुले में घूमने की शिकायत के बाद ग्राम पंचायत भी सक्रिय हुई है। रविवार को ग्राम पंचायत हेमाबंद के सरपंच धीरेंद्र मारखंडे ने मवेशी मालिक दिलीप रात्रे को नोटिस जारी किया है। पंचायत ने मवेशियों को व्यवस्थित तरीके से रखने तथा ग्रामीणों को हो रही परेशानी को दूर करने के संबंध में कार्रवाई की है।

शिकायत के बाद प्रशासन ने भेजी टीम : मवेशियों की मौत और उनके लिए चारा-पानी की व्यवस्था नहीं होने की जानकारी बजरंग दल के संज्ञान में आने के बाद मामला प्रशासन तक पहुंचा। इसके बाद प्रशासन ने टीम भेजकर मौके की स्थिति की जानकारी ली। टीम द्वारा मवेशियों की संख्या, उनकी स्थिति, चारा-पानी की उपलब्धता और मौत के कारणों से जुड़े तथ्यों की जानकारी जुटाई जा रही है। ग्रामीणों का कहना है कि यदि समय रहते मवेशियों के लिए पर्याप्त चारा, पानी और सुरक्षित स्थान की व्यवस्था नहीं की गई तो बारिश के मौसम में और मवेशियों की स्थिति खराब हो सकती है। ग्रामीणों ने प्रशासन से मांग की है कि मामले की निष्पक्ष जांच कर मवेशियों की उचित देखभाल सुनिश्चित कराई जाए। साथ ही गांव में खुले में घूम रहे मवेशियों के कारण किसानों की फसलों को हो रहे नुकसान से भी राहत दिलाई जाए।

मौत का कारण जांच के बाद स्पष्ट होगा: प्रशासनिक टीम द्वारा मौके का निरीक्षण किया गया है। रविवार को दो मवेशियों के मरने की जानकारी मिली है। मवेशियों की मौत किन परिस्थितियों में हुई, इसका वास्तविक कारण जांच के बाद ही स्पष्ट हो सकेगा।

मंत्री केदार कश्यप के काफिले के वाहन को इनोवा ने मारी टक्कर, 4 जवान घायल

विश्व केसरी

कोण्डागांव (के. संतोष)। भानपुरी नेशनल हाईवे पर मंत्री केदार कश्यप के काफिले में दुर्घटनाग्रस्त वाहन छत्तीसगढ़ के वन एवं सहकारिता मंत्री केदार कश्यप के काफिले में शामिल फॉलो वाहन रविवार को जगदलपुर-कोंडागांव सीमा पर सड़क हादसे का शिकार हो गए। भौगोलिकसंदर्भ

भानपुरी के पास नेशनल हाईवे पर एक अनियंत्रित इनोवा वाहन ने काफिले में पीछे चल रही दो गाड़ियों को तेज टक्कर मार दी। अचानक हुई इस टक्कर के बाद हाईवे पर चीख-पुकार और अफरा-तफरी का माहौल निर्मित हो गया।

टक्कर में 4 सुरक्षा जवान घायल, कोंडागांव जिला अस्पताल में भर्ती

इनोवा की जोरदार टक्कर से काफिले के फॉलो वाहनों में सवार 4 सुरक्षा जवान घायल हो गए। हादसे के तुरंत बाद मौके पर मौजूद अन्य सुरक्षाकर्मियों और स्थानीय लोगों की मदद से घायलों को संभाला गया। प्राथमिक राहत के बाद घायल जवानों को तत्काल कोंडागांव जिला अस्पताल पहुंचाया गया, जहां डॉक्टरों की निगरानी में उनका इलाज जारी है।

वीआईपी सुरक्षा और ट्रैफिक प्रबंधन पर उठे सवाल, पुलिस जांच में जुटी

घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस टीम मौके पर पहुंची और यातायात को व्यवस्थित कराया। पुलिस ने हादसे की जांच शुरू कर दी है और यह पता लगाया जा रहा है कि दुर्घटना इनोवा चालक की लापरवाही या तेज रफ्तार की वजह से हुई। वीआईपी मूवमेंट के दौरान इस तरह दो वाहनों के दुर्घटनाग्रस्त होने से सड़क सुरक्षा और ट्रैफिक मैनेजमेंट पर भी सवाल खड़े हो रहे।

जैजैपुर में शिक्षक फेडरेशन की जोरदार रैली, लंबित मांगों को लेकर सौंपा ज्ञापन

विश्व केसरी

सक्ती/जैजैपुर

छत्तीसगढ़ सहायक शिक्षक/समग्र शिक्षक फेडरेशन, ब्लॉक इकाई जैजैपुर के नेतृत्व में शनिवार को सैकड़ों शिक्षक-शिक्षिकाओं ने एकजुट होकर जोरदार रैली निकाली। शिक्षकों ने अपनी लंबित एवं जायज मांगों को लेकर आवाज बुलंद करते हुए शांतिपूर्ण एवं लोकतांत्रिक तरीके से प्रदर्शन किया। रैली के उपरांत माननीय मुख्यमंत्री एवं माननीय राज्यपाल के नाम तहसीलदार, जैजैपुर के माध्यम से ज्ञापन सौंपा गया।

तीन प्रमुख मांगों को लेकर बुलंद की आवाज

फेडरेशन ने सरकार के समक्ष मुख्य रूप से तीन मांगें रखीं। इनमें ञ्श्वञ्ज की अनिवार्यता समाप्त करने, मोदी की गारंटी के तहत वेतन विसंगति दूर करते हुए क्रमोन्नति वेतनमान प्रदान करने तथा प्रथम नियुक्ति तिथि से सेवा की गणना करते हुए पात्रतानुसार पेंशन का लाभ प्रदान करने की मांग शामिल है। रैली के दौरान शिक्षक-शिक्षिकाओं ने अपनी मांगों के समर्थन में नारेबाजी करते हुए एकता और अनुशासन का परिचय दिया। फेडरेशन पदाधिकारियों ने कहा कि शिक्षकों की जायज मांगों के निराकरण तक संघर्ष को मजबूती के साथ आगे बढ़ाया जाएगा।

सैकड़ों शिक्षक-शिक्षिकाओं की रही सहभागिता - कार्यक्रम में ब्लॉक अध्यक्ष गौरीशंकर साहू, कार्यकारी ब्लॉक अध्यक्ष कुमार जीव खटर्जी, महिला प्रकोष्ठ ब्लॉक अध्यक्ष आशा द्विवेदी, प्रवक्ता जागृति कश्यप, जिला प्रवक्ता रामप्रसाद माली, जिला उपाध्यक्ष गोरेलाल साहू, संरक्षक भानूराम चंद्रा, जिला संगठक कुंजबिहारी कश्यप, ब्लॉक सचिव पवन कुर्रे, जिला पदाधिकारी जितेंद्र जांगड़े, कुलेश्वर चंद्रा, नूतराम धिरहे, रामकुसुम कर्ष सहित फेडरेशन के पदाधिकारी, ब्लॉक इकाई जैजैपुर के पदाधिकारी एवं सैकड़ों की संख्या में शिक्षक-शिक्षिकाएं उपस्थित

बालिकाओं की शिक्षा, नवाचार और नशामुक्ति के संकल्प के साथ आगे बढ़ रहा समाज : अमर अग्रवाल

विश्व केसरी

बिलासपुर (अमित मिश्रा)। नगर विधायक अमर अग्रवाल ने शनिवार को विभिन्न कार्यक्रमों में शामिल होकर विद्यार्थियों एवं नागरिकों से संवाद किया। उन्होंने दयालबंद स्थित स्वामी आत्मानंद महारानी लक्ष्मीबाई शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में आयोजित कार्यक्रम में सहभागिता की। इसके पश्चात टिकरापारा स्थित गुजराती समाज भवन में आयोजित नागरिक अभिनंदन समारोह में शामिल होकर नागरिकों को संबोधित किया।

बालिकाओं से संवाद, शिक्षा और संस्कार पर दिया जोर

सेजेस महारानी लक्ष्मीबाई कन्या शाला में बालिकाओं ने मुख्य अतिथि अमर अग्रवाल से संवाद किया। उन्होंने कहा कि माता-पिता और गुरुजनों से मिली प्रेरणा जीवन में सफलता का मूल मंत्र है। मार्गदर्शन और निरंतर सीखने की प्रवृत्ति से विद्यार्थी किसी भी लक्ष्य को हासिल कर सकते हैं।

उन्होंने कहा कि बेटी बचाओ आंदोलन से समाज की सोच में सकारात्मक बदलाव आया है और आज बालिकाएं हर क्षेत्र में निर्णायक भूमिका निभा रही हैं। उन्होंने कहा कि जीवन पर्यंत सीखते हुए अपने कर्तव्यों का निर्वहन करना ही राष्ट्र निर्माण में सार्थक योगदान का माध्यम है।

कार्यक्रम में अग्रवाल ने विद्यालय की छात्र कैबिनेट को शपथ दिलाई और विद्यालय के रखरखाव एवं संचालन में सक्रिय भूमिका निभाने के लिए प्रेरित किया। इस दौरान उपस्थित सभी लोगों ने नशामुक्ति का संकल्प भी लिया।

राष्ट्रीय स्तर के लिए चयनित दो छात्राओं का सम्मान

इंस्पायर अवार्ड मानक प्रतियोगिता में राष्ट्रीय स्तर के लिए चयनित बिल्हा विकासखंड की दो छात्राओं कुमारी रेणुका धनुआर एवं कुमारी तृषा कमलेश का अमर अग्रवाल ने सम्मान किया। विकासखंड शिक्षा विभाग की ओर से दोनों छात्राओं को 5-5 हजार की प्रोत्साहन राशि एवं मोमेंटो प्रदान किया गया।

सत्र 2024-25 में छत्तीसगढ़ से राष्ट्रीय स्तर के लिए चयनित 20 विद्यार्थियों में बिल्हा विकासखंड की ये दोनों छात्राएं शामिल हैं। देवरी खुर्द की रेणुका धनुआर ने 'वॉल माउंट स्पिट डिटेक्शन एंड अलार्म सिस्टम' मॉडल तैयार किया है, जो सार्वजनिक स्थानों पर थूकने की स्थिति का पता लगाकर अलार्म के माध्यम से सचेत करता है।

वहीं बिजौर की तृषा कमलेश ने 'वेदर गार्ड स्मार्ट बैग' विकसित किया है। सेंसर आधारित यह बैग बारिश या नमी का संकेत मिलते ही जुड़े छाते को स्वत: खोल देता है, जिससे किताबों एवं अन्य सामग्री को बारिश से बचाया जा सकता है। दोनों छात्राएं 4 सितंबर को रायपुर में आयोजित राज्य स्तरीय मेंटरशिप प्रशिक्षण में अपने मॉडल प्रस्तुत करेंगी। विशेषज्ञों के मार्गदर्शन में इन मॉडलों को राष्ट्रीय प्रतियोगिता के अनुरूप और बेहतर बनाया जाएगा। अग्रवाल ने विद्यालय परिवार की ओर से होम एग्जाम में सर्वोच्च अंक प्राप्त करने वाली बालिकाओं को भी पुरस्कृत किया।

सियाराम गैस एजेंसी पर खाद्य विभाग की बड़ी कार्रवाई

विश्व केसरी

गौरेला-पेंड्रा-मरवाही। जिले में एलपीजी गैस के भंडारण और वितरण में नियमों की अनदेखी के खिलाफ खाद्य विभाग ने एक बड़ी और सख्त कार्रवाई की है। जिले की मेसर्स सियाराम गैस एजेंसी गौरेला के खिलाफ लगातार उपभोक्ताओं द्वारा अनियमितताओं और घटिया सेवा की शिकायतें मिल रही थीं।

इन शिकायतों को गंभीरता से लेते हुए खाद्य विभाग की विशेष टीम ने एजेंसी के गोदाम पर अचानक दबिश देकर औचक निरीक्षण किया। इस कार्रवाई से जिले के गैस वितरण तंत्र में हड़कंप मच गया है।

471 एलपीजी सिलिंडर जब्त, कई नियमों की उड़ाई जा रही थीं धज्जियां

जांच के दौरान टीम को गोदाम में भारी गड़बड़ियां देखने को मिलीं, जिसके बाद खाद्य विभाग ने मौके से कुल 471 एलपीजी गैस सिलिंडर जब्त कर लिए। जब्त किए गए सिलिंडरों में 14.2 किलोग्राम क्षमता वाले 433 घरेलू गैस सिलिंडर (87 खाली और 346 भरे हुए) तथा 19 किलोग्राम क्षमता वाले 38 व्यावसायिक गैस सिलिंडर (36 खाली और 2 भरे हुए) शामिल हैं।

इसके अलावा एजेंसी परिसर में आवश्यक मुख्य बोर्ड, स्टॉक प्रदर्शन बोर्ड गायब मिले और आवक-जावक रजिस्टर तथा स्टॉक पंजी का भी संधारण नहीं किया जा रहा था। यह पूरी कार्रवाई द्रवीकृत पेट्रोलियम गैस (प्रदाय और वितरण विनियम) आदेश 2000 के प्रावधानों के तहत की गई है।

पूर्व में भी लग चुका है जुर्माना, विभाग ने दी कड़ी चेतावनी

जिला खाद्य अधिकारी श्वेता अग्रवाल ने बताया कि सियाराम गैस एजेंसी की शिकायतें लंबे समय से मिल रही थीं। इससे पहले भी इस एजेंसी के गोदाम की जांच में गड़बड़ी मिलने पर 10,000 रुपये का जुर्माना लगाया जा चुका है, लेकिन सुधार न होने पर यह कड़ी कार्रवाई की गई।

कार्रवाई के दौरान खाद्य निरीक्षक राहुल सिंह राजपूत, अरविन्द चन्द्रा, आशीष पाण्डेय, नेहा पाटले और सहायक सोनू देवांगन मौजूद रहे। खाद्य विभाग ने स्पष्ट किया है कि उपभोक्ताओं के अधिकारों की सुरक्षा और पारदर्शी व्यवस्था के लिए जिले की अन्य एजेंसियों पर भी यह जांच अभियान लगातार जारी है।

गौ सेवा के लिए दल्लीराजहरा के अमर लालवानी को राज्य अधिवेशन उदय 2026 का सम्मान

विश्व केसरी

दल्लीराजहरा (हाशिम कुरैशी)। महावीर इंटरकॉन्टिनेंटल द्वारा आयोजित राज्य अधिवेशन उदय 2026 का भव्य आयोजन केवल्य धाम, कुम्हारी में संपन्न हुआ। इस अवसर पर मुख्य रूप से गौ सेवा के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य के लिए दल्लीराजहरा के वीर अमर लालवानी को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। यह सम्मान अंतरराष्ट्रीय महासचिव एवं छत्तीसगढ़ दिव्यांग विकास निगम के अध्यक्ष (राज्य मंत्री दर्जा प्राप्त) वीर लोकेश कावड़िया और MISO प्रदेश अध्यक्ष एवं सम्मेलन अध्यक्ष वीर राजेन्द्र जैन एवं संस्था के सदस्य वीर स्वाधीन जैन के करकमलों से प्रदान किया गया।

अमर लालवानी द्वारा लगातार अपने क्षेत्र एवं आसपास के क्षेत्रों में दिन हो या रात, गौ सेवा के लिए सदैव निस्वार्थ भाव से तत्पर रहते हैं। चाहे घायल गौवंश का इलाज कराना हो, भूखे गौवंश को चारा-पानी की व्यवस्था करना हो या सड़क पर बैठे गौवंश को सुरक्षित स्थान पर पहुंचाना हो, वे अपनी टीम के साथ हर समय सेवा में लगे रहते हैं। उनकी इसी निस्वार्थ गौ सेवा, समर्पण और मानवता भरे कार्यों को देखते हुए उन्हें व उनकी टीम को यह विशेष सम्मान प्राप्त हुआ है। आयोजकों ने कहा कि आज के समय में जब लोग अपने कार्यों में व्यस्त हैं, ऐसे में अमर लालवानी जी द्वारा गौ माता की निस्वार्थ सेवा करना वास्तव में सराहनीय है। गौ सेवा ही सच्ची सेवा है और उनका यह कार्य पूरे समाज और युवाओं के लिए प्रेरणादायक है।

अधिवेशन का मुख्य मंत्र सेवा, संस्कार, स्वावलंबन रहा, जिसको अमर लालवानी जी अपने जीवन में चरितार्थ कर रहे हैं। इस अवसर पर दल्लीराजहरा से महावीर चोपड़ा, रंजीत वर्मा, सोहम गुप्ता, अमन शर्मा विशेष रूप से उपस्थित रहे। इस सम्मान से दल्लीराजहरा नगर में हर्ष व्याप्त है और नगरवासियों ने उन्हें बधाई दी है।

चुनाव चिन्ह का हुआ आबंटन, कमलेश पैंकरा को प्रिंटर, गणेश मिश्रा को माइक, ईश्वर सोनी को बल्ब और के. संतोष को मिला कलम

विश्व केसरी

बीजापुर (के. संतोष)। जिला पत्रकार संघ सह प्रेस क्लब बीजापुर के चुनाव को लेकर गतिविधियां तेज हो गई हैं और निर्वाचन प्रक्रिया अब निर्णायक चरण में पहुंच चुकी है। विभिन्न पदों के लिए कुल 12 नामांकन पत्र जमा हुए थे, जिनमें अध्यक्ष पद के लिए 5, सचिव पद के लिए 4 तथा कोषाध्यक्ष पद के लिए 3 उम्मीदवारों ने नामांकन दाखिल किया था। रविवार को अध्यक्ष सहित अन्य पदों के उम्मीदवारों को चुनाव चिन्ह आबंटित किए गए।

निर्वाचन अधिकारी अशोक मिश्रा एवं अयूब खान ने बताया कि मतदाता सूची का प्रथम प्रकाशन 1 अगस्त को किया गया था। दावा-आपत्ति प्रक्रिया के पश्चात संगठन विरोधी गतिविधियों के आरोप में 19 सदस्यों को निष्कासित करते हुए 13 अगस्त को 46 सदस्यों की संशोधित मतदाता सूची जारी की गई थी। निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार 16 अगस्त से नामांकन पत्रों का वितरण प्रारंभ हुआ था। अध्यक्ष पद के लिए कमलेश पैंकरा, के. संतोष कुमार, गणेश मिश्रा, ईश्वर सोनी और बी. गौतम राव ने नामांकन दाखिल किया था। सचिव पद के लिए इरशाद खान, आशीष पदमवार, बसंत मामडीकर एवं बी. गौतम राव ने नामांकन पत्र जमा किए थे। वहीं कोषाध्यक्ष पद के लिए बी. गौतम राव, सिरोज विश्वकर्मा और प्रशुन शर्मा ने अपनी दावेदारी प्रस्तुत की थी।

निर्वाचन अधिकारियों के अनुसार नामांकन पत्र प्राप्त करने की अंतिम तिथि 19 अगस्त तथा नामांकन जमा करने की अंतिम तिथि 20 अगस्त दोपहर 1 बजे तक निर्धारित थी। सभी प्रत्याशियों ने निर्धारित समय सीमा के भीतर अपने नामांकन पत्र जमा कर दिए थे। 21 अगस्त को नामांकन पत्रों की जांच (स्क्रूटनी) की प्रक्रिया पूर्ण होने के बाद 22 अगस्त को नाम वापसी की कार्रवाई संपन्न हुई। नाम वापसी की प्रक्रिया में बी. गौतम राव ने अध्यक्ष, सचिव एवं कोषाध्यक्ष तीनों पदों से अपना नाम वापस ले लिया। इसके बाद अध्यक्ष पद के लिए अब कमलेश पैंकरा, के. संतोष कुमार, गणेश मिश्रा और ईश्वर सोनी चुनावी मैदान में शेष रह गए हैं। वहीं सचिव और कोषाध्यक्ष पदों के लिए भी शेष प्रत्याशी अपनी दावेदारी बनाए हुए हैं। निर्वाचन कार्यक्रम के अनुसार 23 अगस्त को प्रत्याशियों को चुनाव चिन्ह आवंटित किए गए। अध्यक्ष पद के उम्मीदवारों में कमलेश पैंकरा को प्रिंटर, गणेश मिश्रा को माइक, ईश्वर सोनी को बल्ब तथा के. संतोष कुमार को कलम चुनाव चिन्ह प्रदान किया गया।

अनुनय के 20 विद्यार्थियों का कराटे में संभाग स्तर पर चयन, हुनर को मौका

विश्व केसरी

सक्ती। नगर के प्रतिष्ठित संस्थान अनुनय कॉन्वेंट स्कूल शालेय क्रीडा प्रतियोगिता में प्रतियोगिताओं में 81 विद्यार्थियों ने जिला स्तर पर दिखाया दमखम, जिसमें से 29 ने संभाग के लिए चयनित हुए हैं। इस प्रकार विभिन्न खेल प्रतियोगिताओं में अनुनय कॉन्वेंट हायर सेकेंडरी स्कूल, सक्ती के विद्यार्थियों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए विद्यालय की खेल प्रतिभा का प्रभावशाली प्रदर्शन किया है एवं खेल के क्षेत्र में स्कूल ने अपनी मजबूत पहचान बनाई है। संभाग स्तर पर फुटबॉल अंडर-19 बालक वर्ग में यशीस सिदार एवं धनेश्वर श्रीवास, शतरंज अंडर-19 बालक वर्ग में अहमद रजा, अंडर-19 बालिका वर्ग लिली पांडे एवं नेहा जायसवाल, कबड्डी अंडर-19 बालिका वर्ग में आभा यादव तथा बैडमिंटन में अंडर-19 बालक वर्ग हितेश दुबे, कान्हा सोनी एवं अंडर-17 बालिका वर्ग में आराध्या कुर्रे ने स्थान बनाया है। कराते में विद्यालय की उपलब्धि विशेष रूप से उल्लेखनीय रही। इसमें एक साथ 20 लोगों का चयन संभाग स्तर पर हुआ है। बालिका वर्ग में अंडर-14 से छाया राठौर, दामिनी यादव एवं खुशबू यादव, अंडर-17 से जानवी सिदार, हर्षिका सिदार, धारा चंद्रा एवं गरिमा सिदार तथा अंडर-19 से लिपिका यादव एवं शैव्या पटेल चयनित हुई हैं। बालक वर्ग में अंडर-14 से सुदीप केवट, सिद्धांत देवांगन, वरुण श्रीवास, लक्ष्य देव बघेल, रॉबिन्सन तिर्की एवं तोसेन चौहान, अंडर-17 से प्रित्यूष कुमार, हेमंत साहू एवं गितेश सिदार तथा अंडर-19 से वासु यादव एवं आदित्य साहू ने संभाग स्तर में जगह बनाई है।

राष्ट्रीय अंतरिक्ष दिवस पर नितिन गडकरी और सीएम योगी समेत कई नेताओं ने दी बधाई

विश्व केसरी ■

नई दिल्ली। राष्ट्रीय अंतरिक्ष दिवस के अवसर पर केंद्रीय मंत्रियों और कई राज्यों के मुख्यमंत्रियों ने बधाई दी है। बता दें कि वर्ष 2023 में 'चंद्रयान-3' की ऐतिहासिक सफलता ने पूरी दुनिया को भारत की अंतरिक्ष क्षमता का परिचय कराया। यह उपलब्धि हमारे वैज्ञानिकों के अथक परिश्रम और अदम्य संकल्प का परिणाम है।

राष्ट्रीय अंतरिक्ष दिवस पर केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर पोस्ट किया, 'आज हम अंतरिक्ष में भारत की असाधारण यात्रा का सम्मान करते हैं, जिसमें शुरुआती मिशनों से लेकर चंद्रयान और उससे आगे के मिशन शामिल हैं। हमारे वैज्ञानिकों, इंजीनियरों और इनोवेटर्स की प्रतिभा, लगन और साहस को सलाम है। उनकी उपलब्धियां हर युवा भारतीय में जिज्ञासा जगाएं और अगली पीढ़ी को नई सीमाओं को खोजने के लिए प्रेरित करें।'

केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल ने पोस्ट किया, 'भारत के समस्त वैज्ञानिकों को राष्ट्रीय अंतरिक्ष दिवस की हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं। वर्ष 2023 में आज ही के दिन देश के महान वैज्ञानिकों ने अपनी उत्कृष्ट शोध-क्षमता, असाधारण कौशल और अथक परिश्रम से चंद्रमा पर सफलतापूर्वक 'चंद्रयान-3' की सॉफ्ट लैंडिंग कराकर अंतरिक्ष अनुसंधान के क्षेत्र में एक नया कीर्तिमान रचा था।'

उन्होंने लिखा, 'आज 'राष्ट्रीय अंतरिक्ष दिवस' के अवसर पर हम इसरो के सभी वैज्ञानिकों और उनकी टीम का अभिनंदन करते हैं, जिन्होंने स्वदेशी के सामर्थ्य से भारत को वैश्विक पटल पर एक प्रमुख अंतरिक्ष शक्ति के रूप में स्थापित किया है। राष्ट्रीय अंतरिक्ष दिवस की सभी वैज्ञानिकों और प्रदेशवासियों को बधाई देते हुए उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने लिखा, 'यह दिवस चंद्रमा से लेकर अंतरिक्ष की अनंत संभावनाओं तक भारत की साहसिक उड़ान, वैज्ञानिक सामर्थ्य और नवाचार की अद्भुत यात्रा का उत्सव है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के यशस्वी नेतृत्व में विज्ञान, अनुसंधान और अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में निरंतर नए कीर्तिमान स्थापित करता नया भारत, 'विकसित भारत-आत्मनिर्भर भारत' के संकल्प को नई गति और वैश्विक पहचान प्रदान कर रहा है। 'दिल्ली सीएम रेखा गुप्ता ने लिखा, 'राष्ट्रीय अंतरिक्ष दिवस 23 अगस्त 2023 को चांद पर चंद्रयान-3 की ऐतिहासिक लैंडिंग की याद में मनाया जाता है। यह एक ऐसा पल था, जिसने भारत को दुनिया के सबसे आगे अंतरिक्ष में जाने वाले देशों में शामिल कर दिया। आज, हम अपने वैज्ञानिकों और इंजीनियरों की दूर की सोच, हिम्मत और काबिलियत को सलाम करते हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में, भारत का अंतरिक्ष मिशन नई ऊंचाइयों पर पहुंचा है और नई पीढ़ी को सीमाओं से आगे सपने देखने के लिए प्रेरित किया है। दिल्ली छात्रों के बीच एसटीईएम लर्निंग और वैज्ञानिक जिज्ञासा को मजबूत करने के लिए प्रतिबद्ध है।

सफदरजंग अस्पताल में बड़ी कामयाबी, पहला रोबोटिक नी-रिप्लेसमेंट सफल

विश्व केसरी ■

नई दिल्ली। दिल्ली में वर्धमान महावीर मेडिकल कॉलेज (वीएमएमसी) और सफदरजंग अस्पताल के सेंट्रल इंस्टीट्यूट ऑफ ऑर्थोपेडिक्स (सीआईओ) ने आधुनिक इलाज की दिशा में बड़ी उपलब्धि हासिल की। अस्पताल ने 22 अगस्त को अपना पहला रोबोट-असिस्टेड टोटल नी रिप्लेसमेंट (टीकेआर) सफलतापूर्वक किया।

सीआईओ में रोबोट-असिस्टेड ऑर्थोपेडिक सर्जरी की शुरुआत वीएमएमसी और सफदरजंग अस्पताल की निदेशक डॉ. कविता शर्मा के नेतृत्व, समर्थन और प्रोत्साहन से हुई है। इस पहल से सरकारी हेल्थ सिस्टम में एडवांस और टेक्नोलॉजी-आधारित ऑर्थोपेडिक देखभाल को और मजबूती मिलेगी।

यह सर्जरी सेंट्रल इंस्टीट्यूट ऑफ ऑर्थोपेडिक्स के निदेशक प्रो. डॉ. सुमित सुरल के मार्गदर्शन में की गई। सर्जरी करने वाली टीम का नेतृत्व डॉ. भगवती प्रसाद शर्मा, कंसल्टेंट प्रोफेसर और यूनिट हेड ने किया।

यह ऐतिहासिक सर्जरी आयुष्मान भारत योजना के तहत पूरी तरह से मुफ्त की गई। यह ऑपरेशन इस केंद्रीय सरकारी अस्पताल में 75 साल के एक आर्थिक रूप से कमजोर पुरुष मरीज पर किया गया।

ऑर्थोपेडिक टीम का नेतृत्व डॉ. भगवती प्रसाद शर्मा ने किया, उनके साथ डॉ. ध्रुवे मैनी और डॉ. कार्तिक यादव थे। एनेस्थीसिया टीम का नेतृत्व डॉ. सुशील गुरिया ने किया। ऑपरेशन थिएटर की नर्सिंग स्टाफ सिस्टर रेखा और रितिका और टेक्निकल स्टाफ विजेंदर की टीम ने भी जरूरी सहयोग दिया।

नए रोबोटिक सिस्टम की एक बड़ी खासियत यह है कि यह अपग्रेडेबल प्लेटफॉर्म है, जिससे सीआईओ में रोबोट-असिस्टेड ऑर्थोपेडिक सर्जरी की रेंज बढ़ाने की गुंजाइश है। यह प्लेटफॉर्म इन सर्जरी में टोटल नी रिप्लेसमेंट, पार्शियल नी रिप्लेसमेंट और हिप जॉइंट रिप्लेसमेंट मदद कर सकता है

भविष्य में टेक्नोलॉजी और सॉफ्टवेयर अपग्रेड के साथ इसी प्लेटफॉर्म से रोबोट-असिस्टेड स्पाइन सर्जरी भी संभव हो सकेगी, जिससे मरीजों के लिए एडवांस सर्जिकल सेवाओं का दायरा और बढ़ेगा।

रोबोट-असिस्टेड सर्जरी से सटीक प्री-ऑपरेटिव प्लानिंग और सर्जरी के दौरान सटीकता मिलती है, खासकर इम्प्लांट की पोजीशन और अलाइनमेंट में। सीआईओ में इस तकनीक के आने से भविष्य के मरीजों के लिए एडवांस ऑर्थोपेडिक सर्जरी की पहुंच बढ़ेगी।

सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि केंद्रीय सरकारी अस्पताल में आयुष्मान भारत के तहत इस तकनीक की उपलब्धता से आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के मरीजों को भी एडवांस रोबोटिक ऑर्थोपेडिक देखभाल मिल सकेगी।

अनुलोम-विलोम प्राणायाम कर खांसी से पाएं राहत, तनाव व चिंता कम करने में भी मददगार

विश्व केसरी ■

नई दिल्ली। बारिश के मौसम में सर्दी-खांसी आम है। खांसी लगातार बनी रहे तो काफी परेशानी होती है। आमतौर पर लोग राहत के लिए दवाएं लेते हैं। लेकिन क्या आप जानते हैं कि अनुलोम-विलोम प्राणायाम से भी खांसी में आराम मिल सकता है? इसके अलावा यह एकाग्रता बढ़ाने और तनाव व चिंता को कम करने में भी मददगार है।

आयुष मंत्रालय के अनुसार, अनुलोम-विलोम प्राणायाम खांसी से जुड़ी समस्याओं में राहत दिला सकता है। मंत्रालय का कहना है कि नियमित अभ्यास से एकाग्रता और ऊर्जा बढ़ती है, साथ ही तनाव और चिंता का स्तर कम करने में मदद मिलती है। अभ्यास के दौरान कुछ समय गहरी सांस लेने और अपनी गति धीमी रखने पर ध्यान देना चाहिए। अनुलोम-विलोम के लिए बारी-बारी से दोनों नथुनों से सांस लें।

बीते दिन आयुष मंत्रालय की ओर से बदलते मौसम में होने वाली बीमारियों को नजरअंदाज न करने की चेतावनी दी गई थी। आयुष मंत्रालय ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर लिखा था, 'मौसम बदलने से आपकी सेहत पर अनपेक्षित असर पड़ सकता है। ऐसे चेतावनी वाले संकेतों को नजरअंदाज न करें, जिनके लिए तुरंत मेडिकल मदद की जरूरत हो सकती है।

आयुष मंत्रालय की ओर से सोशल मीडिया पर बताया गया था, 'तेज बुखार के साथ उलझन, सांस लेने में तकलीफ, शरीर में पानी की भारी कमी या लगातार उल्टी होना ऐसे संकेत हैं जिनके लिए बिना देरी किए डॉक्टर से सलाह लेनी चाहिए। समय पर मेडिकल मदद मिलने से गंभीर समस्याओं से बचा जा सकता है और जान भी बचाई जा सकती है।'

आयुष मंत्रालय की ओर से एक स्वस्थ हृदय के बारे में जानकारी साझा की गई थी। सोशल मीडिया पोस्ट में लिखा गया था, 'एक स्वस्थ, अधिक संतुलित जीवन की कुंजी है। रक्तचाप, रक्त ग्लूकोज, रक्त लिपिड और शरीर के वजन के प्रति सचेत रहने से हृदय संबंधी जोखिम कारकों को जल्दी पहचानने में मदद मिल सकती है। जागरूकता, रोकथाम और स्वस्थ जीवन शैली विकल्पों के माध्यम से हृदय स्वास्थ्य की दिशा में सक्रिय कदम उठाएं।

असम में जैव प्रौद्योगिकी में बड़ी कामयाबी, देशी लखीमी नस्ल की दुनिया की पहली आईवीएफ बछिया का जन्मः सीएम सरमा

विश्व केसरी ■

गुवाहाटी । असम ने पशुधन जैव प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में एक बड़ी उपलब्धि हासिल की है। राज्य में देशी लखीमी नस्ल की दुनिया की पहली आईवीएफ बछिया का जन्म हुआ है। मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने शनिवार को यह जानकारी दी।

मुख्यमंत्री सरमा ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर इस विकास को असम की 'सभ्यता, संस्कृति और सृजन' का ऐतिहासिक संगम बताया और कहा कि यह उपलब्धि राज्य के पशुधन और डेयरी क्षेत्र के लिए नए रास्ते खोल सकती है।

मुख्यमंत्री ने कहा, 'असम की मूल लखीमी नस्ल की दुनिया की पहली आईवीएफ मादा बछिया का जन्म असम पशु चिकित्सा और मत्स्य विश्वविद्यालय में हुआ है।'

यह सफलता गुवाहाटी के खानापारा स्थित पशु चिकित्सा विज्ञान महाविद्यालय की आईवीएफ प्रयोगशाला में हासिल की गई है। यह प्रयोगशाला राष्ट्रीय गोकुल मिशन के सहयोग से स्थापित की गई है।

असम की स्वदेशी नस्ल लखीमी मवेशियों के संरक्षण के लिए यह विकास विशेष रूप से महत्वपूर्ण माना जा रहा है, क्योंकि एडवांस्ड असिस्टेड रिप्रोडक्टिव टेक्नोलॉजी से मूल्यवान देशी आनुवंशिक संसाधनों को संरक्षित करते हुए आनुवंशिक रूप से बेहतर पशुओं की संख्या बढ़ाने में मदद मिल सकती है।

सरमा ने कहा कि यह उपलब्धि स्वदेशी नस्ल संरक्षण, बेहतर रोग नियंत्रण और अधिक दुग्ध उत्पादकता सहित कई क्षेत्रों में योगदान दे सकती है। लंबे समय में इन प्रयासों से असम की डेयरी अर्थव्यवस्था मजबूत होने और पशुपालक किसानों की आय में सुधार होने की उम्मीद है।

मुख्यमंत्री ने कहा, 'इस ऐतिहासिक उपलब्धि के पीछे सभी पशु चिकित्सा वैज्ञानिकों और पेशेवरों को मेरी हार्दिक बधाई।' उन्होंने कहा कि उनका काम असम के डेयरी क्षेत्र के लिए एक नए युग की शुरुआत करने की क्षमता रखता है। उन्होंने नवजात बछिया को आकार में छोटा लेकिन असम के जैव प्रौद्योगिकी इकोसिस्टम के लिए वैज्ञानिक उपलब्धि के लिहाज से महत्वपूर्ण बताया।

यह नवीनतम उपलब्धि पशुधन विकास में असिस्टेड रिप्रोडक्टिव टेक्नोलॉजी को लाने के असम के चल रहे प्रयासों पर आधारित है। इस साल की शुरुआत में पशु चिकित्सा महाविद्यालय के वैज्ञानिकों ने असम की पहली आईवीएफ बछिया, सोनापुर में जन्मी गिर नस्ल की मादा बछिया पैदा की थी, जिसने फील्ड परिस्थितियों में भ्रूण-स्थानांतरण तकनीक की व्यवहार्यता को प्रदर्शित किया था।

वैज्ञानिकों ने कहा है कि ऐसी तकनीकें बेहतर आनुवंशिक स्टॉक के तेजी से गुणन को सक्षम कर सकती हैं, जिससे संभावित रूप से दूध उत्पादकता में सुधार और डेयरी किसानों की आय को बढ़ाने में मदद मिल सकती है।

'ब्रिक्स फ्रेंडशिप संडे ऑन साइकिल' का आयोजन हुआ, फिट इंडिया अभियान आगे बढ़ रहाः मांडविया

विश्व केसरी ■

विशाखापत्तनम। केंद्रीय खेल मंत्री मनसुख मांडविया ने विशाखापत्तनम में 'संडे ऑन साइकिल' कार्यक्रम में हिस्सा लिया। ब्रिक्स देशों के बैठक के अवसर पर आयोजित 'संडे ऑन साइकिल' का यह संस्करण विशेष रहा।

'संडे ऑन साइकिल' कार्यक्रम के बाद मीडिया से बात करते हुए मांडविया ने कहा, 'विशाखापत्तनम में ब्रिक्स सम्मेलन के अवसर पर 'ब्रिक्स फ्रेंडशिप संडे ऑन साइकिल' का आयोजन किया गया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का फिट इंडिया अभियान आगे बढ़ रहा है। देश में 18,000 से अधिक जगहों पर संडे ऑन साइकिल कार्यक्रम का आयोजन कर देश के युवा फिटनेस का संदेश दे रहे हैं।'

उन्होंने कहा, 'साइकिल चलाने सबसे बेहतर व्यायाम है। साइकिल चलाने से हमारा पर्यावरण भी स्वच्छ और सुरक्षित रहता है। साइकिल चलाने से इंधन की बचत भी होती है। हम सभी को विकसित भारत बनाने के लिए फिट रहना है। व्यक्ति के स्वस्थ रहने से समाज स्वस्थ होता है और स्वस्थ समाज ही स्वस्थ और फिट देश का निर्माण करता है। प्रधानमंत्री मोदी ने इसी उद्देश्य से फिटनेस अभियान चलाया है। हम सभी प्रत्येक संडे को साइकिल चलाकर उनके उद्देश्य को पूर्ण करने में अपनी भूमिका निभा रहे हैं।'

भारत, अपनी ब्रिक्स अध्यक्षता 2026 के तहत 22 और 23 अगस्त को आंध्र प्रदेश के विशाखापत्तनम में ब्रिक्स युवा मंत्रियों और खेल मंत्रियों के बैठक की मेजबानी कर रहा है। दो दिन तक चलने वाली इन बैठकों में ब्रिक्स के सभी 11 सदस्य देशों के मंत्री और प्रतिनिधिमंडल शामिल हो रहे हैं। बैठकों का मकसद युवा मामलों और खेल के क्षेत्रों में ब्रिक्स देशों के बीच सहयोग को मजबूत करना है।

डॉ. मनसुख मांडविया इन बैठकों की अध्यक्षता कर रहे हैं, जबकि युवा मामले और खेल राज्य मंत्री रक्षा खडसे भी बैठक का हिस्सा है।

चंडीगढ़ में फिटनेस की प्रति जागरूकता के लिए दौड़ का आयोजन, मुख्य कार्यक्रम 4 अक्टूबर को होगा

विश्व केसरी ■

चंडीगढ़ । स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता फैलना के दृष्टिकोण से चंडीगढ़ में एक 'फिटनेस दौड़' का आयोजन किया। इसमें बड़ी संख्या में युवाओं के साथ ही हर आयु वर्ग के पुरुष और महिलाओं ने हिस्सा लिया।

मीडिया से बात करते हुए एयर कमोडोर दीपक पंत ने कहा, 'यह कार्यक्रम फ्लाइंग ऑफिसर निर्मल जीत सिंह सेखों के नाम पर है और यह एक प्रोमो रन है। सभी बड़े नाम और सभी सेलिब्रिटी 4 अक्टूबर को शामिल होंगे। मुख्य कार्यक्रम 4 अक्टूबर को ही आयोजित होना है। उन्होंने कहा, 'हमने जो कार्यक्रम अभी आयोजित किया है, वह एक प्रमोशन इवेंट है। यह असल में चंडीगढ़ के लोगों में जागरूकता फैलाने के लिए है। हम इसके माध्यम से 4 अक्टूबर को होने वाले मुख्य कार्यक्रम की तैयारी कर रहे हैं। जगह कैसे तैयार होगी, ट्रैफिक कैसे नियंत्रण में रहेगा, भागदौड़ न हो जैसी चीजों पर हम ध्यान दे रहे हैं। यह पूरी तरह से एक स्थानीय इवेंट है।'

पंत ने कहा कि सुखिया झील के पास बड़ी संख्या में लोग सुबह में टहलने, दौड़ने और खुद को फिट रखने के लिए आते हैं। ऐसे में इस प्रमोशनल इवेंट के माध्यम से हम उनलोगों अपने मुख्य कार्यक्रम की जानकारी भी देना चाहते थे।

चंडीगढ़ में आयोजित इस कार्यक्रम में बड़ी संख्या में लोगों ने हिस्सा लिया।

हिस्सा लेने वाले प्रतिभागियों में काफी ऊर्जा और जोश दिखाई दे रहा था। सड़कों पर दौड़ते हुए लोगों के चेहरे पर छाई मुस्कान यह बता रही थी कि वे इस इस इवेंट में शामिल होकर खुश हैं और प्रमुख इवेंट (4 अक्टूबर) का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। दौड़ के बाद लोग कसरत करते, अपनी संगीत कला का प्रदर्शन करते भी दिखे। चंडीगढ़ की ख्याति एक जीवंत शहर के रूप में है।

ऐसे में इस कार्यक्रम ने स्थानीय लोगों, खासकर इसमें हिस्सा लेने वाले प्रतिभागियों का रविवार रोमांचक बना दिया।

स्वास्थ्य मंत्रालय की लोगों से अपील, स्वाइन फ्लू के लक्षणों को न करें नजरअंदाज

विश्व केसरी ■

नई दिल्ली। अक्सर बदलते मौसम के साथ लोगों को सर्दी, बुखार, शरीर में दर्द, गले में खराश, खांसी, सिरदर्द आदि जैसी समस्या होने लगती है, जो लोगों को बारिश और तापमान में उतार-चढ़ाव के कारण आम लगती है।

कई बार लोग इसे सामान्य वायरल या मौसम का असर समझकर नजरअंदाज भी कर देते हैं। हालांकि, अगर ऐसे लक्षण लगातार बने रहें या बढ़ने लगें, तो सावधान होना अति आवश्यक हो जाता है, क्योंकि ये लक्षण स्वाइन फ्लू (एच1एन1) संक्रमण के भी हो सकते हैं।

इसी को लेकर शनिवार को स्वास्थ्य मंत्रालय ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर एक पोस्ट शेयर कर लोगों को सतर्क किया कि

स्वाइन फ्लू (एच1एन1) के लक्षणों में बुखार, खांसी, गले में खराश, सिरदर्द, नाक बहना, शरीर में दर्द और थकान शामिल हो सकते हैं।

स्वास्थ्य मंत्रालय ने कहा कि इन लक्षणों को जल्दी पहचानें और लगातार बने रहने वाले लक्षणों को नजरअंदाज न करें। अगर आपको ये लक्षण महसूस हों, तो नजदीकी हेल्थकेयर सेंटर पर जाकर डॉक्टर की सलाह लें।

बता दें कि अगर आप स्वाइन फ्लू (एच1एन1) से संक्रमित हो जाते हैं, तो आपको घबराने की जरूरत नहीं है। ऐसी स्थिति में आपको घबराने के बजाय सही सावधानी बरतनी होगी। डॉक्टरों की देखरेख में रहने के साथ बताए गए पौष्टिक व्यंजनों का सेवन करना होगा।

अगर आप में फ्लू जैसे लक्षण हैं, तो दूसरों के संपर्क में आने से बचें। मास्क पहनें, खासकर जब घर से बाहर निकलना पड़े या दूसरे लोगों के आसपास रहना हो। घर में बुजुर्ग, छोटे बच्चे या पहले से किसी बीमारी से जूझ रहे लोग हों, तो उनके करीब जाने में विशेष सावधानी बरतें। इससे संक्रमण फैलने का खतरा कम करने में मदद मिल सकती है।

खांसी या छींक आने पर मुंह और नाक को टिश्यू पेपर या रुमाल से ढकें और समय-समय पर उसे बदलते रहें।

दूसरा टेस्टः पड्डिकल की बैक-टू-बैक सेंचुरी, पहले दिन भारत ने जड़ा 'तिहरा शतक'

एजेंसी ■

कोलंबो। भारत ने श्रीलंका के खिलाफ सिंहलीज स्पोर्ट्स क्लब में जारी दूसरे टेस्ट मैच के पहले दिन शानदार बल्लेबाजी की। मेहमान टीम ने देवदत्त पड्डिकल की शतकीय पारी के दम पर दिन की समाप्ति तक 85 ओवरों का सामना करते हुए 5 विकेट गंवाकर 300 रन बना लिए हैं।

टॉस जीतकर बल्लेबाजी करने उतरी भारतीय टीम के लिए सलामी जोड़ी के रूप में यशस्वी जायसवाल और केएल राहुल ने 37 रन की साझेदारी की। केएल राहुल 33 गेंदों में 3 बाउंड्री के साथ 18 रन बनाकर पवेलियन लौटे।

इसके बाद देवदत्त पड्डिकल ने मोर्चा संभाला। उन्होंने जायसवाल के साथ दूसरे विकेट के लिए 29 रन की साझेदारी करते हुए टीम को 66 के स्कोर तक पहुंचाया। जायसवाल अर्धशतक से महज 5 रन दूर रह गए। उन्होंने 53 गेंदों में 9 चौकों के साथ 45 रन की पारी खेली।

यहां से कप्तान शुभमन गिल ने पड्डिकल के साथ तीसरे विकेट के लिए 120 रन जुटाकर टीम को 186 के स्कोर तक पहुंचाया। गिल ने 108 गेंदों का सामना करते हुए 6 चौकों के साथ 50 रन बनाए।

ऋषभ पंत पांचवें नंबर पर बल्लेबाजी के लिए उतरे। वह सिर्फ 3 ही रन बना सके थे। पारी के 58वें ओवर की पहली ही गेंद पर लाहिरू कुमारा की गेंद उनकी बाएं हाथ की कलाई पर लगी, जिसके बाद पंत को तेज दर्द के कारण मैदान छोड़ना पड़ा।

उस समय भारतीय विकेटकीपर-बल्लेबाज 15 गेंदों का ही सामना कर सके थे।

रवींद्र जडेजा, पंत के स्थान पर बल्लेबाजी के लिए उतरे। उन्होंने पड्डिकल के साथ 74 रन जोड़े। पड्डिकल 193 गेंदों में 12 चौकों के साथ 117 रन बनाकर आउट हुए। इससे पिछले मैच में पड्डिकल ने 167 रन की शतकीय पारी खेली थी।

भारत को 296 के स्कोर पर चौथा झटका लगा। इसके बाद टीम के खाते में सिर्फ 15 ही रन जुड़ सके थे कि जडेजा भी अपना विकेट गंवा बैठे, जिन्होंने टीम इंडिया के खाते में 43 रन का योगदान दिया। दिन की समाप्ति तक ध्रुव जुरेल 7 रन, जबकि सारांश जैन 4 रन बनाकर नाबाद रहे।

मेजबान श्रीलंका की तरफ से असिथा फर्नांडो 46 रन देकर 3 विकेट हासिल कर चुके हैं। वहीं, लाहिरू कुमारा और केशरा नुवानथा ने 1-1 विकेट अपने नाम किया है।

भारतीय टीम इस मैच में यशस्वी जायसवाल, केएल राहुल, देवदत्त पडिक्कल, शुभमन गिल (कप्तान), ऋषभ पंत (विकेटकीपर), रवींद्र जडेजा, ध्रुव जुरेल, सारांश जैन, मानव सुथार, मोहम्मद सिराज और प्रसिद्ध कृष्णा के साथ उतरी है।

वहीं, श्रीलंका की प्लेइंग इलेवन में लाहिरू उदारा, कामिल मिशारा, पसिंदु सोरियाबंदरा, कामिंडु मेंडिस, धनंजय डी सिल्वा (कप्तान), सोनल दिनुशा, निरोशन डिकवेला (विकेटकीपर), केशर नुवांथा, प्रभात जयसूर्या, लाहिरू कुमारा और असिथा फर्नांडो शामिल हैं।

सिनसिनाटी ओपन फाइनलः महिला एकल में पेगुला और गॉफ, पुरुष एकल में टियाफो और फिल्स के बीच मुकाबला

विश्व केसरी ■

नई दिल्ली। सिनसिनाटी ओपन के महिला और पुरुष एकल का फाइनल मुकाबला तय हो चुका है। महिला एकल का फाइनल जेसिका पेगुला और कोको गॉफ के बीच होगा, जबकि पुरुष एकल का फाइनल मुकाबला फ्रांसेस टियाफो और आर्थर फिल्स के बीच खेला जाएगा।

जेसिका पेगुला ने सेमीफाइनल में डिफेंडिंग चैंपियन इगा स्वियाटेक को हराया। तीन सेट के रोमांचक मुकाबले में पेगुला ने स्वियाटेक को 7-5, 4-6, और 6-4 से हराया। यह मुकाबला 2 घंटे 47 मिनट तक चला।

पेगुला ने कहा, 'मैच बहुत मुश्किल था। स्वियाटेक शानदार फॉर्म में हैं। सेमीफाइनल में इगा जैसे महान एथलीट को हराना और एक और 1000 फाइनल में पहुंचना शानदार है।'

वहीं, कोको गॉफ ने सेमीफाइनल में चेक रिपब्लिक की सारा बेजलेक को 76 मिनट तक चले मैच में 6-4, 6-1 से हराया।

जेसिका पेगुला और कोको गॉफ के बीच सिनसिनाटी ओपन के महिला एकल का फाइनल मुकाबला 24 अगस्त को भारतीय समयानुसार सुबह 4:30 बजे खेला जाएगा।

वहीं, आर्थर फिल्स ने 67 मिनट तक चले सेमीफाइनल मुकाबले में फ्लेवियो कोबोली को 6-3, 6-4 से हराकर फाइनल में जगह बनाई। फिल्स की यह लगातार पांचवीं जीत थी। कोबोली ने 2-1 की बढ़त ले ली, लेकिन फिल्स ने आठवें गेम में तुरंत सर्व तोड़कर जवाब दिया क्योंकि इटैलियन खिलाड़ी को बेसलाइन से खेलने में दिक्कत हो रही थी। 22 साल के फ्रेंच खिलाड़ी ने दूसरे सेट के पहले गेम में सर्व तोड़ा और अपने दमदार फोरहैंड से मैच पर कंट्रोल कर लिया, और 22 विनर्स और छह एस के साथ सेट खत्म किया। दूसरे सेमीफाइनल में टियाफो ने ब्रैंडन नाकाशिमा को 7-5, 6-3 से हराया। पहले सेट में उन्हें लगातार चार ब्रेक पॉइंट मिले, जिसके बाद टियाफो ने सर्व करके 4-3 की बढ़त बना ली। फिर उन्होंने दोबारा ब्रेक करके स्कोर 6-5 कर दिया और सर्व करके सेट जीत लिया।

इसके बाद टियाफो ने नाकाशिमा के खिलाफ दूसरे सेट में 3-2 की बढ़त बना ली और सर्व करके जीत पक्की करते हुए फाइनल में जगह बना ली।

एशियन गेम्स में हमारी कोशिश पदक जीतने की होगीः हरमीत देसाई

विश्व केसरी ■

सूरत। भारत के स्टार टेबल टेनिस खिलाड़ी और अर्जुन अवॉर्ड से सम्मानित ओलंपियन हरमीत देसाई एशियन गेम्स की तैयारी कर रहे हैं। एशियन गेम्स के लिए भारतीय टीम की तैयारी पर उन्होंने कहा कि हमारी कोशिश सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते हुए पदक जीतने की होगी।

हरमीत देसाई ने आईएएनएस के साथ खास बातचीत में आगामी एशियन गेम्स, अंतर्राष्ट्रीय रैंकिंग के दबाव और भारतीय टेबल टेनिस में आए बदलावों और एशियन गेम्स के लिए भारतीय पुरुष टीम की तैयारियों पर अपनी राय रखी।

एशियन गेम्स के लिए भारतीय पुरुष टीम की तैयारियों पर हरमीत ने कहा, 'टीम में अनुभव और युवा प्रतिभा का शानदार संतुलन है। टीम में उनके साथ मानव ठक्कर, मानुष शाह, जी. साथियान और पायस जैन शामिल हैं।

हम पहले भी दुनिया की शीर्ष टीमों को हरा चुके हैं। हमारी कोशिश होगी कि एशियन गेम्स में एक टीम के रूप में अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन दें और देश के लिए मेडल लेकर आएं।

रैंकिंग के दबाव और खेल के बदले प्रारूप पर उन्होंने कहा, 'वर्ल्ड रैंकिंग हर सप्ताह अपडेट होती है। इस वजह से खिलाड़ियों को साल में लगभग 18 से 20 अंतर्राष्ट्रीय टूर्नामेंट्स (जैसे कंटेंडर, फीडर और स्मैश) खेलने पड़ते हैं।

ऑस्ट्रेलिया ने लिया हार का बदला, दूसरे टेस्ट के दूसरे ही दिन बांग्लादेश को पारी और 51 रन से हराया

विश्व केसरी ■

साउथ मैके। ऑस्ट्रेलिया ने डार्विन में खेले गए सीरीज के पहले टेस्ट में बांग्लादेश से मिली हार का बदला ले लिया है। साउथ मैके में खेले गए सीरीज के दूसरे टेस्ट में ऑस्ट्रेलिया ने बांग्लादेश को दूसरे ही दिन पारी और 51 रन से हरा दिया। इस जीत के साथ ऑस्ट्रेलिया ने सीरीज 1-1 से बराबर कर दी।

दूसरे दिन (रविवार) के खेल की शुरुआत ऑस्ट्रेलिया ने 8 विकेट पर 165 रन से शुरू की। ऑस्ट्रेलिया की पहली पारी 210 रन पर सिमटी। कैमरन ग्रीन ने 67, स्टीव स्मिथ ने 42 और नाथन लियोन ने 32 रन बनाए। पहली पारी में ऑस्ट्रेलिया ने बांग्लादेश पर 146 रन की बढ़त बनाई।

बांग्लादेश के लिए शोरिफुल इस्लाम ने 7 विकेट लिए थे।

बांग्लादेश दूसरी पारी में भी ऑस्ट्रेलियाई तेज गेंदबाजी आक्रमण का सामना नहीं कर सकी और 38.3 ओवर में 95 रन पर सिमट गई। बांग्लादेश की दूसरी पारी दूसरे दिन के तीसरे सेशन की तीसरी गेंद पर सिमटी। बांग्लादेश के लिए कप्तान नजमुल होसेन शांतो ने सर्वाधिक 31 रन बनाए। मुशफिकुर रहमान 29 रन बनाकर नाबाद रहे। इसके अलावा कोई भी बल्लेबाज दो अंकों में प्रवेश नहीं कर सका।

ऑस्ट्रेलिया के लिए मिचेल स्टार्क ने 4, जबकि पैट कमिंस और नाथन लियोन ने 3-3 विकेट लिए।

बांग्लादेश लगातार दूसरी पारी में 100 का आंकड़ा पार नहीं कर सकी और इसी निराशाजनक बल्लेबाजी के कारण टीम को दूसरे दिन के तीसरे सेशन के पहले ही ओवर में पारी और 51 रन से हार का सामना करना पड़ा।

इससे पहले बांग्लादेश पहली पारी 64 रन पर सिमट गई थी। मिचेल स्टार्क ने 6 विकेट चटकाए थे। डार्विन टेस्ट में मिली हार ऑस्ट्रेलिया को अपने घर में बांग्लादेश से मिली पहली हार थी। इस हार के बाद ऑस्ट्रेलियाई टीम को आलोचना झेलनी पड़ी थी। डार्विन टेस्ट 9 विकेट से गंवाने वाली ऑस्ट्रेलिया ने साउथ मैके में जोरदार और खतरनाक वापसी की और बांग्लादेश को संभलने का मौका नहीं दिया।

सीरीज 1-1 से बराबर रही।

मिचेल स्टार्क प्लेयर ऑफ मैच और प्लेयर ऑफ द सीरीज रहे। स्टार्क इस मैच में 10 विकेट लिए, जबकि पहले टेस्ट में 2 विकेट लिए थे।

डब्ल्यूटीसी प्वाइंट्स टेबलः दूसरे टेस्ट में बांग्लादेश की हार से भारतीय टीम को राहत, ऑस्ट्रेलिया की बादशाहत कायम

विश्व केसरी ■

नई दिल्ली। दूसरे टेस्ट में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ बांग्लादेश को मिली हार से भारतीय टीम को वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) की प्वाइंट्स टेबल में फायदा पहुंचा है। वहीं, कंगारू टीम की बादशाहत कायम है।

बांग्लादेश दूसरे टेस्ट में मिली हार के बाद डब्ल्यूटीसी की प्वाइंट्स टेबल में तो चौथे स्थान पर ही बना हुआ है, लेकिन टीम का जीत प्रतिशत 66 से गिरकर अब 55.56 पर आ गया है। श्रीलंका के खिलाफ कोलंबो में अगर भारतीय टीम दूसरे टेस्ट मैच को जीतने में सफल रहती है, तो वह टेबल में बांग्लादेश से आगे निकल जाएगी।

मैके के ग्रेट बैरियर रीफ एरिना में खेले गए दूसरे टेस्ट मैच में बांग्लादेश के बल्लेबाजों का प्रदर्शन निराशाजनक रहा। पहली पारी में बांग्लादेश की पूरी टीम सिर्फ 64 रन बनाकर ऑलआउट हुई, जबकि दूसरी इनिंग में टीम 95 रन ही बना सकी। दूसरे टेस्ट में मिली शानदार जीत के दम पर ऑस्ट्रेलिया ने डब्ल्यूटीसी की प्वाइंट्स टेबल में पहले स्थान पर अपनी स्थिति को और मजबूत कर लिया है। टीम का जीत प्रतिशत अब 80 पर पहुंच गया है। वहीं, साउथ अफ्रीका 75 के जीत प्रतिशत के साथ दूसरे नंबर पर काबिज है। 72.22 के जीत प्रतिशत के साथ न्यूजीलैंड तीसरे नंबर पर मौजूद है।

ऑस्ट्रेलिया के तेज गेंदबाजों का प्रदर्शन बांग्लादेश के खिलाफ दूसरे टेस्ट में लाजवाब रहा। खासतौर पर मिचेल स्टार्क की हवा में लहराती हुई गेंदों के आगे बांग्लादेशी बल्लेबाजों ने आसानी से घुटने टेक दिए। स्टार्क ने पहली पारी में 6 और दूसरी इनिंग में 4 विकेट चटकाए। स्टार्क के अलावा, कंगारू टीम के कप्तान पैट कमिंस का प्रदर्शन भी शानदार रहा और उन्होंने दोनों पारियों को मिलाकर 6 विकेट झटके। वहीं, नाथन लायन ने 3 विकेट चटकाए। इस जीत के साथ ही ऑस्ट्रेलियाई टीम दो मैचों की टेस्ट सीरीज को 1-1 से बराबर करने में भी सफल रही। बांग्लादेश ने पहले टेस्ट में दमदार प्रदर्शन करते हुए ।

बायर्न म्यूनिख ने जीता खिताब, बोरुसिया डॉर्टमुंड को 2-1 से हराया

फ्रांज बेकनबाउर सुपरकप पर बायर्न का रिकॉर्ड 12वां कब्जा

डॉर्टमुंड। बायर्न म्यूनिख ने बोरुसिया डॉर्टमुंड को 2-1 से हराकर सीजन का पहला जर्मन सुपरकप (फ्रांज बेकनबाउर सुपरकप) जीता।

जमाल मुसियाला और सर्ज ग्नाब्री के बाहर होने पर, बायर्न के कोच विंसेंट कोम्पनी ने नए खिलाड़ी डिफेंडर नैथनियल ब्राउन को नंबर 10 रोल में भेजा। 23 साल के खिलाड़ी ने 28वें मिनट में गोल करके कोच के भरोसे को सही साबित किया।

जोशुआ किमिच ने माइकल ओलिस की ओर एक लंबी गेंद भेजी, जिन्होंने एरिया के किनारे पर डॉर्टमुंड के डिफेंस को रोककर ब्राउन को बॉल दी। जर्मनी के इंटरनेशनल खिलाड़ी ने कोई गलती नहीं की, और गोलकीपर ग्रेगर कोबेल को छकाते हुए बायर्न के लिए अपना पहला प्रतियोगी गोल किया। पहले हाफ के स्टॉपेज टाइम में विजिटर्स ने अपनी बढ़त दोगुनी कर ली। जोबे बेलिंगहैम ने अपने ही हाफ में पजेशन खो दिया। ओलिस गेंद लेकर पेनल्टी एरिया में दौड़े और शांति से कोबेल के पार नीचे-बाएं कोने में गोल कर दिया।

'मैंने हर दिन उस पोडियम पर खड़े होने की कल्पना की थी', बैडमिंटन वर्ल्ड चैंपियनशिप में ब्रॉन्ज जीतकर खुश त्रिशा जॉली

विश्व केसरी ■

नई दिल्ली। भारतीय शटलर त्रिशा जॉली पिछले तीन महीनों से खुद को वर्ल्ड चैंपियनशिप के पोडियम पर खड़े होने की कल्पना कर रही थीं, आखिरकार उनका सपना सच हुआ। शनिवार को त्रिशा ने जोड़ीदार गायत्री गोपीचंद के साथ विमेंस डबल्स इवेंट में ब्रॉन्ज मेडल अपने नाम किया। त्रिशा और गायत्री को सेमीफाइनल में मौजूदा चैंपियन चीन की लियू शेंग शू और टैन निंग के हाथों 21-18, 13-21, 8-21 से हार का सामना करना पड़ा, लेकिन इससे पहले ही भारतीय जोड़ी विमेंस डबल्स में ऐतिहासिक ब्रॉन्ज मेडल पक्का कर चुकी थी। यह साल 2011 में ज्वाला गुट्टा और अश्विनी पोनप्पा के ब्रॉन्ज मेडल के बाद वर्ल्ड चैंपियनशिप के इस इवेंट में देश का पहला मेडल था।

त्रिशा ने 'मीडिया ' से कहा, 'मैंने सच में हर दिन उस पोडियम पर होने की कल्पना की थी। मुझे लगता है कि कहीं न कहीं वह सोच, वह विश्वास काम आया। आप हर दिन उसके लिए सपना देखते हैं। हर दिन आप खुद को उसे हासिल करते हुए देखते हैं। मुझे लगता है कि आज आप इसे असल में होते हुए देख सकते हैं।'

भारतीय जोड़ी ने क्वार्टर फाइनल में चौथी वरीयता प्राप्त जिया यी फैन और झांग शू जियान को हराकर अपना मेडल सुनिश्चित किया था। चुनौतियों से पार पाने में मदद करने वाली सोच के बारे में बात करते हुए त्रिशा ने कहा कि उन्होंने आक्रामकता और शांति के बीच सही संतुलन बनाना सीख लिया है।

उन्होंने कहा, 'मैं इस टूर्नामेंट में, शांति और आक्रामकता के बीच सही तालमेल बिठा पा रही थी। जब मुझे आक्रामकता की जरूरत होती है, तो बस उसका इस्तेमाल करती हूं। जब मुझे ऐसी स्थिति में होना होता है जहां मुझे हालात को संभालना हो, तो मुझे बस शांत रहना होता है। मुझमें यह बदलाव आया।

इससे हमें भी मदद मिली। मुझे लगता है कि चीनी खिलाड़ियों के खिलाफ खेलते समय आप आसानी से प्वाइंट नहीं दे सकते। आपको पहले प्वाइंट से लेकर 21वें प्वाइंट तक सतर्क रहना होता है।

स्वात्वधिकारी राइवल्स मीडिया प्राइवेट लिमिटेड के लिए, मुद्रक, प्रकाशक एवं संपादक सुजीत कुमार द्वारा साई प्रिंटिंग प्रेस, डी-85, सेक्टर 6 नोएडा,गौतम बुद्ध नगर पिन कोड -201301 उ.प्र. से मुद्रित और मकान संख्या एन-58 जगतराम पार्क के सामने, लक्ष्मी नगर पूर्व दिल्ली-110053 से प्रकाशित
समाचार संपादक : चन्द्रमणी साव (पीआरबी एक्ट के अनुसार समाचार पत्र चयन एवं संपादन के लिए उत्तरदायी। नोट किसी भी विवाद के निपटारे के लिए न्यायक्षेत्र दिल्ली होगा) मोबाइल 9340573892 ई-मेलः vishwakesari2026@gmail.com,आर.एन.आई.नं. DLHIN/2015/61415